निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

समुद्र में बढ़ी भारत की ताकत, स्वदेशी युद्धपोत माहे नौसेना में शामिल

• बोकारो, मंगलवार 25 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 188 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

मुख्यमंत्री ने झारखंड के पहले कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का किया उद्घाटन

पायलट बनने का सपना होगा साकार : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दुमका। झारखंड के नौजवान अब पायलट बनने के लिए दूसरे राज्यों की ओर नहीं देखेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को दुमका में राज्य के पहले फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन किया। यह उपलब्धि सिर्फ एक संस्थान का उद्घाटन नहीं बल्कि झारखंड के युवाओं को आसमान में उड़ान देने का एक ऐतिहासिक कदम है। दुमका एयरफील्ड पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम सोरेन ने कहा कि आज झारखंड अपने युवाओं को सिर्फ सपने देखने का नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का रास्ता दे रहा है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक राज्य के युवा पायलट बनने के लिए दूसरे राज्यों में प्रशिक्षण लेने को मजबूर थे जहां खर्चीला कोर्स और बाहर रहने की मजबूरियों के कारण कई सपने अधूरे रह जाते थे। अब राज्य सरकार उनके भविष्य को सुरक्षित दिशा दे रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज के

युवा इस बात पर गर्व करते हैं कि वे झारखंड सरकार की वजह से नए अवसरों के दरवाज़े पर खड़े हैं। हमारी सरकार सिर्फ योजनाएं नहीं ला रही, हम युवाओं का भविष्य गढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि झारखंड अपनी रजत जयंती कई तरीकों से, कई दिनों से मना रहा है। फ्लाइंग इंस्टीट्यूट को पूरी तरह झारखंड सरकार संचालित करेगी। यहां 30 योग्य छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा जिनमें 15 सीटें आरक्षित श्रेणी के लिए तय की गई हैं। आरक्षित वर्ग के छात्रों को प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क दिया जाएगा। पूरी ट्रेनिंग 200 घंटे की होगी और इसे देश के प्रतिष्ठित सिविल एविएटर प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। दुमका में प्रशिक्षण के लिए तीन जेलिन एयरक्राफ्ट, तीन ग्लाइडर और एक स्टीमिया एयरक्राफ्ट की व्यवस्था पहले से मौजूद है। सारे बुनियादी ढांचे तैयार कर लिए गए हैं। यह शुरुआत झारखंड के युवाओं के लिए सिर्फ करियर का अवसर नहीं बल्कि उड़ान भरते झारखंड की नई पहचान है। अब आसमान भी झारखंड के सपनों की सीमा नहीं बल्कि उनका गंतव्य होगा।

जंगली हाथियों ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गिरिडीह। जिले के बिरनी थाना क्षेत्र में जंगली हाथियों ने एक बार फिर से कहर बरपाया है। हाथियों ने सोमवार को अहले सुबह में दो महिलाओं सहित तीन लोगों को कुचल दिया जिससे दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों के द्वारा पीड़ित परिजनों को मुआवजा एवं घायल के इलाज की गारंटी सुनिश्चित किए जाने की मांग की जा रही है। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई है। यह घटना जिले के बिरनी थाना क्षेत्र अंतर्गत गादी गांव की है। मृतकों में शांति देवी एवं बोधी पंडित शामिल हैं जबकि घायल की पहचान पेशम गांव की सुदामा देवी के तौर पर हुई है। घायल का गिरिडीह के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंचे उप प्रमुख शेखर सुमन ने बताया कि सोमवार की सुबह शांति देवी और बोधी पंडित अपने खलिहान की ओर गए हुए थे। इसी दौरान उधर से क्रास कर रहे हाथियों ने दोनों को कुचल दिया। वहीं सुदामा देवी को एक हाथी ने पटक दिया जिससे वह घायल हो गई। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग और बरकट्ठा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची हुई है। उप प्रमुख ने इलाके से हाथियों को भगाए जाने की भी मांग की है। इधर घटना के बाद पीड़ित परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। डीएफओ मनीष तिवारी ने बताया कि हाथियों ने दो लोगों की जान ली है। घटना उस वक्त घटी जब मृतक शौच के लिए निकले थे। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों को प्रारंभिक मुआवजा दिया गया है। आगे के मुआवजा की प्रक्रिया चल रही है। हाथियों के झुंड को क्षेत्र से सुरक्षित निकालने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए पूरी टीम लगी हुई है।

संक्षिप्त समाचार

बंद माइंस के गड्ढे में डूबा युवक

चतरा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के कन्नौदी गांव में सोमवार को एक युवक बंद पड़े माइंस के गहरे गड्ढे में डूब गया। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत जोरी थाना क्षेत्र से सटे कन्नौदी गांव में हुई। युवक शौच के लिए गया था तभी उसका पैर फिसल गया। डूबने वाले युवक की पहचान आनंद कुमार यादव के रूप में हुई है।

गांजा की खरीद-बिक्री करने में दो गिरफ्तार

रामगढ़ (नबिटा ब्यूरो)। जिले के भुरकुंडा सियाल क्षेत्र में पुलिस ने गांजा खरीदने और बेचने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल 60 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पतरातू थाना क्षेत्र के सयाल टीना साइड निवासी विक्रेता उमेश प्रसाद और ऊपर धोरा भुइयां टोला निवासी क्रेता सलमान अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उन्हें गांजा का लेन-देन करते हुए रंगे हाथों पकड़ा है।

सीएनजी टेंपो में धमाका होने से मचा हड़कंप

जमशेदपुर (नबिटा ब्यूरो)। जिले के टाटानगर स्टेशन के मुख्य गेट के पास सोमवार सुबह एक सीएनजी टेंपो में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद टेंपो में दो धमाके हुए जिससे आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। धमाकों की आवाज दूर तक सुनाई दी जिससे स्टेशन क्षेत्र में कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया।

बच्ची की हत्या

गुमला (नबिटा ब्यूरो)। जिले के बसिया थाना क्षेत्र के बनागुटु अम्बाटोली गांव में एक छह वर्षीय नाबालिग बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने गांव के ही शशि पहान पर हत्या से पहले बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करने के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे में बाइक सवार की मौत

गोड्डा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के महागामा थाना क्षेत्र में सिमड़ा मोहनपुर-बायपास सड़क पर रवियाडीह के पास एक सड़क दुर्घटना में 35 वर्षीय सद्दाम अंसारी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान ललमटिया थाना अंतर्गत डहुआ निवासी सद्दाम अंसारी के रूप में हुई है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सद्दाम अंसारी अपनी बाइक से मोहनपुर की ओर से तेतरिया स्थित अपने ससुराल जा रहे थे। रवियाडीह के पास पीछे से आ रहे कोयला लदे एक तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सद्दाम ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

पलामू में व्यवसायी के घर लूट, लुटेरा गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सखुई गांव में एक व्यवसायी के घर लूटपाट के दौरान ग्रामीणों ने एक लुटेरे को पकड़ लिया। व्यवसायी दिना प्रसाद उर्फ धीरेंद्र प्रसाद के दुकान सह मकान में रविवार रात यह घटना हुई जहां पूरे परिवार को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया गया था। इधर ग्रामीणों की पिटाई से घायल लुटेरे को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पकड़े गए अपराधी की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी के रूप में हुई है। उसे किशुनपुर स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद एमएमसीएच के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस उससे पूछताछ कर उसके फरार साथियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। सदर एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद ने बताया कि एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया है और दो हथियार बरामद हुए हैं। रविवार रात तीन लुटेरे एक कार से व्यवसायी दिना प्रसाद के घर में घुसे थे। उन्होंने परिवार के सदस्यों को बंधक बनाकर लूटपाट की। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है जिसमें डकैत हथियार लिए हुए दिख रहे हैं। लूटपाट के दौरान मौका पाकर दिना प्रसाद अपराधियों से भिड़ गए। उन्होंने खुद को बचाते हुए एक लुटेरे को पकड़ शोर मचाना शुरू कर दिया। आसपास के लोग जुटने लगे तो दो अन्य अपराधी अपने साथी और हथियार छोड़कर कार से फरार हो गए। वे दो सोने की चेन, दुकान की चाबी और दो मोबाइल फोन लेकर भागने में सफल रहे। मौके पर जुटी भीड़ ने पकड़े गए अपराधी की जमकर पिटाई की जिससे वह लहूलुहान हो गया। ग्रामीणों ने दोनों हथियार और गोलियां भी जब्त कर लीं। सूचना मिलने पर पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अपराधी को अपनी गिरफ्त में लेकर बरामद हथियार अपने कब्जे में ले लिया।

घर में घुसकर पुजारी की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के बुंडू गांव में रविवार की आधी रात अज्ञात अपराधियों ने गांव के 35 वर्षीय रूपलाल करमाली की उनके ही घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब 12 से 1 बजे के बीच हुई। ग्रामीणों के मुताबिक अपराधी घर के पीछे की ओर से पहुंचे और छत का सहारा लेकर अंदर घुसे। उन्होंने सो रहे रूपलाल पर एक के बाद एक पांच गोलियां दाग दीं। गोली चलने की आवाज सुनकर ग्रामीण घर की ओर दौड़े लेकिन तब तक हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। गांव में अचानक हुई घटना के बाद लोगों ने तुरंत केरेडारी थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। रूपलाल करमाली गांव में आयोजित होने वाली बुंडू मंडा पूजा में भगत पुजारी की भूमिका निभाते थे। गांव के धार्मिक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका के कारण लोग उन्हें सम्मान की नजर से देखते थे। उनकी इस तरह की निर्मम हत्या ने पूरे गांव को सकते में डाल दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम देर रात ही मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की, चारों ओर फैले खून के धब्बों और गोलियों के खोखे को जब्त किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। ग्रामीणों ने बताया कि रूपलाल का किसी से कोई विवाद नहीं था, ऐसे में उनकी हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है लेकिन तकनीकी जांच, कॉल डिटेल और स्थानीय इनपुट के आधार पर अपराधियों की पहचान की कोशिश जारी है। पुलिस परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है ताकि किसी तरह की पुरानी रंजिश या व्यक्तिगत विवाद की जानकारी मिल सके। गांव में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी ने भरोसा दिलाया कि इस जघन्य घटना में शामिल अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हिंदी सिनेमा के ही-मैन धर्मेन्द्र का निधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हैदराबाद। हिंदी सिनेमा के ही-मैन धर्मेंद्र का सोमवार को 89 साल की उम्र में निधन हो गया है। एक्टर का निधन उनके 90वें बर्थडे से पहले हुआ है। वह आगामी 8 दिसंबर 2025 को अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र के निधन की इस खबर से पूरा देश शोक में डूब गया है। सेलेब्स से लेकर राजनेता तक एक्टर के निधन पर शोक जता रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत अन्य राजनेताओं ने एक्टर धर्मेंद्र के निधन पर दुख जताया है। धर्मेंद्र के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। उन्होंने एक्स हैंडल पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, 'धर्मेंद्र जी के जाने से भारतीय सिनेमा में एक युग का अंत हो गया है। वह एक आइकॉनिक फिल्म पर्सनैलिटी थे, एक जबरदस्त एक्टर थे जिन्होंने अपने हर रोल में चार्म और गहराई लाई। जिस तरह से उन्होंने अलग-अलग तरह के रोल किए, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और प्यार के लिए भी उतने ही जाने जाते थे। इस दुख की घड़ी में, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के साथ हैं। ओम शांति।' देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी एक्टर धर्मेंद्र के निधन पर शोक जताया है। एक्स हैंडल पर पोस्ट साझा

करते हुए राष्ट्रपति ने लिखा है, 'जाने-माने एक्टर और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान है। सबसे पॉपुलर एक्टर्स में से एक, उन्होंने अपने दशकों लंबे शानदार करियर में कई यादगार परफॉर्मेंस दीं। भारतीय सिनेमा की एक बड़ी हस्ती के तौर पर, वह अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की नई पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्टर धर्मेंद्र के निधन पर दुख प्रकट किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स हैंडल पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, 'अपने बेहतरीन अभिनय से छह दशकों तक हर देशवासी के दिल को छूने वाले धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

30 मार्च 2026 से पहले झारखंड में नगर निकाय चुनाव संभव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में लंबे समय से लंबित शहरी निकाय चुनाव नहीं होने पर रौशनी खलखो की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में सुनवाई हुई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने कोर्ट को बताया है कि विस्तृत तैयारी के लिए 8 सप्ताह की जरुरत पड़ेगी। साथ ही चुनावी प्रक्रिया पूर्ण करने में अतिरिक्त 45 दिन लगेंगे। इस बाबत सीलबंद शपथ पत्र 22 नवंबर को ही दाखिल कर दिया गया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विनोद सिंह ने बताया कि सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख 30 मार्च तय कर दी है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह जबकि राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने पक्ष रखा। वहीं राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सुमित गड़ोदिया ने दलील पेश की। महाधिवक्ता ने बताया कि चुनाव से जुड़े सभी निर्णयों की प्रतियां राज्य निर्वाचन आयोग को दे दी गई हैं। वहीं राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि चुनाव कराने को लेकर आयोग गंभीर है। लेकिन इसकी तैयारी के लिए 8 सप्ताह और चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 45 दिन लगेंगे। कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से दाखिल सीलबंद शपथ पत्र का अवलोकन करने के लिए सुनवाई की अगली तारीख 30 मार्च 2026 तय की है। बता दें कि झारखंड के रांची, हजारीबाग, मेदनीनगर, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, चास, आदित्यपुर और मानगो नगर निगम, गढ़वा, विश्रामपुर, चाईबासा, झुमरी तिलैया, चक्रधरपुर, चतरा, चिरकुंडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, गुमला, जुगसलाई, कपाली, लोहरदगा, सिमडेगा, मधुपुर, रामगढ़, साहिबगंज, फुसरो और मिहिजाम नगर परिषद तथा बंशीधर नगर, मझिआंव, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, छतरपुर, लातेहार, कोडरमा, डोमचांच, बड़की सरैया, धनवार, महगामा, राजमहल, बरहरवा, बासुकीनाथ, जामताड़ा, बुंडू, खूंटी, सरायकेला और चाकुलिया नगर पंचायत का चुनाव कराया जाना है। पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने चुनाव की संभावित तारीख की मांग करते हुए सुनवाई के लिए 24 नवंबर की तारीख तय की थी।

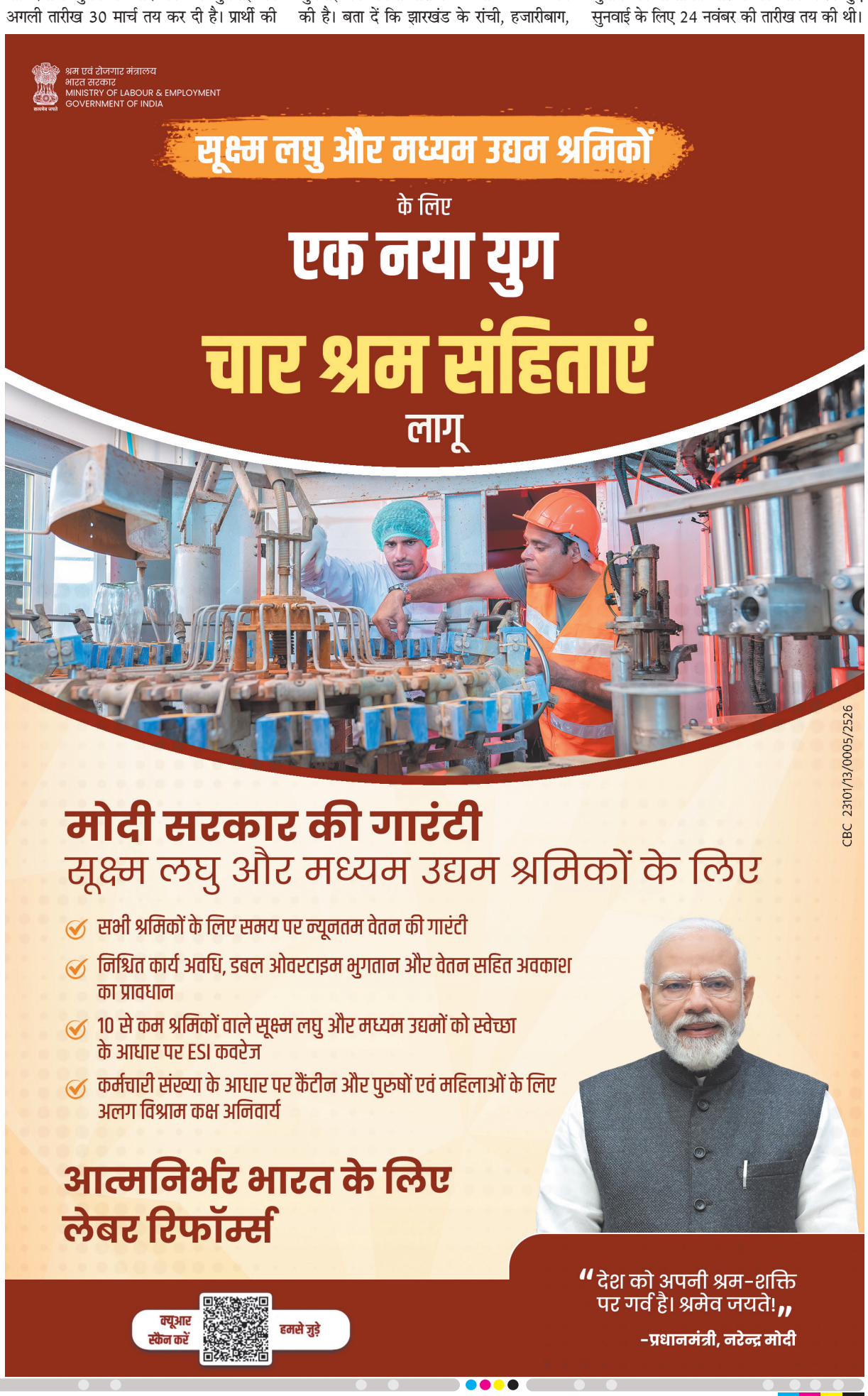

'सेवा का अधिकार सप्ताह' के तहत आयोजित शिविर का राज्यसभा सांसद, गांडेय विधायक, उपायुक्त ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पात्र लाभुकों तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने को लेकर सरकार की विशेष पहल प्रत्येक योग्य व्यक्ति तक योजनाओं को पहुंचने हेतु सरकार है प्रतिबद्ध "अबुआ सरकार है आपकी अपनी सरकार" जन जन तक योजनाओं का लाभ पहुंचना इस कार्यक्रम का विशेष उद्देश्य कल्पना मुर्मू सोरेन जनसेवा एवं जनभागीदारी का विशेष सामंजस्य है"आपकी योजना आपकी ,आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम" अंतर्गत 'सेवा का अधिकार सप्ताह' के तहत गिरिडीह जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिविर आयोजित किए गए हैं जिसमें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव गांव तक पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित किया गया है। वैसे सभी लाभुक जो योजनाओं का लाभ लेने हेतु पात्रता रखते है उन्हें संबंधित योजनाओं से आच्छादित करने हेतु इस सेवा के अधिकार कार्यक्रम के माध्यम से लाभ दिया जा रहा है।

इसी क्रम में आज विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन एवं उपायुक्त रामनिवास यादव गिरिडीह जिले के गांडेय प्रखंड के कुंडलवादह बदगुंदा, पर्वतपुर अहिल्यापुर एवं बेंगाबाद प्रखंड के बेंगाबाद पंचायत, महुआर पंचायत सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके साथ ही कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए राज्य सभा सांसद डॉ सरफराज अहमद विधायक, गांडेय एवं उपायुक्त ने शिविर की व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के स्टॉल, शिविर में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं, आवेदन की प्रक्रिया, आमजनों की सहभागिता एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लिया। वहां उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आने वाले लाभार्थियों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए राज्य सभा सांसद डॉ सरफराज अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है जिसका उद्देश्य जन जन तक योजनाओं को पहुंचना है। समस्याओं का त्वरित समाधान करना एवं जनकल्याणकारी कार्यो को प्राथमिकता के साथ करना सरकार की जवाबदेही और प्रतिबद्धता को दशार्ता है।आपके सहयोग और प्रशासन के प्रयास से यह कार्यक्रम सफल होता दिखाई दे रहा है। सरकार का जो लक्ष्य एवं उद्देश्य है एवं जन-जन तक, हर वर्ग समूह तक योजनाओं का लाभ देने का सपना साकार होता दिख रहा है इस दौरान विधायक गांडेय ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार इस कार्यक्रम के जरिय आप सब से और भी नजदीकी से जुड़ कर कार्य करने का प्रयास कर रही है ।आपकी समस्याओं की नजदीक से देखना और इसका त्वरित समाधान करना हमारी पहली प्राथमिकता है ।इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को सरकारी सेवाएं उनके द्वार तक उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। आप सभी की उपस्थिति और आपकी सहभागिता से कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से प्रदान करें तथा आवेदनों के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। इस कार्य हेतु पर्याप्त कार्यबल सभी स्टाल में तत्परता से कार्य करें यह सुनिश्चित कर लिया जाए। अबुआ की सरकार मतलब आपकी सरकार।आप सभी इस व्यस्त समय में अपना समय निकालर आ रहे हैं इसलिए मैं विशेष रूप से आभार प्रकट करती हूं। हम कोशिश करेंगे कि ने आगे आने वाले साल में आपके बेहतरी की लिए और भी बेहतर विकल्प ले कर आएं। हम प्रयासरत हैं कि जो हमने जिम्मेदारी ली है उसे अपना शत प्रतिशत दे कर पूरा करें।शिविर में जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वास्थ्य बीमा, श्रम विभाग की योजनाओं सहित विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए, जिनमें से कई आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन भी किया गया। उपायुक्त ने लोगों से अपील किया कि अधिक से अधिक संख्या में अपने नजदीकी शिविर में उपस्थित होकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों का निवारण, लंबित मामलों का निष्पादन तथा आवश्यक सेवाओं का त्वरित लाभ लोगों तक पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी जरूरतमंद व्यक्ति शिविर में उपस्थित हो कर सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं। यह कार्यक्रम आप सब से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। आपकी भागीदारी हम सभी को कार्य करने की प्रेरणा देती है। हमारे जिले के सभी नागरिकों को मै आश्वस्त करता हूं कि जो भी जिस योजना हेतु योग्य लाभुक हैं जिला प्रशासन हर संभव उन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करेगा। "सेवा का अधिकार सप्ताह" एक अवसर है जिसमें हम आपकी सहभागिता के साथ हर परिपेक्ष्य में आपके गांव गांव तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। इस कार्यक्रम को लेकर आपका उत्साह प्रेरणा स्रोत है।इस कार्यक्रम में प्राप्त सभी आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री भी की जा रही है जिसका जिला स्तरीय टीम द्वारा मॉनिटरिंग की जाती है। वैसे जो भी आवेदन लंबित हैं उनका जल्द से जल्द निष्पादन करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।अंत में उप विकास आयुक्त ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि हम आभारी हैं। सभी जिला प्रशासन के लोग आपके लिए हर परिस्थिति में सहयोग के लिए खड़े हैं। और सरकार द्वारा दिए जा रहे योजनाओ से अधिक से अधिक लोगों को आच्छादित करने हेतु पूरी तत्परता के साथ प्रयासरत हैं।

छड़ लदे कन्टेनर चालक की हत्या करने के मामले का उद्भेदन, किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। 18.11.2025 को सुबह करीब 09.30 बजे बगोदर थाना अन्तर्गत संतुरपी से आगे जी०टी० रोड के किनारे जंगल में हत्या कर अज्ञात पुरुष का शव मिलने की सूचना बगोदर थाना को प्राप्त हुई। बगोदर थाना के द्वारा मानवीय असूचना के आधार पर इस अज्ञात पुरुष के शव की पहचान धीरज कुमार पे०-फुलेन यादव सा0-लदौरा, थाना-अलौली, जिला-खगडिया, बिहार के रूप में हुई। मृतक के पिता फुलेन यादव के आवेदन के आधार पर छड लदे कन्टेनर को लुटपाट कर हत्या करने के आरोप में बगोदर थाना कांड सं0-294/25 18.11.2025 धारा- 310(2) 311/103(1) 61 (2) बी०एन०एस० दर्ज किया गया। इस हत्या काण्ड का त्वरित उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक - गिरिडीह के आदेशानुसार, अनु०पु०पदा० बगोदर सरिया के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। जिनेक द्वारा मानवीय असुचना, सी०सी०टी०वी० फुटेज एवं तकनिकी असुचना के मदद से उक्त काण्ड का उद्भेदन किया गया।

छापामारी के दौरान ये बात सत्य पायी गयी कि ये कांड ट्रक लुट कर ड्राईवर को मार कर सुनशान जंगल में फेक देने की है। सर्वप्रथम बगोदर थाना क्षेत्र के निवासी जैनुल खान तथा दाउद खान को गिरफ्तार किया गया जिन्होने बताया कि वो ट्रक के ड्राईवर धीरज यादव को पहले से भी जानते हैं तथा घटना के दिन उसे बगोदर में साजिश के तहत बुलाया गया। इसी कडी में मेरे द्वारा ट्रक लुट तथा हत्या कारित करने के लिए तीन पेशेवर अपराधी समस्तीपुर बिहार से बुलाया गया। योजना के तहत हमलोगो ने मृतक को शराब पिलायी तथा गांजा का सेवन करने हेतु सुनशान जगह पर गाडी के ड्राईवर को ले जाने के लिए राजी कर लिया। जैसे ही गाडी संतुरपी के जंगल पर रुकी हम लोगो के द्वारा उक्त ड्राईवर के साथ मारपीट करना चालु किया, ट्रक से रड निकाल कर उसकी हत्या कर लाश को जंगल में फेक दिया तत्पश्चात उक्त तीनो समस्तीपुर बिहार के अपराधी लुटे हुए ट्रक को सरिया - राजधनवार पथ पर ले गये जहां इनकी योजना छड के साथ बिहार में बेच देने की थी। परंतु पुलिस की मुस्तैदी को देखते हुए तीनो अपराधी ट्रक को दुमका हसडीहा टोल के पास छोड़ कर भाग खड़े हुए। कांड में बजे अन्य अपराधियों की सघन छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तो के निशानदेही पर कांड में लुटे गये छड़ लदा वाहन छड़ सहित, उसमे लगे जीपीएस जिसे अभियुक्तो द्वारा वाहन से खोल कर बरही में फेंक दिये थे, मृतक को मारने में प्रयुक्त रड, मृतक के कपडा, पैसा एवं बैग यादि बरामद किया गया है गिरफ्तार अपराधी जैनुल खान उर्फ अरमान उम्र करीब 27 वर्ष पे०- अनवर खान सा०- हुसैन नगर जरमुने थाना बगोदर जिला- गिरिडीह द्वारिका सिंह उम्र करीब 29 वर्ष पे०- स्व० भोली सिंह सा०- गहीला मरिचा थानाहलाई, जिला समस्तीपुर, बिहार दाउद खान उम्र करीब 19 वर्ष पे० जफ्फर हुसैन सा०- हुसैन नगर जरमुने थाना बगोदर जिला- गिरिडीह बरामद सामान कांड में लुटा गया छड लदा कंटेनर छड सहित मृतक को मारने में प्रयुक्त रड मृतक का कपडा, बैग एवं पैसा अभियुक्तो द्वारा घटना कारित करने में प्रयुक्त मोबाईल लुटे हुए वाहन से खोल कर फेका गया जीपीएस छापामारी दल धनंजय कुमार राम, अनु०पु०पदा० बगोदर-सरिया, पु०नि० अजय कुमार, सरिया अंचल पु० अ०नि० विनय कुमार यादव, थाना प्रभारी बगोदर थाना पु०अ०नि० आलोक कुमार, थाना प्रभारी सरिया थाना, पु०अ०नि० अमन कुमार, ओ०पी० प्रभारी, भरकट्ठा ओ०पी० पु०अ०नि० अनुषेक कुमार बगोदर थाना पु०अ०नि० जयप्रकाश कुमार बगोदर थाना, एल पु०अ०नि० अंजन कुमार बगोदर थाना पु०अ०नि० अभिजीत कुमार पु०अ०नि० आनंद कच्छप बगोदर थाना, स०अ०नि० झरी उरांव बगोदर थाना स०अ०नि० संजय कुमार बगोदर थाना बगोदर थाना रिजर्व गार्ड आरक्षी जोधन महतो, तकनिकी शाखा, गिरिडीह।

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में ऑन-द-स्पॉट निर्गत किए जा रहे आय, जाति व आवासीय प्रमाण पत्र

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। छात्र छात्राओं के साथ अभिभावकों में खुशी, एक दिन में निर्गत हो रही है प्रमाण पत्र सेवा के अधिकार सप्ताह के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा जनसुविधाओं को त्वरित एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराने हेतु संचालित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया है। शिविरों में बड़ी संख्या में छात्रछात्राओं को ऑन-द-स्पॉट आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र निर्गत किए जा रहे हैं।

शिविर में प्रमाण पत्र वितरण के दौरान वरीय अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार छात्र- छात्राओं को आवश्यक प्रमाण पत्र बिना विलंब और बिना किसी परेशानी के उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासन की इस त्वरित एवं पारदर्शी प्रक्रिया से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को शिक्षा संबंधी सुविधाएँ समय पर प्राप्त हो सकेंगी। प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पहले आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई बार प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता था, जिससे बच्चों की पढ़ाई, छात्रवृत्ति आवेदन एवं प्रवेश प्रक्रियाएँ प्रभावित होती थीं। शिविर में एक ही दिन में सभी आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त होने से अब छात्रों की शैक्षणिक यात्रा अधिक सरल और बाधारहित हो गई है। इससे वे स्कूल, कॉलेज, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ सुगमता से उठा सकेंगे। शिविर आयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में जन सरोकार के प्रति जागरूकता और सकारात्मक वातावरण में भी वृद्धि हुई है। छात्रों एवं अभिभावकों ने सरकार एवं प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहलें ग्रामीण युवाओं के भविष्य को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों तथा विभागीय कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा है।

'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आपकी-सरकार आपके-द्वार कार्यक्रम के तहत ऑन द स्पॉट विभिन्न मामलों का किया गया निष्पादननएल आज से जिले भर में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत फूलची, जसपुर मटरूखा पंचायत मै पंचायत स्तरीय शिविरों में सेवा का अधिकार सप्ताह का आयोजन किया गया जहां आमजनों की शिकायतों और समस्याओं का सरल एवं सुगम रूप से समाधान सुनिश्चित कराया जा रहा है।

इस कार्यक्रम प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश रजक ने कहा आमजन अपनी अपनी समस्या को सीधा मेरे पास रख सकते है रख सकते हैं, जिसका समाधान त्वरित गति से किया जायगा इस शिविर में आम जनों से "झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011" में सूचीबद्ध सेवाओं जैसे जाति प्रमाण पत्र स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र जन्म प्रमाण पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र नया राशन कार्ड दाखिल खारिज वादों का निष्पादन भूमि की मापी मैसूरमेंट ऑफ लैंड भूमि धारण प्रमाण पत्र विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की स्वीकृति से संबंधित आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। सभी प्रखंड के लिए वरीय पदाधिकारियों को नामित किया गया है। शिविर में अलग-अलग विभाग के स्टॉल लगाये जा रहे हैं, जहां योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। सभी आमजन योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करें विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। शिविर में राज्य सरकार की योजनाओं यथा झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना, बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड समेत योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाये गये।

अभाविप द्वारा महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस की पुण्यतिथि मनाई गयी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गिरिडीह नगर इकाई द्वारा महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस की पुण्यतिथि मनाई इस दौरान झंडा मैदान चौक जे सी बॉस चौक में स्थित प्रतिमा एवं विज्ञान भवन में स्थित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवम माल्यार्पण कर पुण्यतिथि मनाई गई।

इस दौरान अभाविप के नगर मंत्री नीरज चौधरी ने बताया कि महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस का नाता हमारे गिरिडीह से गहरा रहा है अपने जीवन का अंतिम सास उन्होंने गिरिडीह की ही भूमि पर लिये थे उनका आज भी गिरिडीह में मकान है जिस मकान में उन्होंने अंतिम सांस लिया था उनके मकान में आज भी उनकी वह तिजोरी मौजूद है जिसे आज तक खोला नहीं गया है जेसी बोस के मकान को अब विज्ञान भवन बना दिया गया है इसी में वो तिजोरी रखी है दो बार इसे खोलने का कार्यक्रम जिला प्रशासन ने निर्धारित किया लेकिन दोनों बार मिसाइल मैन और देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक व उस समय के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम आजाद साहब नहीं आ सके नतीजा तिजोरी का रहस्य आज तक बरकरार है गिरिडीह सहित पूरे देश और दुनिया के लोग आज भी जानने को उत्सुक हैं कि आखिर तिजोरी में बॉस की क्या निशानी होगी।

विधायक अमित ने दो करोड़ की विकास योजनाओं का किया शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्ठा। बरकट्ठा प्रखंड के दक्षिणी पंचायत अंतर्गत राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, बरकट्ठा परिसर में लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास विधायक अमित कुमार यादव ने नारियल फोड़कर किया। भवन विभाग द्वारा डीएमएफटी मद से संचालित इन विकास योजनाओं में विद्यालय परिसर की चारदीवारी निर्माण, उन्नयन कार्य, नए कक्षाओं और शौचालयों का निर्माण शामिल है।

शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि संवेदक सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा करें। उन्होंने शिक्षकों और ग्रामीणों से सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि विद्यालय का विकास बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए जरूरी है। विद्यालय परिसर में चारदीवारी नहीं रहने से गंदगी व सुरक्षा से जुड़े समस्याएं सामने आती थीं। उन्नयन कार्य शुरू होने से विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों में उत्साह दिखाई दिया और ग्रामीणों ने भी इसका स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रमेश्वर साव, टुकलाल नायक, रीतलाल प्रसाद, उमेश यादव, त्रिवेणी यादव, उपेंद्र यादव, जीवन यादव, सुंदर तुरी, संजय कुमार गुप्ता, महावीर यादव, मुकेश यादव, विजय यादव, अशोक दास, मिथलेश भारती, शंकर ठाकुर, सुखदेव साव, अनिल यादव, प्रदीप मंडल, सिकंदर यादव, बालदेव यादव, मधूलाल यादव, सुरेंद्र साव, राजकुमार यादव समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बुंडू गांव में मंडा पूजा के मुख्य पुजारी की गोली मारकर हत्या, क्षेत्र में दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। केरेडारी थाना क्षेत्र के बुंडू गांव में बीती रात एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहाँ अज्ञात अपराधियों ने मंडा पूजा के मुख्य पुजारी रूपलाल करमाली (उम्र लगभग 35 वर्ष) की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के वक्त गांव में गहरी रात का सन्नाटा था। बताया जा रहा है कि अपराधी छत के सहारे घर के अंदर घुसे और रूपलाल को लगातार पाँच गोलियां मारकर फरार हो गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

गोलियों की आवाज सुनकर घरवाले जागे, लेकिन तब तक अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो चुके थे। प्रारंभिक जांच में यह मामला ओझा-गुणी विवाद से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। सूचना मिलते ही केरेडारी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अखिलेश भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी और वैज्ञानिक जांच के आधार पर अपराधियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस हत्या से पूरे क्षेत्र में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों में दहशत के साथ-साथ आक्रोश भी देखा जा रहा है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

प्रखंड के तीन पंचायतों में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लगा शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिविर में विभिन्न मामलों के 921 आवेदन हुए जमा, 824 का ऑन द स्पॉट निष्पादन

बरकट्ठा हजारीबाग। प्रखंड के तीन पंचायतों में बरकट्ठा उतरी, चेचकपी और बरकनगांगो में सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन किया गया। बरकट्ठा उतरी पंचायत भवन में कार्यक्रम का शुभारंभ मुखिया प्रमीला देवी, पंसस प्रीति गुप्ता, डॉ रजनीकांत, बरकनगांगो में सीओ विजय कुमार महतो, बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, मुखिया बसंती देवी और चेचकपी पंचायत में बीडीओ रोशमा डुंगडुंग मुखिया रीता देवी पंसस लालमुनि देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में कुल 921 आवेदन आए जिसपर 824 का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया।

शिविर में सबसे अधिक आवासीय, जाति और आय प्रमाण पत्र का 490, नया राशनकार्ड के लिए 43, वृद्धावस्था पेंशन का 168, जन्म प्रमाण पत्र का 33, मनरेगा जॉब कार्ड का 45, मृत्यु प्रमाण पत्र का 02, विकलांग पेंशन का 13, विधवा पेंशन का 05 एवं अन्य योजनाओं के लिए 122 आवेदन प्राप्त हुए। अन्य योजनाओं का 122 आवेदन में से 25 का निष्पादन मौके पर ही किया गया। कार्यक्रम में एमओ मंटू कुमार रजक, सीआई सुरेंद्र पासवान, बीपीओ उज्जवल किशोर, पंचायत सेवक प्रदीप कुमार मेहता, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष बसंत साव, संजय कुमार, इमरान अंसारी, राहुल गुप्ता संतोष कुमार, प्रमेश्ववर तूरी, महेश कुमार, किशोर पासवान, दिलीप दास, अरुण हितैषी, त्रिवेणी प्रसाद, महेन्द्र कुमार, मुखिया प्रतिनिधी डेगलाल साव, पंसस प्रतिनिधि संजय गुप्ता, दर्शन सोनी समेत आदि लोग मौजूद थे।

स्वास्थ्य शिविर में 431 लोगों की हुई जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग। झारखंड सरकार के आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बरही अनुमंडलीय अस्पताल की टीम ने डपोक एवं मलकोको पंचायतों में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन डीएस डॉ. प्रकाश ज्ञानी के निर्देशन में किया गया।

डपोक पंचायत में आयोजित शिविर में कुल 121 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें 25 नेत्र जांच, 6 टीबी जांच, 65 एनसीडी, 58 आयुष्मान कार्ड, 7 मलेरिया स्लाइड, 20 सिक्वल सेल, 74 आभा कार्ड, 6 टीकाकरण एवं 8 कुष्ठ रोग जांच शामिल हैं। वहीं मलकोको पंचायत में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 310 लोगों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं। यहां 10 नेत्र जांच, 5 टीबी, 60 एनसीडी, 74 आयुष्मान कार्ड, 20 मलेरिया स्लाइड, 20 सिक्वल सेल, 10 आभा कार्ड तथा 9 कुष्ठ रोग जांच की गई। शिविर को सफल बनाने में डॉ. अंकुर विहान, नेत्र सहायक दीपक कुमार, सुधांशु कुमार, सलोनी कुमारी, अनीता कुमारी, मृत्युंजय चौरसिया, रवि शंकर कुमार, हीरा कुजूर, कुलदीप कुमार सहित पंचायत की सहिया एवं सहिया साथी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मलकोको पंचायत में मो. एजाज, संतोष कुमार, पूर्णिमा गुरुंग, प्रहलाद कुमार, गीता कुमारी तथा स्थानीय सहिया-सहिया साथियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

एसआइआर को लेकर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का विवादित बयान, कहा- बीएलओ आए तो घर में बंद कर दें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआइआर को लेकर एक बार फिर विवादित बयान देकर हलचल मचा दी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अगर कोई बीएलओ किसी के घर में जाता है तो उसे घर में बंद कर दें। उन्होंने लोगों से किसी भी कीमत पर एसआइआर न कराने और सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर कोई बीएलओ घर आए तो हमसे कांटेक्ट करें। उनसे कुछ न कहें, नहीं तो वे लोग आपका नाम वोटर लिस्ट से हटा देंगे।

झारखंड में नहीं होने देंगे एसआइआरः स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने अपने दिए गए बयान को फिर से दोहराते हुए कहा कि झारखंड में किसी भी कीमत पर एसआइआर नहीं होने देंगे और न ही किसी का नाम वोटर लिस्ट से काटने देंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भाजपा एक साजिश के तहत एसआइआर के द्वारा वोटर लिस्ट से नाम काटने का काम कर रही है। आधार कार्ड से नाम काटा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यदि आपका नाम वोटर लिस्ट से कटेगा तो आपका अकाउंट बंद हो जाएगा और पैसा भाजपा लूट लेगी।

कई लोगों के वोटर लिस्ट में नाम नहीं

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड में ऐसी भी आबादी है कि जिनके घर में पेपर और वोटर लिस्ट में नाम नहीं होगा। पर्ची देखकर लोग वोट देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि वोटर लिस्ट नहीं दे पाएंगे तो यह लोग वोटर लिस्ट से नाम काट देंगे और घुसपैठ बना देंगे। जो भाजपा को वोट देता है, उसका वोटर लिस्ट में नाम जोड़ेंगे और जो वोट नहीं देते हैं उसका नाम काट देंगे।

बिहार में 65 लाख वोटर्स का नाम काटा गया : इरफान अंसारी

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि बिहार में एसआईआर के नाम पर 65 लाख वोटर्स का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। उनकी पहचान उनकी नागरिकता छीन ली गई और उन्हें घुसपैठिया बना दिया गया। उन्होंने कहा कि एक ओर 65 लाख नाम जहां वोटर लिस्ट से हटाया गया तो दूसरी ओर 22 लाख वोटर लिस्ट में नए नाम जोड़े गए। लिस्ट में उसी का नाम जोड़ा गया जो बाहर से बिहार में आए थे और बीजेपी के वोट देने का काम करते हैं। बता दें कि झारखंड में फिलहाल एसआइआर शुरू नहीं हुआ है, लेकिन बौखलाहट शुरू हो गई है।

कोर्ट में पेश नहीं हुई कंगना रनौत, 2 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बठिंडा (पंजाब)। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना रनौत जो पंजाब की मोहिंदर कौर द्वारा दायर मानहानि केस का सामना कर रही हैं। आज (24 नवंबर) बठिंडा कोर्ट में पेश नहीं हुईं। कंगना रनौत ने कोर्ट में फिजिकली पेशी से छूट के लिए अर्जी दी थी, जिसकी सुनवाई आज इंदरजीत सिंह की स्पेशल कोर्ट ने की।

इस मौके पर कंगना रनौत की ओर से पेश वकील ने कोर्ट के सामने अपना बचाव करते हुए कहा कि सांसद कंगना रनौत को सुरक्षा के मद्देनजर फिजिकली पेशी से छूट दी जानी चाहिए, जिसका वादी के वकील राघववीर सिंह बैनीवाल ने विरोध किया।

जंगली हाथियों से बचाव के लिए वन विभाग ने तैयार किया एप्लीकेशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। हाथी मानव द्वंद का इतिहास बहुत पुराना है। बदलते समय ने इस संघर्ष को और भी जटिल और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। बढ़ती इंसानों की आबादी और हाथी के रास्ते में घर निर्माण, अंधाधुन जंगल की कटाई, जंगल से जल स्रोत खत्म होने और भोजन की कमी ने हाथियों को और भी आक्रामक बना दिया है। हाथी गांव के साथ शहर में भी प्रवेश कर रहे हैं, जिसे देखते हुए वन विभाग ने हाथी से बचाव के लिए इंटेलिजेंस का सहारा लिया है और एक ऐप बनाया है, जो हाथी की मूवमेंट के बारे में लोगों को जानकारी देगा।

गांव में घुसते ही हाथी मचाते हैं तबाही

दरअसल, पूरे झारखंड में सालभर हाथियों का आतंक बना रहता है। हाथी ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ शहरी इलाकों में भी प्रवेश कर रहे हैं। कई बार हाथियों की मूवमेंट की वजह से उनकी जान भी चली जाती है। पिछले 2 साल के आंकड़ों को देखा जाए तो दर्जनों लोगों की मौत हाथी हमले में हो चुकी है। हाथी अक्सर जंगल से निकलकर गांवों तक पहुंच जाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि जंगल में उन्हें पर्याप्त भोजन और पानी नहीं मिल पाता है। ऐसे में वे गांवों में प्रवेश करते हैं और रास्ते में आने वाली फसलों, घरों और सामान को नुकसान पहुंचाते हैं।

हमर हाथी एप से पता चलेगा हाथियों का लोकेशन

हाथियों के इस बढ़ते खतरे से लोगों को बचाने के लिए झारखंड सरकार और वन विभाग ने हमर हाथी 2।0 एप बनाया है। यह एप हाथियों के लोकेशन की जानकारी देता है और यह भी बताता है कि हाथी किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, अगर हाथी आसपास हैं तो एप, मोबाइल पर कॉल और नोटिफिकेशन के जरिए लोगों को सतर्क कर देता है।

यह एप्लीकेशन 20 किलोमीटर के दायरे में हाथियों की मौजूदगी की जानकारी दे देता है जबकि 5 किलोमीटर के अंदर हाथियों के आने पर एप से ऑटोमैटिक फोन कॉल जाता है, जिससे लोग समय रहते सतर्क हो सके और नुकसान से बच सके। एप से जुड़ा अलार्म सिस्टम लगाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इससे हाथियों के गांव के करीब आते ही अलार्म बजने लगेगा और ग्रामीणों को तुरंत सूचना मिल जाएगी। इस एप में और भी कई फीचर्स जोड़े गए हैं, जिससे जंगलों के करीब गांवों में रहने वाले लोगों को काफी फायदा मिलेगाः मौन प्रकाश, डीएफओ, पूर्वी वन प्रक्षेत्र वन्य जीवों पर शोध करने वाले मुरारी सिंह बताते हैं कि आज इस तरह से हाथी आक्रामक हो रहे हैं, इसकी पीछे का कारण मानव स्वभाव है। मानव ने हरे भरे जंगल काटे हैं। जंगल में हाथियों का भोजन कम हो गया है। जल स्रोत भी कम हो गए हैं। यही वजह है कि हाथी ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं। हाथियों से बचाव के लिए यह एप्लीकेशन मददगार साबित हो सकता है, इससे भी अधिक जरूरी है कि जल और जंगल की रक्षा की जाए।

झारखंड में होगी जीपीसीसी और बीएलए की नियुक्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मतदाता सूची का एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) का काम शुरू नहीं हुआ है लेकिन ज्यादातर राजनीतिक दलों का नेतृत्व यह मान चुका है कि झारखंड में भी एसआइआर के लिए किसी भी समय निर्वाचन आयोग निर्देश दे सकता है। झारखंड में सत्ताधारी गठबंधन का दूसरा दल यानी कि कांग्रेस ने एसआइआर को लेकर अपने स्तर पर तैयारियां शुरू भी कर दी है।

जीपीसीसी गठन के लिए संगठन प्रमुख की नियुक्ति

झारखंड कांग्रेस ने इसके लिए पहली बार ग्राम पंचायत स्तर पर संगठन को तैयार करने के उद्देश्य से 15 दिसंबर तक जीपीसीसी गठित करने के साथ-साथ हर बूथ पर बीएलए फार्म-2 भरकर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी है। झारखंड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जीपीसीसी गठित करने के लिए राज्य स्तर पर जीपीसीसी संगठन प्रमुख की भी नियुक्ति की है।

प्रदेश स्तर पर बनने वाले जीपीसीसी के झारखंड सांगठनिक प्रभारी सूर्यकांत शुक्ला बताते हैं कि झारखंड में 15 दिसंबर तक सभी ग्राम पंचायत में जीपीसीसी गठित करने के साथ साथ हर बूथ पर कांग्रेस का एजेंट नियुक्त होगा।

एसआइआर के दौरान हर बूथ पर तैनात होगा कांग्रेस का बीएलए

झारखंड जीपीसीसी के संगठन प्रमुख सूर्यकांत शुक्ला कहते हैं कि 15 दिसंबर तक सभी ग्राम पंचायत में जीपीसीसी के गठन के साथ-साथ बीएलए की नियुक्ति कर ली जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि लोहरदगा, पाकुड़, गुमला, सिमेडगा में जीपीसीसी गठित कर ली गई है जबकि 10 जिलों में जीपीसीसी गठन की प्रक्रिया चल रही है। सूर्यकांत कहते हैं कि 10 जिलों में जीपीसीसी गठन की प्रक्रिया धीमी है और उसे तेज करने के प्रयास हो रहे हैं।

हर गांव में कांग्रेस कार्यकर्ता तैयार करने की योजना

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष महतो कमलेश ने बताया कि कांग्रेस झारखंड में संगठन सृजन वर्ष में अपने संगठन को ग्रासरूट तक मजबूत कर रही है। हमारी कोशिश है कि झारखंड के हर वोटिंग बूथ पर पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता की मौजूदगी होनी चाहिए। इसे पूरा करने में जीपीसीसी और बीएलए अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पर्यावरण बचाने के लिए अनोखी पहल, पेड़ लगाएं और बनें उसके मालिक, वन विभाग पेड़ लगाने के लिए देगा जमीन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर। पर्यावरण को बचाना एक बड़ी चुनौती है। कई इलाकों में लगातार जंगल घट रहे हैं और इसका प्रभाव पर्यावरण संतुलन पर पड़ रहा है। पर्यावरण को बचाने के लिए वन विभाग ने एक अनोखी पहल की है। वन विभाग की जमीन पर पौधा लगाने वाला व्यक्ति पेड़ का मालिक होगा। पेड़ से निकलने वाली उपज और अन्य तरह की सामग्री का मालिक आर्थिक आमदनी भी कर सकता है।

जंगल के क्षेत्रफल को बढ़ाने का है मकसद

पलामू वन विभाग ने इसकी पहल की है और लोगों से पर्यावरण को बचाने के लिए अपील भी की है। वन विभाग ने खास मौके जैसे जन्मदिन, शादी की सालगिरह, बरसी, पूर्वजों के नाम या अन्य खास मौके पर पेड़ लगाने की अपील की है। इस पेड़ का संरक्षण संबंधित व्यक्ति और विभाग करेगा। वन विभाग जमीन उपलब्ध करवा रहा है ताकि लोगों को पर्यावरण के संरक्षण के अभियान से जोड़ा जाए और जंगल के क्षेत्रफल को बढ़ाया जा सके।

ग्रामीणों के साथ बैठक करेगी वन समिति, भावनात्मक रूप से लोगों को जोड़ रहा विभाग

पर्यावरण को बचाने के लिए वन विभाग भावनात्मक रूप से लोगों को जोड़ना चाहता है। जंगल एवं उसके आसपास में बसने वाले लोगों को वनोपज से होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि लोग इससे जुड़ सकें। वन समितियां ग्रामीण और अन्य लोगों साथ बैठक कर रही हैं और उन्हें इस अभियान के बारे में जानकारी दे रही हैं।

ग्रामीणों को आम, इमली, कटहल, महुआ और अमरूद जैसे पेड़ों के बारे में जानकारी दी जा रही है। इन पेड़ों का सबसे बड़ा फायदा है कि यह नगद पैसे देते हैं और पर्यावरण को संरक्षित भी करते हैं। पलामू डीएफओ सत्यम कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीण एवं समुदाय को भावनात्मक रूप से पर्यावरण संरक्षण के लिए जोड़ा जा रहा है। लोगों से अपील की जा रही है कि वह पौधा लगाएं, वन विभाग पौधों के लिए जमीन दे रहा है। साथ ही साथ देख-रेख की जिम्मेवारी भी उठा रहा है। लोग अपने पूर्वज या अन्य खास मौकों पर पेड़ लगा सकते हैं। इन पेड़ों से होने वाली उपज का उन्हें फायदा भी मिलेगा और वे उसके मालिक भी बनेंगे।

पलामू में जंगल की स्थिति

पलामू के इलाके में 1158.54 वर्ग किलोमीटर में जंगल फैला हुआ है। 2023 में पूरे भारत में फॉरेस्ट की सर्वे रिपोर्ट जारी हई थी। इस रिपोर्ट में पलामू के इलाके में 2136 वर्ग किलोमीटर जंगल बढ़ाने की बात बताई गई थी। 560 वर्ग किलोमीटर के करीब खुला जंगल है जबकि 65.50 वर्ग किलोमीटर ही घना जंगल है। **पौधे का अपने हिसाब से नाम भी रख सकते हैं**

हालांकि जंगल की डेंसिटी कम हुई थी। जंगल की बढ़ोतरी एवं डेंसिटी को बढ़ाने के लिए वन विभाग ने योजना तैयार की है। अगले कुछ वर्षों में एक लाख इमली के पेड़ लगाने का भी टारगेट रखा गया है। ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही फलदार पेड़ या पौधा उपलब्ध करवाया जाएगा। पौधा लगाने वाले व्यक्ति उस पेड़ का अपने हिसाब से नाम भी रख सकते हैं।

ज्वेलरी दूकान से 20 लाख की चोरी

पुलिस की निष्क्रियता के कारण चोरों के हौसले बुलंद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रविवार की देर रात छबीलापुर बाजार स्थित जगदंबा ज्वेलरी शॉप में अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए करीब 20 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण उड़ा लिए। घटना से स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश है। पीड़ित व्यवसायी चंदन वर्मा ने बताया कि चोरों ने दुकान की पिछली दीवार में बड़ी सेंध लगाई और अंदर घुसकर मुख्य तिजोरी का ताला तोड़ दिया। चोरी गए आभूषणों में ग्राहकों के गहने भी शामिल हैं, जिन्हें मरम्मत के लिए रखा गया था। चंदन वर्मा ने कहा मेरी वर्षों की जमा-पूंजी लूट ली गई। पूरा कारोबार बर्बाद हो गया। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार की कई दुकानों में इस तरह की सेंधमारी हो चुकी है, लेकिन पुलिस किसी भी मामले का अब तक खुलासा नहीं कर सकी है। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि पुलिस की निष्क्रियता के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं और वे रात में बेखौफ घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। चोरी की वारदात सामने आते ही आक्रोशित व्यापारियों ने राजगीर-छबीलापुर मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। इससे घंटों तक दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े आंदोलन की तैयारी की जाएगी। छबीलापुर थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और सर्किल इंस्पेक्टर भी पूरे मामले की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थानाध्यक्ष ने दावा किया मामले की गहन जांच चल रही है। बहुत जल्द चोरों को गिरफ्तार कर पूरा मामले का खुलासा किया जाएगा।

टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनें रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे ने विकास कार्यों और तकनीकी कारणों के चलते टाटानगर से चलने वाली कई पैसेंजर एवं मेमू ट्रेनों का परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। इस संबंध में आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। ट्रेनों के रद्द होने से टाटानगर सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को विशेष असुविधा झेलनी पड़ेगी। रेलवे ने 24 नवंबर 2025 से 27 नवंबर 2025 तक कुल 19 पैसेंजर और मेमू ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा की है। इनमें टाटानगर से राउरकेला, बादामपहाड़, गुवा, बरकाकाना और हटिया के बीच चलने वाली अधिकांश ट्रेनें शामिल हैं।

रद्द रहने वाली प्रमुख ट्रेनें

राउरकेला–झारसुगुड़ा मेमू (68029-68030) : 25, 26, 27 नवंबर

टाटा–बरौनी मेमू (68125-68126) : 25, 26, 27 नवंबर

टाटा–बरकाकाना मेमू (68085-68086) : 25, 26, 27 नवंबर

चाकुलिया–टाटा मेमू : 26, 27 नवंबर

टाटा–चाईबासा मेमू : 24, 25, 26 नवंबर

चाईबासा–टाटा मेमू : 25, 26, 27 नवंबर

बिरमित्रापुर–बरसुन–बिरमित्रापुर पैसेंजर : 25, 26 नवंबर

हटिया–राउरकेला पैसेंजर : 25, 26 नवंबर

राउरकेला–हटिया पैसेंजर : 26, 27 नवंबर

टाटा–हटिया मेमू : 26, 27 नवंबर

हटिया–टाटा मेमू : 25, 26 नवंबर

झाड़ग्राम–पुरुलिया पैसेंजर : 25, 26, 27 नवंबर

टाटा–बादामपहाड़ मेमू : 25, 26, 27 नवंबर

टाटा–गुवा–टाटा : 25, 26 नवंबर

बिहार एक्सप्रेस : 29 नवंबर, 6 एवं 13 दिसंबर

राउरकेला–टाटानगर–राउरकेला मेमू (68044-68043) : 25, 26, 27 नवंबर

टाटा–बादामपहाड़–टाटा मेमू (68133-68134) : 25, 26, 27 नवंबर

रेलवे ने ट्रेनों के रद्द होने का स्पष्ट कारण सार्वजनिक नहीं किया है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-11, दिनांकः 21.11.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा अपेक्षित निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस एवं सुपरवाइजरी लाइसेंस है और निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा केस सं. :टीआरडी-डब्ल्यूसी-टी-2025-26-11, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल में गलसी से पराज तक नए पोर्टल स्ट्रक्चर द्वारा पुराने, जंग लगे हुए एवं झुके हुए पोर्टल स्ट्रक्चर का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य** : रु.8,61,55,418.50, **बयाना राशि:** रु. 5,80,800/-, **कार्य की समापन अवधि** : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **कार्य के लिए प्रस्ताव की वैधता:** खुलने की तिथि से 45 दिन। **खुलने की तिथि और समय** : दिनांक 22.12.2025 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-254/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संज्ञा समिति जिला औरंगाबाद ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। देव प्रखंड के ग्राम केताकी में संज्ञा समिति जिला इकाई औरंगाबाद द्वारा अंशुमान पब्लिक स्कूल केताकी में निशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर लगाया गया जिसका विधिवत उद्घाटन भगवान सूर्य के पूजन और मंत्रोच्चार के साथ चिकित्सक डा. सुजीत मनोहर, दूधेश्वर पाठक, आलोक मिश्रा, श्रीकांत पाठक, वीरेंद्र पाठक, जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, केंद्रीय सहसचिव आशुतोष पाठक, संयुक्त सचिव ब्रजेश मिश्रा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

आगत अतिथियों को माल्यार्पण कर, अंग वस्त्र और संज्ञा समिति का मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। पूरे शिविर का अध्यक्षता सह कार्यकम प्रभारी देव प्रखंड सचिव दीनानाथ पाठक जी तथा कार्यकम का संचालन संयोजक अजीत मिश्रा ने किया। जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, केंद्रीय सह सचिव आशुतोष पाठक, प्रखंड सचिव देव सह कार्यकम प्रभारी दीनानाथ पाठक, संयोजक अजीत मिश्रा और संयुक्त सचिव ब्रजेश मिश्र ने संयुक्त रूप से कहा कि संज्ञा समिति औरंगाबाद के द्वारा यह बहुत ही अच्छा पहल है। इस स्वास्थ्य शिविर के लगने से देव के दक्षिणी क्षेत्र को काफी फायदा होगा और लोग काफी लाभान्वित होंगे। साथ ही अन्य जगहों में भी जल्द शिविर लगाया जाएगा। डा. सुजीत मनोहर ने कहा कि देव के सुदूर दक्षिणी इलाके में लोग को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में मुझे काफी अच्छा लगा। संज्ञा समिति के द्वारा बहुत ही सराहनीय पहल है। जल्द अन्य प्रखंडों में भी चिकित्सा सिविल लगाया जाएगा। इस मौके पर संज्ञा समिति के साथ संयोजक हरी पाठक, संरक्षक इंजीनियर वीरेंद्र पाठक, राहुल मिश्रा निखिल पाठक सहित अन्य उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। राजगीर-बख्तियारपुर रेलखंड पर सोमवार को इमली बीघा हॉल्ट के पास एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। हादसा होते ही आसपास के लोग स्थल पर जुट गए, वहीं सूचना पाकर वेना थाना पुलिस भी तुरंत पहुंची। थाना प्रभारी दिनेश कुमार की अगुवाई में पुलिस टीम ने मौके पर निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लिया। ग्रामीणों से पूछताछ के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। उम्र करीब 35-40 वर्ष अनुमानित बताई जा रही है। शव के पास न कोई पहचान पत्र मिला, न मोबाइल फोन। पुलिस का मानना है कि यही वजह है कि पहचान में कठिनाई हो रही है। शव को पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए मॉडल अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया गया है। पुलिस ने आसपास के थानों को भी सूचना दे दी है। साथ ही यह जांच भी की जा रही है कि मामला साधारण दुर्घटना है या इसके पीछे कोई अन्य पहलू छिपा हुआ है।

झारखंड में शहरी निकाय चुनाव पर सुनवाई

सरकार ने कहा—ओबीसी आरक्षण के साथ होंगे चुनाव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। लंबे समय से लंबित शहरी निकाय चुनाव को लेकर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। पूर्व वार्ड पार्षद रोशनी खलखो द्वारा दायर अवमानना याचिका पर हुई सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से प्रस्तुत दलीलों पर झामुमो और कांग्रेस के नेताओं ने प्रतिक्रिया दी। दोनों दलों ने स्पष्ट किया कि महागठबंधन सरकार ओबीसी समुदाय को आरक्षण सुनिश्चित करते हुए चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ओबीसी का ट्रिपल टेस्ट पूरा, सरकार तैयार झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने बताया कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने शहरी निकाय चुनाव से पूर्व ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और अगर परिस्थितियाँ सामान्य रहीं, तो 30 मार्च 2026 तक राज्य के सभी नगर निकायों में चुनाव संपन्न करा दिए जाएंगे। कांग्रेस ने विपक्ष पर लगाया अड़चन का आरोप सुनवाई के बाद कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि सरकार शुरू से ही जल्द चुनाव कराने के पक्ष में रही है, लेकिन विपक्ष लगातार बाधा उत्पन्न करता रहा। उन्होंने बताया कि ट्रिपल टेस्ट और आरक्षण रोस्टर तैयार कर निर्वाचन आयोग को सौंप दिया गया है। अब आयोग को शीघ्र चुनाव कराने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएएच/578, दिनांक 22.11.2025, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम ऑफिस, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **ई-निविदा सं. : एसडीएसटीई/एसआईजी/टी/36/25-26/आरआरएसके। कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** दमदम जंक्शन-बाली हाल्ट, दमदम जंक्शन-प्रिंसेप घाट, दमदम जंक्शन-बनगांव जंक्शन और बारासात जंक्शन-हासनाबाद की शाखा में एल/बॉक्स, सिग्नल पोस्ट, एलसी गेट आदि के पुनर्वास के साथ विश्वसनीयता सुधार कार्य। **निविदा मूल्य :** रु.94,71,323.52, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति राशि जमा की जाएगी :** रु. 1,89,400/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि:** 04.12.2025, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि:** 18.12.2025 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली के खोलने की तिथि:** 18.12.2025 को 14.30 बजे। विवरण **www.ireps.gov.in** से देखा जा सकता है। **तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित नहीं है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समप्रकृति के कार्य:** "डेटालॉगर या आरटीयू की आपूर्ति, स्थापना और आरंभ करना या कोई सिग्नल इंटरलॉकिंग कार्य जिसमें शामिल है ईआई या आरआरआई या पीआई या आईबीएस या आईबीएच या एलसी गेट इंटरलॉकिंग या यार्ड रूपांतरण या यूएफएसबीआई या ट्रैक सर्किट (एएफटीसी या डीसी टीसी) या एक्सल काउंटर (एसएसडीएसी या एमएसडीएसी या एचए-एसएसडीएसी) या ऑटोमेटिक सिग्नलिंग"। **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे। SDAH-269/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

हर्ष फायरिंग में गयी युवक की जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। नगर थाना क्षेत्र के मठिया गांव में एक शादी समारोह के दौरान रविवार की देर रात डीजे पर डांस के दौरान हर्ष फायरिंग के दौरान एक युवक को गोली लग गई। जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गए।

जख्मी अवस्था में युवक को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से चिकित्सकों ने उसे गोरखपुर रेफर कर दिया। जख्मी युवक की पहचान मठिया गांव निवासी शिवनाथ राम का 21 वर्षीय बेटा सुनील कुमार के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार, रविवार को मठिया गांव निवासी बिट्टू साह के घर बरात आई थी। शादी का कार्यक्रम चल रहा था। बारातियों के साथ कुछ स्थानीय लोग भी डीजे की तेज धुन पर नाच रहे थे। पड़ोस में हो रही शादी में शामिल होने के लिए सुनील भी गए थे।

इसी दौरान, डांस के दौरान हथियार लहराते हुए कुछ युवक डांस कर रहे थे। इस दौरान हर्ष फायरिंग के दौरान एक गोली सुनील राम के पेट में लग कर आर-पार हो गई। जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई और आरोपी मौके से फरार हो गया।

घायल युवक को तुरंत सदर अस्पताल भर्ती कराया गया। यहां से चिकित्सकों ने उन्हें गोरखपुर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने शादी समारोह में मौजूद लोगों से पूछताछ की है व तीन संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

फिलहाल पुलिस गोली चलाने वाले आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। डीजे पर डांस के दौरान गोली चलने की इस घटना से पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

इस संदर्भ में जख्मी युवक का पिता शिव नाथ राम ने बताया कि पड़ोस में बरात आई थी। जहां वह भी गया था बाद में हम लोगों को सूचना मिली कि उसको गोली लग गई है। वहीं, सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। आखिर युवक को गोली कैसे लगी। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

शव मिलने से सनसनी

पटना। राजधानी के नाला रोड में सोमवार को छह मंजिला अपार्टमेंट के नीचे एक अज्ञात किशोरी का शव बरामद किया गया।

अपार्टमेंट का कोई व्यक्ति उसे पहचानता नहीं था, इस कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी है। कदमकुआं थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आत्महत्या, हादसा और हत?या के बिंदुओं पर जांच कर रही है।

बताया जाता है कि सुबह में एक युवक पौधों में पानी डालने पहुंचा था। इसी बीच उसे ड्रम पर एक शव दिखा। यह देखकर वह सन्न रह गया। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग जुटे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी।

जहां शव है, उसे देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि वह अपार्टमेंट से गिरी या गिराई गई। इसके अलावा अन्यत्र हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की चर्चा भी चल रही है। सूत्रों के अनुसार शव पर किसी गहरे जख्म के निशान नहीं हैं। फिलहाल पुलिस उसकी पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

सांस्कृतिक पाठशाला की 88वीं कड़ी में 'साझी विरासत और सामाजिक संरचना' पर विमर्श

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। मनुष्यों की बसावट से बहुत पहले यह धरती केवल घने वनों से आच्छादित थी। मनुष्य आए, बसते गए और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार वनों को काटा, संवारा और व्यवस्थित किया। समाज ने व्यक्ति को जो शिक्षा और संस्कार दिए, वे इसी प्रक्रिया से विकसित हुए। विचारों के स्तर पर मानव एक साझा धारा में बंधा है, और भारत में यह विशेष रूप से स्पष्ट दिखाई देता है कि विभिन्न धर्मों, जातियों और भाषाओं के होते हुए भी हमारी सांस्कृतिक चेतना एक है। यही कारण है कि भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान पूरी दुनिया में किया जाता है। सहयोग, प्रेम, त्याग और सौहार्द जैसे मूल्य हमारी साझी विरासत के जीवंत प्रतीक हैं।

इप्टा द्वारा संचालित सांस्कृतिक पाठशाला की 88वीं कड़ी में सामाजिक संरचना एवं साझी विरासत के प्रतीक विषय पर अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए साहित्य के अध्येता प्रोफेसर के.डी. ओझा ने इन विचारों को रेखांकित किया।

इप्टा के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश सिंह ने कहा कि भारत की विविधताओं के बीच सहयोग, एकता और समन्वय की परंपरा हमारी साझी विरासत की मूल शक्ति है। गोष्ठियों का आयोजन, कलाकारों की मंडलियों का गठन–ये सभी प्रक्रियाएँ सामूहिक सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण संकेतक हैं।

शिक्षक गोविंद प्रसाद ने कहा कि एक समाजशास्त्री के अनुसार यदि कोई व्यक्ति समाज से अलग रहे तो वह या तो देवत्व की ओर झुक सकता है या फिर दानवत्व की ओर। सामाजिक संरचना के भीतर मौजूद भेदभाव समाज को तोड़ने का काम करते हैं। वर्तमान दौर में समरसता के सांस्कृतिक मूल्यों पर प्रहार हो रहा है; ऐसे में साझी विरासत के तत्वों को पहचानना और मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है।

फिजियोथैरेपिस्ट कुलदीप राम ने कहा कि आज के विषय का चयन ही यह संकेत देता है कि हमारी साझी विरासत कहीं न कहीं खतरे का सामना कर रही है। संविधान ने भारत की विविधताओं को ध्यान में रखते हुए धर्मनिरपेक्षता को मूल मूल्य के रूप में स्वीकार किया है, जो हमारी साझी विरासत की सशक्त कड़ी है।

युवा कवि घनश्याम कुमार ने कहा कि सामाजिक संरचना के दो पहलू होते हैं–सकारात्मक और नकारात्मक। शिक्षा के प्रसार से ही सकारात्मक पक्षों को विस्तार मिलता है और समाज सुदृढ़ होता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर के.डी. ओझा और ज्ञान-विज्ञान समिति के प्रांतीय अध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने संयुक्त रूप से की। विषय प्रवेश प्रेम प्रकाश द्वारा किया गया, जबकि संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन शिव शंकर प्रसाद ने प्रस्तुत किया। अंत में शिव शंकर प्रसाद ने इप्टा के सक्रिय साथी संजीव कुमार संजू की माता जी के निधन पर शोक प्रस्ताव रखा। शोक प्रस्ताव के बाद उपस्थित सभी लोगों ने एक मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर अजीत कुमार ठाकुर, फिरोज अहमद, सतपाल सहित कई अन्य साथी उपस्थित रहे।

धान क्रय केंद्र नहीं खुलने से बिचौलियों की चांदी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू में पिछले दो तीन वर्षों के बाद अच्छी बारिश हुई है। अच्छी बारिश होने से जिले धान की फसल भी अच्छी पैदावार हुई है। आधा से अधिक नवंबर माह बीत गया लेकिन अभी तक सरकार द्वारा धान क्रय केंद्र नहीं खोला गया। धान क्रय केंद्र नहीं खुलने से बिचौलियों की चांदी हो गई है। बिचौलियों किसानों के खलिहानों में पहुंच कर औने पौने दामों पर धान खरीद रहे हैं। किसान भी तत्काल पैसा मिल जाने से कम दाम में भी धान बेचने को मजबूर हैं। सबसे बड़ी बात है कि शासन प्रशासन द्वारा अभी तक किसानों को नहीं बताया गया है कि धान क्रय केंद्र कब तक खुलेगा। जिला आपूर्ति कार्यालय के अनुसार अभी तक सरकार द्वारा जिलें को धान खरीदी का लक्ष्य नहीं दिया गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार में बैठे लोग किसानों के हितों को लेकर कितना गंभीर है। मजबूरी में किसान भी अपनी फसल बेचना चाह रहे हैं, क्योंकि कटाई के बाद खेतों में पड़े धान को सुरक्षित रखना मुश्किल होता जा रहा है। गांव में धान की खरीदारी करने वाले महाजन मोटा धान 15-16 सौ रुपए क्विंटल और महीन धान 18-19 रुपए क्विंटल खरीद रहे हैं। महाजन खलिहान में ही जाकर किसान को बोरा उपलब्ध कराकर वहीं धान तौलकर ले जा रहे हैं। इन दिनों गांवों में टीवीएस मोटर साइकिल पर बोरा का बंडल लिए महाजन के पीछे पीछे पिकअप वैन या टेंपो अक्सर देखा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सरकार का निर्धारित दर 2400 रुपए था। किसान बोले- खेतों में गेहूं की फसल लगानी है, इसलिए सस्ते में बेच रहे पड़वा के रजहीखाड़ के सुदेश महतो ने बताया कि इस साल धान का फसल अच्छी हुई है लेकिन लागत के अनुसार धान का दाम नहीं मिल रहा है। गेहूं का बीज खरीदना है इसलिए खलिहान से ही धान कम दाम मिलने के बावजूद भी बेच रहा हूं। सरकार कब धान खरीदेगी और कब पेमेंट मिलेगा इसकी कोई गारंटी नहीं रहता है। किसान अमरेश महतो का कहना है कि धान क्रय केंद्र में धान बेचना बहुत मुश्किल काम है।

मुख्यमंत्री ने किया हाजीपुर जूता फैक्ट्री का निरीक्षण

कई देशों सहित रूसी सेना को है विशेष पसंद

100 करोड़ से ज्यादा है सालाना टर्न ओवर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। कभी अपने चिनिया और मालभोग केले के स्वाद के लिए देश-दुनिया में पहचान रखने वाला हाजीपुर अब एक नए उद्योग के कारण सुर्खियों में है। हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र में निर्मित विशेष डिजाइन के जूते अब यूरोपीय देशों के साथ-साथ रूसी सेना के बीच भी धूम मचा रहे हैं।

अपनी आरामदायक गुणवत्ता व मजबूती की वजह से मेड इन हाजीपुर जूता को रूसी सैनिक काफी पसंद कर रहे हैं। सोमवार को हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण करने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने न सिर्फ इस फैक्ट्री का निरीक्षण किया, बल्कि यहां के कार्यों को भी बारीकी से देखा।

मालूम हो कि वर्ष 2018 में हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र में कांपिटेंस एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक यह कंपनी खोली गई थी। अपनी विशिष्ट डिजाइन, उच्च मजबूती और आरामदायक गुणवत्ता के कारण इन जूतों ने यूरोपीय देशों के बाजारों में तेजी से अपनी धाक जमाई।

प्रबंधन के अनुसार, कंपनी का सालाना टर्नओवर अब 100 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इन जूतों की कीमत चार हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये तक है।

यहां रूसी सैनिकों के लिए खास तरह के जूते बनाए जाते हैं। हर वर्ष लाखों

की संख्या में इसकी सप्लाई भी की जा रही है। इन जूतों की खासियत यह है कि ये काफी हल्के होते हैं, लेकिन इनके तलवे का विशेष डिजाइन फिसलन से बचाता है।

इनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि ये जूते माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तक के अत्यधिक ठंडे तापमान का सामना कर सकते हैं। इसी वजह से ये जूते रूसी सैनिकों के बीच काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इस कंपनी की खास बात यह है कि यहां काम करने वाले वर्करों में 60 फीसदी से ज्यादा महिलाएं हैं और वे स्थानीय हैं।

तीन दिनों में प्राप्त हुए 12885 आवेदन : डा. असीम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में 21 से 28 नवंबर तक चल रहे सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत विभिन्न पंचायतों में शिविर लगाये जा रहे हैं। इसी क्रम में पिछले तीन दिनों में लगाये गये शिविरों में विभिन्न योजनाओं के लाभ के लिए आमजनों की तरफ से 6755 आवेदन आये हैं। वहीं विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों से जुड़े 969 आवेदन प्राप्त किये गये हैं। इसके अलावे भूमि मापी, दाखिल-खारिज, पेंशन से जुड़े आवेदन आये हैं। इस तरह कुल 12,885 आवेदन प्राप्त किये गये हैं। इसमें से दो हजार से अधिक आवेदनों का ऑनस्पॉट निष्पादन कर दिया गया है। शेष आवेदनों के जांचोपरांत स्वीकृति प्रदान की जाएगी। उक्त बातें जिला जन सूचना पदाधिकारी डॉ. असीम कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों में त्रुटि रहने के कारण 35 आवेदनों को रिजेक्ट कर दिया गया। सबसे कम आवेदन मोहम्मदगंज व सबसे अधिक आवेदन हुसैनाबाद से प्राप्त किये गये।

डा. असीम कुमार ने बताया कि सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम के तहत आगामी मंगलवार को मोहम्मदगंज के भजनिया, हैदरनगर के बभन्डीह, बरडण्डा, हुसैनाबाद के उपरिकला, बेनी कलां व पथरा, हरिहरगंज के खड़गपुर, पिपरा के पिपरा, नौडीहा बाजार के तरीडीह व खैरादोहर, छतरपुर के कउवल, सिलदाग व डाली, पांडु के सीलदिली, ऊंटरीरोड के मुरमाखुर्द, विश्रामपुर के लालगढ़, नावाबाजार के तुकबेरा, पंड़वा के पंड़वा पंचायत, चैनपुर के नरसिंहपुर पथरा, कोशियारा व मझिआंव, रामगढ़ के चोरहट, सदर मेदिनीनगर के कौड़िया, सरजा पंचायत, पाटन के कांकेकलां, शोले, राजहरा, मनातू के नौडीहा, तरहसी के पाठकपगार व सोनपूरा, नीलांबर-पीतांबरपुर के सांगबार, ओरियाकला, सतबरवा के सतबरवा व पांकी के माड़न, करार व डंडारकला पंचायत में शिविर का आयोजन किया जाएगा।

सैकड़ों लीटर शराब के साथ तस्कर को पुलिस ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बरांटी थाना की पुलिस ने एनएच-322 पर एक निजी स्कूल के निकट से पिकअप वैन पर चोकर के बोरों के नीचे छुपाकर ले जाई जा रही अंग्रेजी शराब बड़ी खेप के साथ एक अंतरजिला तस्कर को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान समस्तीपुर जिले के सरायरंजन थाना क्षेत्र के बरबट्टा निवासी शत्रुघ्न पासवान के पुत्र राकेश कुमार के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस ने राकेश कुमार, राहुल कुमार तथा जब्त पिकअप वैन के मालिक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। जब्त की गई शराब पंजाब निर्मित है, जिसकी मात्रा लगभग 874.800 लीटर बताई गई है। यह जानकारी रविवार को एसपी ने प्रेस बयान जारी कर दी।

उन्होंने बताया कि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण और

मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर सघन वाहन जांच की जा रही है तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

इसी कड़ी में गुप्त सूचना के आधार पर बरांटी थाना की पुलिस एनएच-322 पर एक निजी स्कूल के समीप पहुंची तथा पासवान चौक की ओर से आ रही एक चारचक्का वाहन को रुकने का संकेत दिया गया। चालक ने गाड़ी रोककर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया।

पूछताछ में उसने अपना नाम राकेश कुमार बताया। पहले वह टालमटोल करता रहा, बाद में स्वीकार किया कि वाहन में अंग्रेजी शराब है। पिकअप की तलाशी में चोकर भरे छह बोरे मिले। बोरे हटाने पर शराब की 98 कार्टन अंग्रेजी शराब पाई गई। इसकी मात्रा 874 लीटर 800 एमएल पाई गई।

प्रत्येक बोतल पर फार सेल इन पंजाब ओनली अंकित था। पूछताछ में राकेश ने बताया कि उसका दोस्त राहुल कुमार चालक है और वह उसे पासवान चौक पर मिलता था। राहुल ने ही यह वाहन उसे दिया था और कहा था कि पिकअप को समस्तीपुर जिला के चकलाल थाना क्षेत्र अंतर्गत हलई गांव के पेट्रोल पंप के पास खड़ा कर देना। इसके बदले उसे चार हजार रुपए देने की बात कही गई थी।

प्रेमी युगल को लोगों ने पकड़ करायी शादी

मुजफ्फरपुर। जिले के कांटी थाना क्षेत्र में एक प्रेमी जोड़े की पकड़ौआ शादी कराने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, युवक और युवती चोरी-छिपे एक-दूसरे से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई। दोनों को पकड़ने के बाद ग्रामीणों ने उन्हें कांटी नगर परिषद क्षेत्र के नरसंडा स्थित राम जानकी मंदिर ले जाकर शादी करवा दी।

ग्रामीणों ने बताया कि युवक-युवती के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अक्सर चोरी-छिपे मिलते थे और इसकी जानकारी कुछ ग्रामीणों को पहले से थी। हाल ही में जब दोनों को साथ देखा गया, तो गांव वालों ने मौके पर ही पकड़ लिया।

इसके बाद ग्रामीण बाराती बन गए और मंदिर में पंडित बुलाकर विधि-विधान से शादी करवाई गई। घंटों तक चले इस विवाह कार्यक्रम की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अब दोनों को पति-पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया गया है और वे साथ में अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पहाड़ी गड्ढा से सहोदर भाइयों के शव बरामद

रविवार को दर्ज करायी गयी थी गुमशुदगी की प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डिहरी आनसोन । इंद्रपुरी थाना क्षेत्र के नवाडीह गांव निवासी सगे भाई दो किशोर का शव सोमवार को धवडांड़ ओपी क्षेत्र के पहाड़ी गड्ढा के पानी से बरामद किया गया है।

मृतकों की पहचान नवाडीह निवासी राजेश पाल के पुत्र 14 वर्षीय सुधीर पाल व 12 वर्षीय प्रदीप पाल के रूप में हुई है।स्थानीय लोगों की मानें तो दोनों भाई जंगल में मकोर (जंगली फल) चुनने के चक्कर में साइकिल से गए थे। इस क्रम में ओकें ईंट-भट्ठा के समीप पत्थर खोदाई के चलते बने पानी भरे गड्ढे में स्नान करने लगे होंगे और ज्यादा पानी होने के कारण उसमें डूब गए।

पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अतुलेश झा के अनुसार दोनों भाई की गुमशुदगी की थाने में सूचना उनके स्वजन द्वारा रविवार की देर शाम दी गई थी। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने खोजबीन प्रारंभ कर दिया था।

ग्रामीणों के अनुसार सोमवार की सुबह पत्थर खदान के समीप से गुजर रहे स्थानीय लोगों को लावारिस हाल में पड़ी एक साइकिल एवं कपड़ा देखकर शक हुआ। ग्रामीणों ने तुरंत पत्थर खदान में कूद कर तलाशी शुरू कर दी, इसके बाद बारी-बारी से दोनों शव बरामद हुए। इधर दो बच्चों के शव बरामद होने की सूचना पर लोगों की भारी भीड़ भी इकट्ठा हो गई। सूचना पर थानाध्यक्ष प्रियंका कुमारी गुप्ता द्वारा उनकी पहचान कराने के बाद स्वजनों को बुलाकर शव को अंत्यय परीक्षण के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया।

शव मिलने वाले गड्ढे के समीप पड़ी उनकी साइकिल भी स्वजनों को सौंप दी गई है। ग्रामीणों की मानें तो बच्चों के घर से निकलने से पहले ही मां धान काटने बधार में गई थी और उनके पिता अन्य प्रांत में मजदूरी करते हैं। इसी दौरान बच्चे घर से निकले थे। वे चाचा चाची और मां के साथ रहते थे। घटना के बाद से स्वजनों कर रो रोकर बुरा हाल है।

महिला जदयू नेत्री को बदमाशों ने मारा चाकू

आरा। कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया में सोमवार को मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया, जब एक बदमाश ने जदयू प्रखंड मोर्चा अध्यक्ष सह बीस सूत्री सदस्य लीलावती उर्फ सोनम पटेल (35) को चाकू मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया।

जो कुल्हड़िया निवासी सकल महतो की पुत्री है। घटना कुल्हड़िया पीएनबी बैंक के समीप हुई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल सोनम पटेल लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ीं, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सीएचसी कोईलवर पहुंचाया गया।सीएचसी के चिकित्सक डॉ. संजय कुमार ने बताया कि महिला की पीठ में धारदार हथियार से गहरा जख्म है। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु उन्हें सदर अस्पताल आरा रेफर कर दिया गया।

चिकित्सकों के अनुसार, समय पर इलाज मिलने से उनकी स्थिति नियंत्रण में है। घटना की सूचना पर सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह, कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तमचंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पूर्व से चल रहे जमीन विवाद समेत अन्य विवादों को लेकर कुल्हड़िया निवासी राज कुमार उर्फ राजू सिंह का नाम हमलावर के रूप में सामने आ रहा है।

एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिस राजू सिंह पर आरोप लग रहा है, उस पर पहले भी पॉक्सो एक्ट का मामला कोईलवर थाना में दर्ज है। पुलिस पूरे प्रकरण पर कड़ी नजर बनाए हुए है। आरोपी के धर पकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है।

कोयला खदान में जमीन जाने वाले रैयतों ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नवा बाजार प्रखंड अंतर्गत राजहरा कोठी में एक आवश्यक बैठक बुलाई गई। बैठक रामानंद पाण्डेय, अशोक चौहान (उप मुखिया), रविन्द्र चौहान (उर्फ स्वामी) एवं कमल कुमार ,अंजीत प्रजापति,संतन कुमार राउत के नेतृत्व में किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला परिषद सदस्य के पति राजबली महरा जी ने किया। बैठक में कोयला खदान से प्रभावित गांवों के लोगों ने बैठक किया। जो निम्न गांव के हैं। राजहरा कोठी ,पंडवा में खनन से प्रभावित एवं जमिनी रैयतें मालिक लोगों कि बैठक किया गया । जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि खनन से प्रभावित लोगों के लिए एक संगठन का निर्माण किया जाएगा । जिसका अगली बैठक 30 नवंबर दिन रविवार को भल्ही खदान के आसपास किया जाएगा। उस बैठक में कमिटी संगठन का नामकरण एवं पदाधिकारी का चयन किया जाएगा।

बैठक में संगठन निर्माण का लिया गया निर्णय

बैठक में निम्न लोग उपस्थित थे। रामानंद पाण्डेय, अशोक चौहान (उप मुखिया), पंकज तिवारी (सांसद प्रतिनिधि), कमल कुमार (पंचायत समिति सदस्य पति), मनोज विश्वकर्मा, विजय चौहान (वार्ड सदस्य), सत्येन्द्र पाण्डेय, रविन्द्र चौहान, प्रजापति,सुदेवश चौहान, नन्दकिशोर चौहान, अयोध्या प्रजापति, गोपाल चौहान, महेन्द्र चौहान, राकेश प्रजापति, अजय पाण्डेय, बाल्मीकि पाण्डेय, दिना, अनिल चौहान, नरेन्द्र चंद्रवंशी, नितिन प्रजापति, अंगराज प्रजापति, अनूप चौहान, बिरेंदर प्रजापति, मिथलेश चौहान, भीम प्रजापति,बिलटा चौहान, बिक्की चौहान,राजन प्रजापति, आदर्श साव, विशाल सिंह, बसंत प्रजापति इत्यादि सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

सरदार @150 युनिटी मार्च आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिले में पदयात्रा का आयोजन अररिया कालेज से +2 राजकीय उच्च विद्यालय तक किया गया।इससे पूर्व का पदयात्रा का शुभारंभ सांसद, प्रदीप कुमार सिंह, जिला पदाधिकारी अनिल कुमार, पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार, एसएससी कमांडेंट महेन्द्र प्रताप, विधायक नरपतगंज देवंती यादव, जिला युवा अधिकारी अंजाम कुमार सहित उपस्थित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। साथ ही कार्यक्रम में सांसद , जिला पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित अतिथियों को शॉल एवं मोमेंटो प्रदानकर सम्मानित भी किया गया।इस अवसर पर सांसद ने संबोधन में समाज में एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि अररिया में इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह भारत सरकार और माई भारत की पहल है, जो भारतीय एकता व अखंडता के सूत्रधार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित है। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। जिला युवा अधिकारी द्वारा बताया गया कि युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत के तहत सरदार @150 पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाना, समाज के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाना और एकता की भावना को मजबूत करना है।

फरार अभियुक्त के घर पुलिस ने लगाया इश्तेहार

मेदिनीनगर (पलामू)। पांडु थाना कांड संख्या 31/24 के फरार अभियुक्त रबरा गांव निवासी मुन्ना चंद्रवंशी के घर पांडु पुलिस ने इस्तेहार चिपकाया है। न्यायालय के आदेश के आलोक में उक्त करवाई की गई है। इसे लेकर पांडु पुलिस व ढोल नगाड़े बजाकर विधिवत ढंग से गांव के दो गवाहों की उपस्थिति में घर के पास बिजली पोल पर भी इस्तेहार चिपकाया है। फरार अभियुक्त मुन्ना चंद्रवंशी पर धारा 323/ 406/ 420/ 504/ 506/ 34 भादवि लगाया गया है। इस मामले में थाना प्रभारी विगेश कुमार राय ने बताया कि कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद अभियुक्त न्यायालय में उपस्थित नहीं हुआ। कहा कि इस्तेहार चिपकाए जाने के बाद फरार अभियुक के विरुद्ध आगे की कानूनी करवाई की जाएगी।

सामाजिक कार्यकर्ता के निधन पर शोक

एकमा। प्रखंड के आमडाढ़ी गांव निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता, क्रिकेट खिलाड़ी व हंसमुख व्यक्तित्व के धनी आलोक रंजन सिंह उर्फ काली सिंह का हृदयाघात से निधन हो गया। निधन की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। सोमवार को अंतिम संस्कार सरयू नदी के घाट पर किया गया। वे अपने पीछे पत्नी, तीन वर्षीय बेटी एवं वृद्ध माता-पिता व दो भाईयों को छोड़ गए हैं। सांत्वना देने वालों में सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के पुत्र प्रमोद सिग्रीवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष चैतेन्द्रनाथ सिंह, वीरेश सिंह, मुकेश कुमार सिंह, शिक्षक शैलेश कुमार सिंह, विजय कुमार सिंह, भरत कुमार सिंह, दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ अमन कुमार सिंह, पत्रकार के. के. सिंह सेंगर, संजय कुमार सिंह, धर्मेंद्र रस्तोगी, देवेंद्र सिंह राठौर, विजय सिंह, देवकुमार शर्मा, विनीत कुमार, संजीत कुमार, परवेज अख्तर, सुनील सिंह, जदयू नेता श्री प्रकाश सिंह उर्फ महेश सिंह, पूर्व जिला पार्षद रुपेश सिंह छोटू, जनसुराज नेता विकास सिंह, देव कुमार सिंह, डॉ एस कुमार, संतोष सिंह, रतन सिंह, संदीप सिंह मन्नू सहित डॉक्टर व शिक्षाविदों सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे।

कालिया गैंग के शूटर को एसटीएफ ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने सीतामढ़ी के मेजरगंज थाना क्षेत्र में छापेमारी कर शातिर अभिषेक मिश्रा उर्फ मुकुल मिश्र को गिरफ्तार किया है। वह मूल रूप से डुमरा थाना क्षेत्र के चक्का रसुलपुर का रहने वाला है। उसके पास से चरस 280 ग्राम व बाइक जब्त किया गया है। शातिर अभिषेक मिश्रा उर्फ मुकुल मिश्र कालिया गैंग का प्रमुख शूटर है। मामले में मेजरगंज थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बिहार पुलिस मुख्यालय से जारी प्रेस विज्ञिप्ति में बताया गया कि गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध पटना, मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं सीतामढ़ी जिले के विभिन्न थानों में हत्या, लूट, आर्म्स एक्ट समेत अन्य मामलों के सात से अधिक मामले दर्ज हैं।पूछताछ में उसके और कई साथियों के बारे में पता चला है। पुलिस टीम उसकी निशानदेही पर सोमवार को कई जगहों पर छापेमारी की। हालांकि और कोई पकड़ा नहीं गया। हथियार के साथ चरस की भी तस्करी में उसकी संलिप्तता की बात सामने आई है। इस दिशा में जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि जिले के अहियापुर थाने में उस पर 2021 में मामला दर्ज किया गया था। वह अहियापुर इलाके में 2021 में हुए नवलकिशोर हत्याकांड का आरोपित रहा है। इसके अलावा पूर्वी चंपारण के पताही थाना में नन्हकू सिंह हत्याकांड (पाठक गैंग) में शामिल रहा है। इस मामले में वह वांटेड है। पताही में ही 2023 में ओमप्रकाश सिंह हत्याकांड (पाठक गैंग) और दानापुर पटना में 2024 में राम जी राय हत्याकांड का भी आरोप है।

इसके अलावा डुमरा व रुन्नीसैदपुर समेत अन्य थानों में मामले दर्ज होने की बात सामने आए है। इसके लिए विभिन्न जिलों की पुलिस से संपर्क कर उसके पूर्व का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है।

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना का नवम दीक्षांत समारोह आयोजित

राज्यपाल ने की आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह 24 नवंबर को सम्राट अशोक कंन्वेंशन सेंटर, बापू सभागार, पटना में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान जी ने की। इस समारोह में राज्यपाल बिहार के प्रिंसिपल सेकेट्ररी राबर्ट एल चोंग्यू भी बतौर अतिथि शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में दो हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। इनमें 63 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल भी दिया गया। इस दौरान 67 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई। बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश पियूष अग्रवाल को विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि दी गई। राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने दीक्षांत समारोह में उपाधि धारण करने वाले सभी शोधार्थी-विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत है शिक्षांत नहीं, ज्ञान अर्जन के लिए सदैव जागरूक एवं प्रयासरत रहना चाहिए एवं स्वाध्याय निरंतर जारी रखना चाहिए तथा अर्जित ज्ञान का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए। मेरी आशा है कि आप सभी जिस भी क्षेत्र में जाएं, अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ रहा है। लड़कियों द्वारा सर्वाधिक स्वर्णपदक हासिल करने पर राज्यपाल सह कुलाधिपति ने सभी को बधाई दी और अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। ज्ञान के हर विधा में प्रचुर ज्ञान उपलब्ध हों जो भारत को विकसित करने में अपना योगदान दे सके। ज्ञान विज्ञान के साथ-साथ संस्कार भी आवश्यक है जो आत्मनियंत्रण एवं आत्मसंयम से प्राप्त हो सकता है। मनुष्य का श्रेष्ठतम धर्म ही आत्मनियंत्रण है। इस संदर्भ में उन्होंने वृहदारण्यक उपनिषद् में वर्णित आकाशीय ध्वनि 'दा दा दा' को उद्धृत किया गया जिसका तीन अर्थ है, यथाः- दमयत (आत्म नियंत्रण), दान एवं दया जो ईश्वर द्वारा प्रदत सभी प्राणियों के लिए दिव्य ज्ञान है। उनके द्वारा आगे कहा गया कि धर्म वही है जो अपने में संवेदना जागृत करे ताकि आप दूसरे की पीड़ा को समझ सकें। कुलाधिपति द्वारा हितोपदेश के शूक्त अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम को उद्धृत करते हुए बताया गया कि अपना और पराया की गणना छोटे विचार वाले करते हैं। उदार हृदय वालों के लिए सम्पूर्ण धरती ही परिवार है। ज्ञान तब तक सार्थक नहीं है जब तक वह हमारे जीवन एवं कार्यों में परिलक्षित नहीं हो।

कुलपति प्रो. डॉ. शरद कुमार यादव ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य 'सत्य धर्माय दृष्टये' का स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 2010 में अपनी स्थापना के बाद से खास तौर पर तकनीकी शिक्षा को सुव्यवस्थित तथा नियमित करने में विश्वविद्यालय ने प्रतिबद्धता दिखाई है। हमारे विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षण, अनुसंधान और रचनात्मक प्रयासों के माध्यम से वैश्विक मानकों की उच्च शिक्षा प्रदान करना है। ज्ञान और मानवीय समझ का विस्तार करने और समाज की चुनौतियों से निपटने के लिए विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण सृजित किया है।

बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल देवघर पहुंच की बाबा बैद्यनाथ की पूजा

बाबा बैद्यनाथ धाम पूरे देश के लिए आस्था का केन्द्र : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार सरकार में उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज सपरिवार झारखंड के देवघर पहुंचे और बाबा वैद्यनाथ धाम में पवित्र ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना कर बिहारवासियों पर अपनी असीम कृपा, आरोग्य, समृद्धि और मंगल की वर्षा करते रहने का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि बाबा का आशीर्वाद हमें निरंतर जन-सेवा और राज्य के विकास के संकल्प को और अधिक दृढ़ करने की प्रेरणा देता है। देवघर में पूजा अर्चना करने के बाद वे दुमका के बासुकीनाथ धाम पहुंचे और वहां पूजा अर्चना की। बिहार के उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि बाबा की अनंत कृपा का अनुभव हृदय को असीम शांति और दिव्य ऊर्जा प्रदान करता है। बाबा बासुकीनाथ से उन्होंने समस्त बिहारवासियों के जीवन में सदैव सुख, स्वास्थ्य एवं समृद्धि का संचार करने की प्रार्थना की। उन्होंने बिहार के विकास एवं जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करने का आशीर्वाद भी मांगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ धाम पूरे देश और झारखंड के लिए आस्था और श्रद्धा का केन्द्र है। यहां आने से लोगों को अद्भुत शांति और ऊर्जा का अनुभव होता है। उन्होंने भक्तों से भी अपनी आस्था बनाए रखने का आग्रह किया। यह स्थल न केवल धार्मिक सेक्टर में बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय आज ग्रहण करेंगे पदभार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय आज (मंगलवार) अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वे स्वास्थ्य विभाग में दोपहर 12:30 बजे तथा विधि विभाग में शाम 4:00 बजे पद ग्रहण करेंगे। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पुनः विश्वास जताने और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के लिए आभार प्रकट किया। श्री पांडेय ने कहा कि नई सरकार का मुख्य लक्ष्य बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को शहरों से लेकर गांव तक सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार जनता के हित में निरंतर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता को स्वास्थ्य की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है। श्री पांडेय ने यह भी कहा कि बिहार के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

छह वर्ष के लिए सात नेताओं को कांग्रेस ने किया निष्कासित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कांग्रेस पार्टी के मूल सिद्धांतों, अनुशासन और संगठनात्मक मर्यादा के प्रति शिथिल रवैया अपनाने तथा पार्टी-प्लेटफॉर्म के बाहर लगातार अवांछित व भ्रामक बयान जारी करने के आरोप में प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने सात नेताओं के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें छह वर्ष के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित नेताओं से प्राप्त स्पष्टीकरण समिति को संतोषजनक नहीं लगा। उनके कार्य पार्टी अनुशासन उल्लंघन के पांच मानकों में से तीन के अंतर्गत स्पष्ट रूप से आते हैं। समिति ने उल्लेख किया कि नेताओं ने कांग्रेस के कार्यक्रमों और निर्णयों के विरुद्ध लगातार पार्टी मंचों से बाहर बयान दिए। सक्षम अधिकारियों के निर्देशों की जानबूझकर अवहेलना की। प्रिंट और सोशल मीडिया में टिकट खरीद-फरोख्त जैसे निराधार और भ्रामक आरोप लगाकर पार्टी की प्रतिष्ठा को गंभीर क्षति पहुंचाई। समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन मुद्दों को उठाकर नेताओं ने दुष्प्रचार किया, उन पर पार्टी ने पूर्ण पारदर्शिता अपनाई थी। पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, जनसंपर्क कार्यक्रम, प्रदेश चुनाव समिति की बैठकों तथा अखिल भारतीय चुनाव समिति द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद ही अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा की गई थी। इसके बावजूद संबंधित नेताओं के आचरण से पार्टी के विभिन्न स्तरों—प्रदेश कांग्रेस कमेटी, पर्यवेक्षक, चुनाव समितियों तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी—के निर्णयों की अवमानना हुई और संगठन के भीतर भ्रम फैलाने की कोशिश की गई। समिति ने यह भी बताया कि केंद्रीय पर्यवेक्षक अविनाश पाण्डेय की सहमति से विधान सभा पर्यवेक्षक बनाए जाने के बाद भी इन नेताओं ने अनुशासनहीनता जारी रखी।

इन सभी तथ्यों के आधार पर प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को छह वर्षों के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित करने का निर्णय लिया है। आदित्य पासवान-पूर्व उपाध्यक्ष, कांग्रेस सेवा दल, शकीलुर रहमान-पूर्व उपाध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस, राज कुमार शर्मा-पूर्व अध्यक्ष, किसान कांग्रेस, राज कुमार राजन-पूर्व अध्यक्ष, प्रदेश युवा कांग्रेस, कुंदन गुप्ता-पूर्व अध्यक्ष, अति पिछड़ा विभाग, कंचना कुमारी-अध्यक्ष, बांका जिला कांग्रेस कमिटी, रवि गोल्डेन-नालंदा जिला।

आलोक दत्त पाठक के आकस्मिक निधन पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सूचना भवन के सभा कक्ष में सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के प्रेस कतरन शाखा में प्रतिनियुक्त स्व. आलोक दत्त पाठक को उनके आकिस्मक निधन पर विभाग द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। ज्ञातव्य है कि आवास राजीव नगर में रात्रि काल को हृदयाघात के कारण उनकी मृत्यु हो गई थी। विदित हो कि 22 एवं 23 नवम्बर को विभागीय कार्यालय में राजकीय अवकाशों की वजह से कार्यालय बंद था। कार्यालय खुलने पर विभाग द्वारा दिवंगत स्व. आलोक दत्त पाठक के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। निदेशक वैभव श्रीवास्तव द्वारा शोक संवेदना व्यक्त की गई तथा इस मौके पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए पूरी सभा ने दो मिनट का मौन भी रखा। इस अवसर पर विभाग के सभी पदाधिकारी तथा कर्मी उपस्थित थे तथा सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

अशोका यूनिवर्सिटी ने यंग इंडिया फेलोशिप के 15 साल पूरे होने पर नया डिप्लोमा किया लॉन्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इंटरडिसिप्लिनरी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी अशोका यूनिवर्सिटी ने यंग इंडिया फेलोशिप (वाईआईएफ) के 16वें बैच, सत्र 2026-27 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। फेलोशिप के 15 वर्ष पूरे होने के अवसर पर विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि अब वाईआईएफ इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान करेगी। इस बैच के सभी चयनित फेलोज को एचडीएफसी बैंक के सहयोग से स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। करीब 100 सीटों वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में पूरे देश, विशेषकर पटना और रांची जैसे शैक्षणिक रूप से उभरते शहरों से प्रतिभाशाली युवाओं को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। आवेदन की पहली राउंड 19 जनवरी 2026 तक खुली रहेगी। फेलोशिप की विरासत पर बात करते हुए अशोका यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी के संस्थापक और चेयरपर्सन प्रमथ राज सिन्हा ने कहा अशोका की शुरुआत यंग इंडिया फेलोशिप से हुई थी, इसलिए इसका विश्वविद्यालय में बेहद खास स्थान है। प्रोग्राम का उद्देश्य ऐसे युवाओं को तैयार करना है जिनमें आलोचनात्मक सोच, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक बदलाव लाने की प्रतिबद्धता हो। पिछले 14 वर्षों में लगभग 2400 पूर्व छात्र सरकार, सिविल सोसायटी, विकास क्षेत्र, अकादमिक जगत, शोध, खेल, परफॉर्मिंग आर्ट्स, बहुराष्ट्रीय संगठनों, कॉरपोरेट जगत और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। फेलोशिप के प्रभाव पर बात करते हुए अशोका यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर सोमक रायचौधरी ने कहा यंग इंडिया फेलोशिप ने विश्वविद्यालय में ऐसे नेताओं को तैयार करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

थाईलैंड में जॉब के नाम पर गयाजी के धर्मेंद्र को मानव तस्करों को बेचा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। थाईलैंड में नौकरी का सपना लेकर घर से निकला गया जी के डेल्हा मोहल्ले का युवक धर्मेंद्र कुमार जिस रास्ते गया, वह सीधे साइबर गुलामी की भयावह दुनिया में जा पहुंचा। बेहतर भविष्य की तलाश में उसने एजेंट पर भरोसा किया। लेकिन, चंद दिनों में वह म्यांमार के जंगलों में बंद कमरों में भूख-प्यास और बंदूकधारी गिरोहों के बीच मौत का इंतजार करता मिला। थाईलैंड में आकर्षक वेतन और मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी का झांसा देकर उसे म्यांमार की सीमा पर सक्रिय साइबर स्कैम गिरोह के हाथों बेच दिया गया। तीन दिनों तक अंधेरे कमरे में भूखे-प्यासे कैद रखने के बाद उनकी जान म्यांमार आर्मी की छापेमारी में बची। धर्मेंद्र ने बताया कि वह पुणे में नौकरी करता था। लेकिन, नौकरी छूटने पर वह परेशान था। तभी एक दोस्त ने मुजफ्फरपुर के रहने वाले शुभम कुमार का नंबर दिया जिसने थाईलैंड मे चाइनीज कंपनी की हाई सैलरी की नौकरी का झांसा दिया। कई ऑनलाइन इंटरव्यू, वीडियो कॉलिंग और हाई-लेवल टेस्ट के बाद शुभम ने अंतिम इंटरव्यू थाईलैंड में होने की बात कही। 19 अक्टूबर को टिकट कटा और वह पटना से कोलकाता होते हुए 20 अक्टूबर को वह बैंकॉक पहुंच गया।

रबी फसल हेतु राज्य में उर्वरक की कमी नहीं : पंकज कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने रबी 2025-26 मौसम के लिए राज्य में उर्वरक उपलब्धता, वितरण व्यवस्था और निगरानी तंत्र के विषय में बताया कि भारत सरकार द्वारा बिहार राज्य के लिए इस रबी मौसम में 13.50 लाख मे. टन यूरिया, 3.90 लाख मे. टन डीएपी, 3.50 लाख मे. टन एनपीके, 1.50 लाख मे. टन एमओपी तथा 1.00 लाख मे. टन एसएसपी की आवश्यकता निर्धारित की गई है। राज्य सरकार द्वारा समय पर आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने के कारण वर्तमान में बिहार के किसी भी जिले में उर्वरक की कमी नहीं है। ऐसे सभी जरूरतमंद किसानों को ससमय उर्वरक निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि 24 नवम्बर 2025 तक राज्य में 3.38 लाख मे. टन यूरिया, 1.66 लाख मे. टन डीएपी, 2.48 लाख मे. टन एनपीके, 0.60 लाख मे. टन एमओपी और 1.12 लाख मे. टन एसएसपी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए विभाग सतत सक्रिय है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। प्रधान सचिव ने कहा कि जीरो ऑफिस डे के तहत कृषि विभाग के सभी पदाधिकारी उर्वरक की कालाबाजारी, अधिक मूल्य पर विक्रय और अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए राज्यभर में व्यापक छापामारी अभियान चला रहे हैं। श्री कुमार ने बताया कि रबी 2025-26 मौसम के दौरान, 24 नवम्बर 2025 तक 10 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर अनियमितता के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है तथा 28 उर्वरक प्रतिष्ठानों के प्राधिकार पत्र निरस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रहा है और उर्वरक से जुड़ी किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधान सचिव ने सभी जिलों के जिला कृषि पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला स्तरीय तथा प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समितियों की बैठकें जहां आयोजित नहीं हुई हैं वहां तुरंत आयोजित की जाए।

खलिहान में आग से डेढ़ बीघा धान के बोझे जलकर राख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। थाना क्षेत्र के बीकन बिगहा गांव में सोमवार को खलिहान में अचानक आग लगने से डेढ़ बीघा धान के बोझे जलकर राख हो गया। घटना लगभग 11 बजे हुई जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। खलिहान में तीन किसानों का धान रखा हुआ था जिसमें बीकन बिगहा निवासी लालू कुमार और नागेंद्र कुमार (दोनों पिता स्व. रामाशीष यादव) तथा लक्ष्मण बिगहा निवासी ओम प्रकाश शर्मा (पिता स्व. रामपति मिस्त्री) का बोझा शामिल था। आग कैसे लगी, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। सूचना मिलते ही कोंच पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष सुदेह कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही दमकल को भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया है। स्थानीय लोगों की मदद से आग को फैलने से रोका गया। घटना से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

आर्म्स एक्ट का आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाराचट्टी। बाराचट्टी थाने की पुलिस ने आर्म्स एक्ट के आरोपित धनगाई थाने के हाहेसारी गांव के रहनेवाले काजू यादव को गिरफ्तार कर लिया। यह जानकारी सोमवार को एसएसपी ने दी। एसएसपी ने बताया कि पहले से चल रहे एक विवाद के कारण काजू यादव ने अपने सहयोगियों के साथ मिल कर कुछ लोगों के साथ गाली-गलौज व मारपीट की थी। मना करने पर जान मारने की नीयत से रिवॉल्वर निकाल कर गोली चला दी। इस मामले को लेकर पीड़ित परिजनों के बयान पर 26 फरवरी 2024 को बाराचट्टी थाने में आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

विष्णुपद से झूमते-गाते निकली प्रभु श्रीराम की बारात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। तीन दिवसीय श्रीराम विवाह महोत्सव के पहले दिन प्रभुश्री राम की बारात निकली। प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर से सोमवार की दोपहर बाद बारात निकली तो पूरा इलाका बैंड-बाजे की धुन से गूंज उठा। बैंड-बाजा व डीजे के साथ निकली बारात में भारी संख्या में गयापाल पंडे और श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं की संख्या अच्छी रही। बारात में चांदी मढ़ा फूल-मालाओं से सजे पालकी पर विष्णुचरण विराजमान थे। बारात निकलने के बाद रास्ते में पालकी पर विराजमान श्री विष्णुचरण की पूजा-अर्चना शुरू हुई। रास्ते भर लोगों ने प्रभुकी आराधना कर मंगल कामना की। तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार की रात प्रभु श्रीराम व माता सीता का विवाह होगा। साथ ही लक्ष्मण, भरत और शत्रुध्न का भी विवाह पूरे रस्म के साथ होगा। गयापाल के बैनर तले विष्णुपद से बारात निकली। बारात में पालकी पर विष्णुचरण के बाद आकर्षण का केंद्र श्रीराम दरबार की झांकी जिन-जिन रास्तों से गुजरी बारात देखने के लिए लोग सड़क से लेकर घरों की छत पर देर तक खड़े रहे। बारात दक्षिण दरवाजा, नारायणचुआं, चांदचौरा, नई सड़क, रामसागर, कोयरीबाड़ी, पीरमंसूर, गोदाम, केपी रोड, टेकारी रोड, आजाद पार्क (पश्चिमी मार्ग), गोलपत्थर, लहेरिया टोला, टावर चौक, रमना व कोयरीबाड़ी होते हुए देर रात में विष्णुपद प्रांगण लौट आयी। शोभा यात्रा (बारात) में समिति के अध्यक्ष शंभूलाल विट्ठल, सचिव गजाधर लाल पाठक, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार हल सहित अन्य भारी संख्या में गयापाल व श्रद्धालु शामिल रहे।

श्री विष्णुपद प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शंभूलाल विट्ठ और सचिव गजाधर लाल पाठक ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को विवाह होगा। श्रीराम विवाह महोत्सव को लेकर विष्णुपद मंदिर को रंग-बिरंगे बल्बों व फूल-मालाओं से सजाया गया है। मंदिर के सभाकक्ष में विवाह के लिए फूलों से आकर्षक मंडप बनाया गया है। रात भव्य मंडप में वर पक्ष के चार और वधू पक्ष के चार का विवाह होगा। वैदिक मंत्रोच्चार और महिलाओं के विवाह गीत के बीच भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुध्न जी का शुभ विवाह होगा।

जानलेवा हमला करने के मामले में महिला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बाराचट्टी। जानलेवा हमला करने के मामले में बाराचट्टी थाने की पुलिस ने एक महिला आरोपित को गिरफ्तार किया। यह जानकारी सोमवार को एसएसपी ने दी है। एसएसपी ने बताया है कि एक पीड़ित महिला ने बाराचट्टी थाने में शिकायत दर्ज करायी थी। अपने आवेदन में पीड़िता ने बताया था कि जब वह घर में थी तो एक महिला अपने सहयोगियों के साथ उनके घर में घुसी और गाली-गलौज करने लगे। मना करने पर जान मारने की नीयत से लोहे के रड व डंडे से मार कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। इस मामले को लेकर पीड़िता के बयान पर बाराचट्टी थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी। इस मामले में पहले ही एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब महिला आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ कर बाराचट्टी थाने की पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

38वां डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र स्मृति संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विचार की धनी, सरलता एवं सादगी की प्रतिमूर्ति तथा देववाणी संस्कृत के प्रति आजीवन समर्पित डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र निश्चय ही संस्कृत भाषा की अमर संरक्षिका के रूप में सदा स्मरण की जाएंगी। उक्त बातें 'आधुनिको भव, संस्कृतं वद' अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार संस्कृत संजीवन समाज के महासचिव डॉ. मुकेश कुमार ओझा ने डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र स्मृति अन्तर्जालीय अन्तर्राष्ट्रीय दश-दिवसीय संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर के निरन्तर 38वें समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कही। अपने उद्घाटन उद्बोधन में अभियान के प्रधान संरक्षक एवं उत्तर प्रदेश राज्य लोक सेवा न्यायाधिकरण के सदस्य डॉ. अनिल कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र संस्कृत साहित्य के प्रति पूर्णतः समर्पित थीं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी 7 दिसम्बर को पटना स्थित राजकीय संस्कृत महाविद्यालय में उनकी जयंती के शुभ अवसर पर 'डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र साधक सम्मान' का आयोजन किया जाएगा जिसमें सौ से अधिक संस्कृत अनुरागियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यातिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के पूर्व संयुक्त निदेशक (पेंशन विभाग) धर्मेन्द्र पाण्डेय त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत भारत की प्राणभूत भाषा है। मुख्य वक्ता शैलेन्द्र कुमार सिन्हा रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. अनिल कुमार चौबे, डॉ. अवन्तिका कुमारी, उग्र नारायण झा, डॉ. नीरा कुमारी, डॉ. बिधु बाला, डॉ. लीना चौहान, डॉ. उमाशंकर सिंह, श्रद्धा कुमारी एवं महेश मिश्र सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र संस्कृत सम्भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. रागिनी कुमारी, मुरलीधर शुक्ल, पंकज कुमार, हर्षित राय, विमलेश पाण्डेय, बीजेन्द्र सिंह, भव्या राज, आयुष नन्दन, पारस नाथ, अजीत कुमार त्रिवेदी, डॉ. कौशलेंद्र कुमार, रीना चौहान, चारू, प्रशान्त कुमार, निपुण आदि की प्रस्तुतियां सराहनीय रहीं।

विधानसभा चुनाव के परिणामों पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार ने आज सभी जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्षों एवं कार्यकारी अध्यक्षों को पत्र जारी कर बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया है। ज्ञात हो कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए तथा राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार का गठन हो चुका है। प्रदेश कांग्रेस ने कहा कि चुनावों के बाद प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रदर्शन अपेक्षित स्तर पर नहीं रहा, जो संगठन तथा कार्यकर्ताओं के लिए गंभीर चिंता का विषय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने जिले में शीघ्र समीक्षा बैठक बुलाकर चुनावी परिणामों के राजनीतिक, संगठनात्मक और क्षेत्रीय कारणों का निष्पक्ष और गहन विश्लेषण किया जाए। मतदान प्रतिशत, बूथ-स्तर की गतिविधियां, संगठन की मजबूती, प्रचार-प्रसार, स्थानीय मुद्दों एवं गठबंधन की स्थितियों पर तथ्यात्मक चर्चा की जाए। समीक्षा का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर अविलंब प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को भेजा जाए जिससे आगे की रणनीति और संगठन सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को शीघ्र गति दी जा सके। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा चुनाव परिणाम केवल जीत-हार का संकेत नहीं देते, बल्कि यह बताते हैं कि हमें किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

26 नवंबर को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर आयोजित होगा विशेष कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के परिपत्र 22 नवंबर 2025 के निर्देश पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने घोषणा की है कि आगामी 26 नवंबर (संविधान दिवस) को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर 'संविधान बचाओ कार्यक्रम' का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन किया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थागत स्वतंत्रता की रक्षा के संकल्प को मजबूती से दोहराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज संविधान और लोकतांत्रिक ढांचे पर बढ़ते खतरे को देखते हुए जन-जागरूकता और संवैधानिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इस अवसर पर सभी जिलों में 'संविधान संरक्षण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा' विषय पर एक विचार-गोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसमें स्थानीय वरिष्ठ नेताओं, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिला कांग्रेस कमेटियों को निर्देश दिया है कि कार्यक्रम को पूर्ण अनुशासन, गंभीरता और उच्च सहभागिता के साथ आयोजित किया जाए।

संपादकीय

टीबी खत्म होना था 2025 तक, लेकिन बढ़ गए डेढ़ गुना मरीज?

सन 2020 में जहां देश में टीबी के रोगियों की संख्या अठारह लाख पांच हजार छह सौ सत्तर थी, वहीं 2024 में इस संक्रामक बीमारी का शिकार होने वाले मरीजों की तादाद बढ़ कर छब्बीस लाख सत्रह हजार नौ सौ तेईस हो गई। यह बेहद चिंताजनक है कि जहां देश में लक्ष्य के मुताबिक इस वर्ष तक तपेदिक को खत्म हो जाना चाहिए था, वहीं इसमें और ज्यादा बढ़ोतरी होती देखी जा रही है। ऐसा लगता है कि तपेदिक के उन्मूलन के लिए जो नीतिगत कसौटियां तय की गई, उसे लागू करने को लेकर या तो लापरवाही बरती गई या फिर वे व्यावहारिक नहीं थीं। गौरतलब है कि सूचना के अधिकार कानून के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के क्षय रोग प्रभाग ने बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 तक तपेदिक यानी टीबी रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन आज हालत यह है कि पिछले पांच वर्ष में इस रोग के मरीजों की संख्या में डेढ़ गुना की खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सन 2020 में जहां देश में टीबी के रोगियों की संख्या अठारह लाख पांच हजार छह सौ सत्तर थी, वहीं 2024 में इस संक्रामक बीमारी का शिकार होने वाले मरीजों की तादाद बढ़ कर छब्बीस लाख सत्रह हजार नौ सौ तेईस हो गई। सवाल है कि टीबी रोग के उन्मूलन के लिए जो नीतियां अपनाई गईं या 'निक्षय पोषण योजना', मुफ्त दवा और इलाज की सुविधाओं जैसे उपाय किए गए, उनमें कहां कमी रह गई कि आज खत्म होने के बजाय तपेदिक के मामलों में डेढ़ गुना तक का इजाफा हो गया। तपेदिक एक संक्रामक रोग है। इसीलिए इसकी जद में आने वाले व्यक्ति के इलाज को लेकर ज्यादा संवेदनशीलता बरती जाती है। समय पर इस रोग की पहचान और उसके इलाज की शुरुआत इसके संक्रमण की आशंकाओं को कम करता है तथा मरीज के पूरी तरह ठीक होने की संभावना बनती है। इसमें जरा भी लापरवाही से न केवल किसी मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है, बल्कि अन्य लोगों के बीच इसके फैलने का जोखिम पैदा हो सकता है। विडंबना यह है कि जागरूकता के अभाव में न केवल आम लोग इस रोग के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी करते हैं, बल्कि इसके मरीजों के प्रति सामाजिक उपेक्षा की वजह से भी स्थिति बिगड़ती है। जाहिर है, स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धियों के सरकारी दावे के बरक्स जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों के साथ-साथ अन्य ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

भारत को अब जिस नए तरह के आतंक का सामना करना पड़ रहा है, वह सीमा-पार से नहीं बल्कि क्लासरूम, लैब और अस्पतालों के भीतर से जन्म ले रहा है। आतंकवाद का रूप अब बदल चुका है। वह अब सीमापार की घुसपैठ, जंगलों में छिपे गिरोहों या हथियारबंद टुकड़ियों तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी जड़ें उन सफेदपोश और शिक्षित लोगों तक पहुंच चुकी हैं, जिन्हें समाज सम्मान की दृष्टि से देखता था। आतंक का नया चेहरा वह है, जो लैब कोट पहनता है, रिसर्च पेपर लिखता है, अस्पताल में ड्यूटी करता है, मेडिकल कॉलेज में पढ़ता है

गले में स्टेथोस्कोप, मन में जहर, खतरनाक है आतंकवाद का बदलता रूप

(योगेश कुमार गोयल)

और आईटी कंपनियों में काम करता है। यही है 'व्हाइट कॉलर टेरर', जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी और सबसे खतरनाक चुनौती बन गया है। 'व्हाइट कॉलर टेरर' यानी शिक्षित, तकनीकी दक्ष और समाज में सम्मानित वे लोग, जो कट्टरपंथ की डिजिटल फैक्ट्रियों में वाहक बनते जा रहे हैं।

दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट और डॉक्टरों के बड़े मॉड्यूल का पकड़ा जाना इस नई साजिश का सबसे भयानक संकेत है। ये न आतंकी दिखते हैं, न किसी पर संदेह होता है। लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में 11 लोग मारे गए और कई घायल हुए। विस्फोटक कार के चालक की पहचान जब सामने आई तो देश स्तब्ध रह गया क्योंकि वह कोई अपराधी, कोई पुराना संदिग्ध या किसी गिरोह का सदस्य नहीं बल्कि डॉक्टर था। पुलवामा का रहने वाला युवक उमर मोहम्मद उन तीन डॉक्टरों का साथी निकला, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग 3000 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद हुए थे। यह कोई साधारण संयोग नहीं बल्कि एक बेहद गहरी और सुनियोजित आतंकवादी साजिश की परतें खोलने वाला तथ्य है।

डॉक्टर मुजम्मिल, डॉक्टर आदिल और डॉक्टर शाहीन, ये तीनों उस गिरोह के केंद्र में थे, जो देश की राजधानी में बड़े पैमाने पर जनसंहार की योजना बना रहा था। इन सभी की प्रोफैशनल पहचान ने इतना मजबूत आवरण तैयार कर दिया था कि कोई इन्हें शक की निगाह से देख ही नहीं सकता था। इसी मॉडल का चौथा सदस्य डॉक्टर मोहिउद्दीन गुजरात पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते की गिरफ्त में आया। चीन से मेडिसिन की पढ़ाई कर लौटे इस युवक को राइसिन जैसा घातक जहर तैयार करते हुए पकड़ा गया, जो एक ही बार में सैंकड़ों लोगों की जान ले सकता था। यह घटनाएं पहली नहीं हैं लेकिन निश्चित रूप से सबसे खतरनाक हैं। पुणे का डॉक्टर अदनान अली सरकार हो या बेंगलुरु की बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत इंजीनियर अथवा आईटी प्रोफैशनल्स, पिछले एक दशक में कई उच्च शिक्षित लोग आतंकी संगठनों के लिए काम करते हुए पकड़े जा चुके हैं। ऑनलाइन पहचान छिपाने के लिए फर्जी नाम, छद्म प्रोफाइल, एन्क्रिप्टेड चैट और डार्क वेब समूहों का इस्तेमाल अब इनका सामान्य हथियार बन चुका है। आइएस, अल-कायदा या छोटे स्थानीय मॉड्यूल, ये सभी इस नए वर्ग को अपनी 'बौद्धिक सेना' बनाने में सक्रिय हो चुके हैं।

यह धारणा अब पूरी तरह मिथ्या साबित हो चुकी है कि केवल गरीब, वंचित या अशिक्षित लोग ही मजहबी उन्माद या सामाजिक उत्पीड़न के कारण कट्टरपंथी बनते हैं। हाल के वर्षों में आतंक के रास्ते पर चलने वाले लोगों की सूची देखें तो स्पष्ट होता है कि उनमें बड़ी संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और डिग्रीधारी युवा शामिल हैं। उनकी समस्या न तो आर्थिक है, न सामाजिक बल्कि वैचारिक है। वे इंटरनेट पर उपलब्ध कट्टरपंथी सामग्री, डार्क वेब चैट रूम, टेलीग्राम चैनलों और गहरे धार्मिक उन्माद से प्रेरित वीडियो के माध्यम से धीरे-धीरे विचलित होते हैं और फिर एक ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जिसे वे खुद भी कभी समझ नहीं पाते। भारत में केरल, कश्मीर, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जहां प्रोफैशनल डिग्री वाले व्यक्ति आइएस, जैश, लश्कर या अल-कायदा के लिए काम करते हुए पकड़े गए। कुछ ने तो खुद के 'जिहादी मॉड्यूल' भी बना लिए, जिनके नाम मजहबी संदर्भों से प्रेरित थे, जैसे गजवा-ए-हिंद के नाम पर सक्रिय कई छोटे समूह। ये संगठन मजहबी मान्यताओं की मनचाही व्याख्याएं करके, उसे 'धर्मयुद्ध' का रूप देकर अत्याचार, जनसंहार और हिंसा को जायज ठहराते हैं। समय-समय पर इन पर फतवे भी जारी हुए, लेकिन कट्टरपंथियों पर उनका कोई असर नहीं पड़ा।

जिहादी आतंक कोई आत्मस्फूर्त हिंसा नहीं बल्कि एक घिनौनी विचारधारा का परिणाम है। यह विचारधारा मजहबी ग्रंथों की विकृत व्याख्याओं पर आधारित है। अब जब डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक भी इस विचारधारा का शिकार होने लगें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या कहीं गहरे छिपी है। सरकार, पुलिस और एजेंसियां अकेले इस विचारधारात्मक युद्ध को नहीं जीत सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक समूहों और सामाजिक नेतृत्व को मिलकर यह समझना होगा कि कट्टरपंथ कैसे जन्म लेता है और कैसे फैलता है। व्हाइट कॉलर टेरर की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह संदेह के दायरे से बाहर रहता है। समाज में सम्मानित होने के कारण डॉक्टर, इंजीनियर या आईटी विशेषज्ञ कोई हथियार लेकर नहीं घूमते। वे किसी सूची में नहीं होते। उनका कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होता। वे तकनीक, बैंकिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन, एन्क्रिप्शन और साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ होते हैं। यही कारण है कि वे निगरानी तंत्र को चकमा देने में सफल हो जाते हैं। वे वीपीएन, क्रिप्टो ट्रांजैक्शन, डार्क वेब चैट, प्रोटॉन मेल और ऑटो-डिलीट चैट का इस्तेमाल करते हैं। वे विस्फोटकों की खरीद-फरोख्त के लिए फर्जी पहचान बनाते हैं। उनके खाते, उनके लेन-देन और उनकी यात्राएं सामान्य नागरिक जैसे दिखते हैं। यही कारण है कि एजेंसियों के लिए इनके व्यवहार का पैटर्न पहचानना ही सबसे कठिन चुनौती बन जाता है। आज आतंकवादी संगठनों की रणनीति बदल चुकी है। वे अब जंगलों या सीमाओं पर नहीं बल्कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, लैब्स और तकनीकी संस्थानों में नए सदस्य खोजते हैं। टेलीग्राम और सिग्नल पर 'भाईजान', 'शहीद', 'मुजाहिद', 'काफिरों के खिलाफ जंग' जैसे भावनात्मक शब्दों में संदेश भेजे जाते हैं। ऐसे संदेश धार्मिक, सामाजिक या न्याय के नाम पर 'कथित अन्याय' का चित्र बनाते हैं और युवा धीरे-धीरे कट्टरपंथी बन जाते हैं। यह 'ब्रेन वॉशिंग' चुपचाप होती है, किसी को पता तक नहीं चलता। डॉक्टर और इंजीनियर आखिर आतंकी क्यों बन रहे हैं और आतंकवादी कौनसे नैरेटिव से प्रेरित हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। हर जिहादी संगठन अपने हिंसक कृत्यों को मजहबी मान्यताओं की आड़ में सही ठहराता है। यही कारण है कि आतंक के खिलाफ होने वाले फतवों का कोई असर नहीं होता क्योंकि समस्या धार्मिक आस्थाओं की राजनीतिक और हिंसक व्याख्याओं में है। व्हाइट कॉलर आतंकी सबसे खतरनाक इसलिए हैं क्योंकि उन्हें रोकना सबसे मुश्किल है। इन पर समाज भरोसा करता है और ये विश्वास को ही हथियार बनाकर आतंक फैलाते हैं। यही कारण है कि अब भारत को सुरक्षा का एक ऐसा नया फ्रेमवर्क तैयार करना होगा, जो केवल निगरानी पर आधारित न हो बल्कि रैडिकलाइजेशन को रोकने के लिए शिक्षा, समाज और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में व्यापक सुधार भी करे। बहरहाल, एजेंसियों को अब व्यवहार आधारित एआई निगरानी, डिजिटल फुटप्रिंट विश्लेषण, क्रिप्टो-ट्रैकिंग और इंटरनेशनल डेटा-शेयरिंग की दिशा में और मजबूत कदम उठाने होंगे। शिक्षण संस्थानों में साइबर-रेडिकलाइजेशन पर जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक नेतृत्व को कट्टरपंथी व्याख्याओं के खिलाफ स्पष्ट और ठोस संदेश देने होंगे। लाल किले का धमाका और उससे जुड़ा व्हाइट कॉलर मॉड्यूल स्पष्ट चेतावनी है कि अगली लड़ाई जंगलों या सीमा पर नहीं होगी बल्कि क्लासरूम, लैब, अस्पताल, ऑफिस और वर्चुअल दुनिया में लड़ी जाएगी। यदि हमने इस खतरे को अभी नहीं समझा तो आतंक का यह नया चेहरा उतना ही विनाशकारी होगा, जितना हमने पहले कभी नहीं देखा। ऐसे में भारत की सुरक्षा केवल हथियारों पर नहीं बल्कि समाज के नैतिक ढ़ांचे, शिक्षण संस्थानों की जागरूकता और नागरिकों की सतर्कता पर निर्भर है।(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता बना कांग्रेस की हार

(योगेंद्र योगी)

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने पिछले महीने आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। सीबीआई के अनुसार, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव के अलावा राज्यसभा सदस्य प्रेमचंद गुप्ता, उनकी पत्नी सरला गुप्ता, आईआरसीटीसी अधिकारियों, कोचर ब्रदर्स समेत कुल 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए थे। यह खबर पूरे देश में पढ़ी–सुनी गई। यदि किसी ने नहीं देखी तो वह है कांग्रेस पार्टी ने। कांग्रेस ने लालू यादव के भ्रष्टाचार और जंगलराज के अन्य मामलों की तरह इसे भी नजरांदाज कर दिया। कांग्रेस यह भूल गई कि यदि ऐसे मामलों की अनदेखी की गई तो मतदाता भी उसे भूल जाएंगे। बिहार विधानसभा चुनाव में यही हुआ। मतदाता भूल गए कि कांग्रेस भी एक राष्ट्रीय और प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दल है। कांग्रेस ने सत्ता के लिए भ्रष्टाचार से समझौता किया। मतदाताओं ने कांग्रेस के इस रवैये को मतों से ठुकरा दिया।

सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि कांग्रेस ने पिछली गलतियों से जरा भी सबक नहीं सीखा। भ्रष्टाचार और कानून–व्यवस्था आज भी देश में प्रमुख मुद्दा है। विकास और दूसरे मुद्दे इसकी नींव पर खड़े होते हैं, यदि नींव ही कमजोर होगी तो विकास की इबारत नहीं लिख पाएगी। कांग्रेस ने बिहार में लालू यादव की पार्टी से सत्ता के लिए समझौता कर अपने पैरों पर फिर से कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। कांग्रेस को बिहार विधानसभा की कुल 243 सीटों में से मात्र 6 सीटें मिली। इस शर्मनाक हार की जिम्मेदार खुद कांग्रेस है। कांग्रेस अब इस जिम्मेदारी से भागने के लिए फिर से वही पुराना वोट चोरी, सरकारी मशीनरी के चुनाव में दुरुपयोग का आरोप लगा रही है। अभी भी कांग्रेस इस सच्चाई का सामना करने को तैयार नहीं है कि उसने एक महाभ्रष्ट लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से सीटों का समझौता करके भारी भूल की है। बिहार के मतदाताओं ने इन दोनों दलों को तगड़ा सबक सिखाया है।

कांग्रेस ने आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे लालू परिवार के जरिए चुनावी वैतरणी पार करने का गलत निर्णय लिया। यह जानते हुए भी कि मतदाता इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपराधी परिवार के साथ चुनावी तालमेल की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ गई। भाजपा और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने लालू यादव के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और जंगलराज को प्रमुख मुद्दा बनाया। कांग्रेस इसके बचाव में कोई दलील देकर मतदाताओं को संतुष्ट नहीं कर सकी। बिहार में चुनाव हो और चारा घोटाले से जुड़ी कहानियां सामने न आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। ये घोटाला ही ऐसा था कि 30 साल बाद भी लोग इसके बारे में बात करते हैं और जानने की चाहत रखते हैं। कांग्रेस ने 950 करोड़ रुपये के घोटाले में अपने प्रमुख सहयोगी और राजद प्रमुख लालू प्रसाद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए पर्दे के पीछे से राजनीतिक चालें चलीं, लेकिन वे असफल रहीं। वर्ष 1990-96 के दौरान सामने आया चारा घोटाला बिहार पशुपालन विभाग में हुआ। इसमें अधिकारियों ने बेईमान सप्लायर्स के साथ मिलकर फर्जी बिलों के आधार पर सैकड़ों करोड़ रुपये का गबन किया। जांच में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, नौकरशाहों और राजनेताओं की संलिप्तता सामने आई। ये सरकारी खजाने की बड़ी लूट थी।

यह घोटाला मुख्य रूप से 1990 के दशक में हुआ। इस समय लालू प्रसाद यादव बिहार के मुख्यमंत्री थे। इसका खुलासा 1996 में तब हुआ, जब चाईबासा (अब झारखंड में) के उपायुक्त अमित खरे ने पशुपालन विभाग के दफ्तरों पर छापा मारा और फर्जी बिलों के जरिए धन निकासी की गड़बड़ी पकड़ी। बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव को पांच मामलों में दोषी ठहराया गया। लालू प्रसाद यादव पशुपालन घोटाले के मामलों में लालू अब तक कुल सात बार जेल जा चुके हैं। चाईबासा ट्रेजरी से अवैध निकासी के मामले में 3 अक्टूबर 2013 को पहली बार उन्हें सजा मिली थी। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्रा, जगदीश शर्मा, आर.के. राणा जैसे नेताओं और अफसरों को भी इस मामले में सजा सुनाई गई। कांग्रेस ने लालू राज की इस सच्चाई को जानने के बावजूद राजनीतिक पैतरेबाजी से बिहार में सत्ता हासिल करने का नाकाम प्रयास किया। बिहार में वोट चोरी का अभियान चलाया गया। यह कभी चुनावी मुद्दा नहीं रहा।कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ एक भी नजीर पेश नहीं कर सकी। कांग्रेस यदि गंभीर होती तो अपने शासित राज्यों में किसी एक का उदाहरण देकर मतदाताओं को विश्वास दिला सकती थी, कि वह भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति पर अमल करती है। कांग्रेस को यह समझना होगा कि राजद जैसे दागदार क्षेत्रीय दलों की तुलना वह एक प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी है। सिर्फ एक राज्य में सत्ता के लिए भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से समझौता करने की भारी कीमत पूरे देश में चुकानी पड़ सकती है। यही कीमत दूसरे राज्यों के अलावा अब कांग्रेस ने बिहार में चुकाई है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शराब की लुभावनी पैकेजिंग के खतरे एवं सुप्रीम कोर्ट की चिंता

(ललित गर्ग)

सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं।

हाल ही में देश की शीर्ष अदालत ने शराब की पैकेजिंग को लेकर जो गंभीर टिप्पणी की है, वह केवल कानूनी हस्तक्षेप नहीं बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली चेतावनी है। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि शराब को इस तरह आकर्षक और लुभावना बनाकर प्रस्तुत करना सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ संस्कृति एवं सामाजिक के साथ खिलवाड़ है। चमकीली बोतलें, विदेशी डिजाइन, चटकदार रंग और ग्लैमरस बॉक्स-ये सब रणनीतियां लोगों को, विशेषकर युवाओं को, महिलाओं को शराब की ओर खींचने का साधन बन चुकी हैं। शराब की यह भ्रामक एवं बाजारवादी पैकेजिंग एक गंभीर एवं नया खतरा है। यह प्रवृत्ति केवल बाज़ार का विस्तार नहीं बल्कि पूरे समाज के स्वास्थ्य, नैतिकता और मानसिक संतुलन पर गहरा हमला है। जन-स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली शराब कम्पनियों की दुराग्रही सोच एवं गुमराह करने वाली पैकिंग एक आपराधिक कृत्य है। जूस पैक जैसे दिखने वाले टेट्रा पैक में बेची जा रही शराब अनेक खतरों को आमंत्रण है।

आज जब देश शराब की वजह से होने वाली बीमारियों, दुर्घटनाओं, हिंसा, पारिवारिक विघटन और मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब शराब को 'फैशनेबल' बनाकर बेचना एक बहुत बड़ा खतरा बन जाता है। शराब कंपनियों ने पैकेजिंग को आधुनिकता, प्रतिष्ठा और स्टाइल से जोड़ दिया है, जिससे युवा वर्ग इसे किसी उपलब्धि जैसा मानने लगा है। सामाजिक और मनोवैज्ञानिक रूप से यह पैकेजिंग व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा करती है कि शराब पीना आधुनिकता का प्रतीक है, जबकि वास्तविकता यह है कि शराब हर रूप में शरीर और मन के लिए घातक ज़हर है। शराब के घातक एवं दुष्प्रभाव किसी से छिपे नहीं हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को भीतर से खोखला करते हुए नशे की अंधी गलियों में धकेल देती है। लिवर सिरोसिस, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मानसिक असंतुलन, अवसाद और नींद की गंभीर समस्याएं शराब सेवन की सीधी देन हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले हजारों लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने के कारण अपनी जान गंवाते हैं। घरेलू हिंसा, अपराध और परिवारों के टूटने में शराब की भूमिका लंबे समय से प्रमाणित है। ऐसे में शराब को आकर्षक पैकेजिंग में परोसना मानो लोगों को स्वेच्छा से विनाश के रास्ते पर भेजने जैसा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसीलिए चिंता जताई है कि शराब की बोतलों की पैकिंग ऐसी नहीं होनी चाहिए जो उपभोक्ता को उसकी वास्तविक हानियों से दूर ले जाए। चेतावनियां अक्सर बोतल के किनारे इस तरह लगाई जाती हैं कि वे दिखती ही नहीं। कंपनियां स्वास्थ्य चेतावनियों को ढककर अपने उत्पाद की सुंदरता को आगे करती हैं। यह न केवल अनैतिक है बल्कि स्वास्थ्य संबंधी नीतियों की मूल भावना के भी विरुद्ध है। जब सरकार तंबाकू पर बड़ी और भयावह चेतावनियों को अनिवार्य कर चुकी है, तो शराब जिसका स्वास्थ्य पर प्रभाव कई मामलों में उतना ही विनाशकारी है, उसकी पैकेजिंग पर भी समान कठोर नियम लागू होना चाहिए। समाज में शराब की बढ़ती स्वीकृति का बड़ा कारण यह भी है कि शराब उद्योग ने पैकेजिंग को ही आकर्षक विज्ञापन का माध्यम बना दिया है। जहां शराब विज्ञापन पर कानूनी रोक है, वहां कंपनियां रंगीन बोतलों और खूबसूरत बॉक्सों को ही प्रचार का तरीका बना लेती हैं। यह परोक्ष विज्ञापन है, जो कानून की भावना का उल्लंघन करता है और युवाओं को नशे की ओर ले जाता है। ऐसे में सादे, सरल और सामान्य पैकेजिंग की दिशा में कदम बढ़ाना आवश्यक है, ताकि शराब किसी 'लक्ज़री उत्पाद' की तरह न दिखे, बल्कि उसका स्वरूप ही लोगों को चेतावनी देने वाला बने।

यह भी चिंताजनक है कि शराब उद्योग का उद्देश्य केवल बिक्री बढ़ाना है, भले ही उससे समाज कितना भी प्रभावित क्यों न हो। वे यह नहीं देखते कि शराब कितने घर बर्बाद कर रही है, कितने लोग बीमार हो रहे हैं और कितनी जिंदगियां संकट में हैं। इस मानसिकता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बेहद आवश्यक है। शराब की ग्लैमरस पैकेजिंग पर रोक लगाने से न केवल उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि समाज में नशामुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण वातावरण भी बनेगा। सरकारों के लिये राजस्व का बड़ा जरिया शराब है, इसलिये सरकारें भी शराब के खिलाफ खुलकर सामने नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट की इस चेतावनी को केवल उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार, समाज और परिवारों के लिए भी महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। शराब किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और उसे आकर्षक बनाकर बेचना मानव जीवन के मूल्य को कम करना है। आज आवश्यकता है कि शराब की पैकेजिंग को नियंत्रित किया जाए, उसे सामान्य और गैर-आकर्षक बनाया जाए, स्पष्ट चेतावनियां लिखी जाएं और शराब को समाज में सम्मानजनक स्थान देने वाली प्रवृत्तियों पर रोक लगे। सरकार को भी स्वस्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कानून बनाने चाहिए जो शराब उद्योग की विपणन चालों को सीमित करें।

चिंता का विषय यह भी है कि शराब अब केवल बार या नाइट क्लबों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक अवसरों-शादियों, जन्मदिनों, दफ्तर की पार्टियों, त्योहारों, यहां तक कि छोटे सामाजिक समारोहों में भी परोसी जाने लगी है। शराब को 'सामाजिकता का हिस्सा' और 'आधुनिकता का प्रतीक' बताकर जिस तरह से उसकी पैठ बढ़ाई जा रही है, वह एक खतरनाक सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। परिवारों में युवा पीढ़ी अपने बड़ों को शराब का उपभोग करते हुए देखकर इसे सामान्य मानने लगी है, जिससे किशोर अवस्था में ही शराब सेवन की शुरुआत हो जाती है। स्कूल-कॉलेज के छात्र फैशन, दबाव, दोस्तों की नकल और विज्ञापन जैसी पैकेजिंग के प्रभाव में आकर शराब की लत में डूब रहे हैं। यह पीढ़ी मानसिक एवं शारीरिक दोनों स्तर पर कमजोर होती जा रही है। शराब न केवल उनकी पढ़ाई, कैरियर एवं सोचने-समझने की क्षमता को नष्ट करती है, बल्कि भविष्य के परिवार एवं समाज की नींव तक को हिला देती है। इन बढ़ती चिन्ताओं का समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक पुनर्संयम और परिवारों में जिम्मेदार व्यवहार से ही संभव है। समाज तभी सुरक्षित हो सकता है जब हम शराब को आकर्षण का नहीं, विनाश का प्रतीक मानें। उसकी पैकेजिंग में चमक-दमक नहीं, चेतावनी झलके। उसका सेवन आधुनिकता नहीं, दुर्बलता समझा जाए। यह चेतना तभी बढ़ेगी जब कानून भी कठोर होंगे और समाज भी सजग। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी इसी दिशा में एक गंभीर कदम है, अब सरकार और समाज की जिम्मेदारी है कि इसे वास्तविक सुधार में बदला जाए। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पुलिस प्रशासन का कड़ा रुख : 'उड़ान टीम' ने शहर भर में बढ़ाई चौकसी, बेटियों की सुरक्षा प्राथमिकता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। शहर की बेटियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन अब बिल्कुल समझौता करने को तैयार नहीं। इसी दृढ़ नीति के तहत पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत के आदेश पर सोमवार को उड़ान गश्ती टीम ने पूरे पूर्णिया में सघन सुरक्षा अभियान चलाया। टीम सुबह से लेकर देर शाम तक स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों और उन सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचती रही, जहाँ छात्राओं का आवागमन अधिक रहता है।

गश्ती के दौरान उड़ान टीम ने छात्राओं से सहज बातचीत कर उनकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताएँ सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही प्रशासन तत्काल कार्रवाई करेगा। टीम ने छात्राओं को कई व्यावहारिक सलाहें भी दीं—जैसे हेल्पलाइन का त्वरित उपयोग, किसी भी परेशानी में तुरंत पुलिस से संपर्क और आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा संबंधी बातों को साझा करना। उधर, गश्ती दल ने कई संवेदनशील स्थानों पर स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। शहर के पार्क, कोचिंग गलियों, भीड़भाड़ वाले चौराहों और शिक्षा संस्थानों के बाहर टीम की मौजूदगी ने असामाजिक तत्वों में स्पष्ट घबराहट पैदा कर दी। उड़ान टीम के कर्मियों की तैनाती और उनका गंभीर रवैया साफ संकेत देता है कि पुलिस प्रशासन अब बेटियों की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा। पुलिस प्रशासन का यह अभियान न केवल सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाता है बल्कि शहर की छात्राओं के मन में यह विश्वास भी स्थापित करता है कि वे शहर की प्राथमिक जिम्मेदारी हैं, और उनकी सुरक्षा एक निरंतर मिशन। आने वाले दिनों में उड़ान गश्ती को और अधिक सुदृढ़ करने की तैयारी है, ताकि पूर्णिया की हर बेटी निर्भीक होकर अपनी पढ़ाई, करियर और सपनों की ओर बढ़ सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल संकट : चार प्यूरिफायर बंद, मरीज और स्टाफ पानी खरीदने को मजबूर

नवबिहार टाइम्स संवाददात

बड़हरा कोठी/पूर्णिया। बड़हरा कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों कुव्यवस्था और विभागीय उदासीनता का जीवंत उदाहरण बन गया है। अस्पताल में दवाइयों, उपकरणों और सफाई को लेकर अव्यवस्था पहले से ही शिकायतों में रहती थी, लेकिन अब हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि मरीजों और स्टाफ के लिए पेयजल जैसी सबसे बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नहीं है।

स्वास्थ्य केंद्र में चार-चार वाटर प्यूरिफायर मशीनें लगी हैं, पर विडम्बना यह है कि पिछले एक माह से सभी बंद पड़ी हैं। परिणामस्वरूप इलाज कराने आने वाले परिजन हों या अस्पताल कर्मचारी, सभी को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। ओरलाहा गांव से बच्चे का इलाज कराने पहुंचीं नीतू देवी और सुनीता देवी ने रोष जताते हुए कहा कि बच्चा प्यास से तड़प रहा था लेकिन अस्पताल में एक घूंट पानी तक नहीं मिला। उन्हें मजबूरी में बाहर दुकान से पानी खरीदकर पिलाना पड़ा। बेलापेमू गांव से आई मंजू देवी और ममता देवी ने भी यही स्थिति बताकर नाराजगी जताई। अस्पताल के कई स्वास्थ्यकर्मियों ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि अस्पताल में मनमानी और लापरवाही चरम पर है। दवाइयों की किल्लत, उपकरणों की कमी और सफाई की अव्यवस्था तो रोजमर्रा की बात है, अब पानी के लिए भी खुद खर्च करना पड़ रहा है। जब इस मुद्दे पर स्वास्थ्य प्रबंधक तौसीफ कमर की मौजूदगी में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नेहा भारती से सवाल पूछा गया तो उनका जवाब और भी हैरान करने वाला निकला। उनका कहना था कि प्यूरिफायर चालू रखने से परिसर की फर्श पर पानी गिरता है और कीचड़ बन जाता है, इसलिए मशीनों को बंद करा दिया गया है। स्थानीय लोग इस तर्क को पूरी तरह तर्कहीन और गैर-व्यावहारिक बताते हुए कह रहे हैं कि यदि कीचड़ की समस्या है तो उसका समाधान किया जाए, लेकिन पानी बंद कर देना किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता।

IFFI-56 में चमका बिहार : नई फिल्म नीति ने खोले सिनेमा के दरवाजे

नवबिहार टाइम्स संवाददात

पूर्णिया। गोवा में चल रहे 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) में शनिवार का दिन बिहार के नाम रहा। नॉलेज सीरीज के तहत 'रूटेड इन रिजनः बिहार्स इमर्जिंग सिनेमा' विषय पर हुई चर्चा ने साफ कर दिया कि बिहार अब फिल्म निर्माण की नई धरती बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मंच पर बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम के प्रबंध निदेशक और कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार (IAS), अभिनेत्री व प्रोड्यूसर नीतू चंद्रा, इम्पा अध्यक्ष अभय सिन्हा, अभिनेता विनीत कुमार और अभिनेता-निमार्ता विकास कुमार मौजूद थे। संचालन फिल्म इन्फॉर्मेशन के संपादक कोमल नाहटा ने किया।

बिहार फिल्म निगम के एमडी प्रणव कुमार ने साफ कहा कि राज्य की पुरानी छवि अब अतीत की बात हो चुकी है। नए बिहार में सुरक्षा, सुविधाएँ और फिल्म निर्माण के लिए अनुकूल माहौल सब कुछ बेहतर और व्यवस्थित रूप में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि फिल्म प्रोत्साहन नीति तैयार करने से पहले देश-विदेश की नीतियों का गहराई से अध्ययन किया गया और उसी आधार पर बिहार में अनुदान, वन-विंडो क्लियरेंस, हर जिले में नोडल अफसर और शूटिंग स्थलों का समग्र डेटाबेस तैयार किया गया। जल्द ही लोकेशन को वीआर मोड में देखने की सुविधा भी मिलेगी, जिससे बिना रेकी किए प्रोड्यूसर शूटिंग स्पॉट का आकलन कर सकेंगे। प्रणव कुमार ने आगे बताया कि नई नीति में फिल्मों के साथ वेबसीरीज, टीवी सीरियल और डॉक्यूमेंट्री को भी अनुदान दिया जाएगा। फिल्म निर्माण से जुड़े तमाम संसाधनों—वैनिटी वैन से लेकर तकनीकी उपकरण तक—को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने की योजना है। राजगीर में फिल्म सिटी बनाने की तैयारी जारी है और सिंगल स्क्रीन हॉल के लिए बैंक फाइनांस की व्यवस्था पर भी काम हो रहा है। इम्पा के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने मंच से खुलकर कहा कि 150 से अधिक फिल्मों का निर्माण करने के बावजूद उन्हें जितनी खुशी बिहार की नई फिल्म नीति से मिली है, उतनी पहले कभी नहीं मिली। उन्होंने घोषणा की कि अगले महीने बिहार में तीन फिल्मों की शूटिंग एक साथ शुरू करेंगे और इम्पा से जुड़े 40 हजार प्रोड्यूसर को भी बिहार में शूटिंग करने की अपील दी है। उन्होंने सेंसर बोर्ड का क्षेत्रीय कार्यालय बिहार में खोलने और इम्पा का रीजनल ऑफिस शुरू करने की बात भी कही। भोजपुरी और स्थानीय भाषाओं की फिल्मों को सिंगल स्क्रीन में अनिवार्य तौर पर जगह देने की जरूरत पर भी उन्होंने जोर दिया। विकास कुमार—जिन्हें लोग 'सीआईडी' के अभिजीत के रूप में जानते हैं—ने कहा कि वह एक अभिनेता ही नहीं बल्कि निमार्ता और डायलॉग कोच भी हैं। बिहार में शूटिंग करने वालों को बिहारी बोली और स्थानीय परिवेश समझाने में वह व्यक्तिगत रूप से मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में हर संसाधन उपलब्ध है और अगले साल से उनकी नई फिल्म की शूटिंग शुरू होने की संभावना है। अभिनेता विनीत कुमार ने कहा कि बिहार में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देने के लिए वह हमेशा उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि यदि कुछ गाँवों को फिल्म फ्रेंडली बनाया जाए तो फिल्मों में यथार्थ का स्तर और ऊँचा होगा और स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने कहा कि बिहार की पहचान उसकी मातृभाषाओं—मैथिली, भोजपुरी, बज्जिका और मगही—से ही संभव है और इन्हीं भाषाओं में फिल्म निर्माण से बिहार की मौलिकता दुनिया के सामने जाएगी। इसी बीच, 'लापता लेडिज' के लेखक बिप्लव गोस्वामी ने बिहार पवेलियन पहुँचकर फिल्म निगम की टीम से मुलाकात की। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'ये झरना कौन है' की शूटिंग के लिए बिहार को एक बेहतर विकल्प बताया और कहा कि वह जल्द ही बिहार आकर संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

न्यायपालिका को मिला नया नेतृत्व : जस्टिस सूर्यकांत के सीजेआइ बनने पर अधिवक्ता अरुणाभ भास्कर उर्फ गौतम वर्मा बोले—'न्याय की गति अब नहीं रुकेगी'

नवबिहार टाइम्स संवाददात

पूर्णिया। देश की न्यायिक व्यवस्था को मजबूती देने वाले एक नए अध्याय की शुरूआत हो चुकी है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस सूर्यकांत के नियुक्त होते ही अदालतों से लेकर अधिवक्ता समुदाय तक में एक अलग उत्साह का माहौल बन गया है। इस ऐतिहासिक मौके को लेकर पूर्णिया के वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणाभ भास्कर उर्फ. गौतम वर्मा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह नियुक्ति न्यायिक प्रणाली के लिए अत्यंत शुभ संकेत है।

अधिवक्ता वर्मा ने कहा कि जस्टिस सूर्यकांत अपने निर्णयों में स्पष्टता, अपने कार्यों में पारदर्शिता और न्याय के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि 'भारतीय न्यायपालिका को ऐसे ही नेतृत्व की जरूरत थी, जो समय की अहमियत को समझे और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए तेज और प्रभावी ढंग से फैसले ले सके। जस्टिस सूर्यकांत की सोच हमेशा से आम लोगों की न्याय तक आसान पहुंच को लेकर रही है, और यह उनकी प्राथमिकता भी रही है।' उन्होंने कहा कि जस्टिस सूर्यकांत का व्यक्तित्व सख्त अनुशासन और गहरी संवेदनशीलता का संतुलित मेल है। कोर्टरूम में उनके समय-प्रबंधन, वकीलों के प्रति सम्मानजनक रवैये और सुनवाई की गंभीरता ने उन्हें देश भर में एक अलग पहचान दिलाई है। वर्मा ने कहा कि 'उनकी सबसे खास बात यह है कि वे वकीलों की दिक्कतों को समझते हैं और अदालत की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने में उनके सुझावों को भी महत्व देते हैं। यही वजह है कि अधिवक्ता समाज में उनकी नियुक्ति को लेकर एक स्वाभाविक खुशी है।' अधिवक्ता वर्मा ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में लंबित मामलों की बढ़ती संख्या न्यायपालिका के लिए चुनौती बन चुकी है, और ऐसे समय में एक सक्रिय, अनुभवी और दूरदर्शी नेतृत्व ही गति ला सकता है। उनके अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत की नियुक्ति से न केवल फैसलों में तेजी आएगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया में वह जवाबदेही भी बढ़ेगी, जिसकी अपेक्षा आम जनता लंबे समय से कर रही थी। उन्होंने कहा कि देश आज ऐसे मुख्य न्यायाधीश की ओर उम्मीद से देख रहा है, जो न केवल न्याय देता है, बल्कि न्याय के इंतजार को भी कम करने की क्षमता रखता है। जस्टिस सूर्यकांत का नया कार्यकाल लोगों के बीच न्यायपालिका के प्रति भरोसे को और मजबूत करेगा—यह बात अधिवक्ता वर्मा ने बड़े विश्वास के साथ कही। जस्टिस सूर्यकांत के कार्यभार ग्रहण करते ही अदालतों में सुधार, समयबद्ध सुनवाई और न्याय प्रक्रिया के मानवीय पहलुओं पर सकारात्मक बदलाव की उम्मीदें और प्रबल हो गई हैं।

'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम में उत्साह के साथ भारी संख्या में शिविर तक पहुँच रहे है आमजन आपकी-योजना आपकी-सरकार आपके-द्वार कार्यक्रम के तहत ऑन द स्पॉट विभिन्न मामलों का किया गया निष्पादननएल आज से जिले भर में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत पंचायत स्तरीय शिविरों में सेवा का अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। जहां आमजनों की शिकायतों और समस्याओं का सरल एवं सुगम रूप से समाधान सुनिश्चित कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से आमजन अपनी अपनी समस्या को सीधा रख सकते हैं, जिसका समाधान त्वरित गति से किया जाता है।

इस शिविर में आम जनों से "झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011" में सूचीबद्ध सेवाओं जैसे जाति प्रमाण पत्र स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र जन्म प्रमाण पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र नया राशन कार्ड दाखिल खारिज वादों का निष्पादन भूमि की मापी मैसूरमेंट ऑफ लैंड भूमि धारण प्रमाण पत्र विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की स्वीकृति से संबंधित आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। सभी प्रखंड के लिए वरीय पदाधिकारियों को नामित किया गया है।

वनों का संवर्धन लोक संस्कृति के लिए जरुरी : रवि रंजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सुंदरपहाड़ी फूटबाल मैदान में अभिव्यक्ति फाउंडेशन द्वारा राइज अप लीडरशिप अंतर्गत आयोजित वन्य खाद्य मेला के उदघाटन में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह जलवायु परिवर्तन के राज्य नोडल पदाधिकारी रवि रंजन ने कहा कि आदिवासी समाज कि संस्कृति और जीवनशैली का सीधा संबंध जंगल से जुड़ा हुआ है।

वन पर्यावरण के साथ स्थानीय लोगो के भोजन और स्वास्थ्य के लिए अपरिहार्य अंग है और इनका संरक्षण संवर्धन समुदाय सभी हितभागियों की पहली प्राथमिकता है। मेला में समुदाय की सक्रिय भागीदारी और खाद्य विविधता प्रदर्शनी को देखते हुए उन्होंने ऐलान किया कि वन विभाग इस मेला और सांस्कृति आयोजन को प्रतिवर्ष निरंतर रखने वन संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक सहयोग हेतु तत्पर है प्रमंडलीय वन आयुक्त वाघ पवन शालिग्राम ने मौके पर पहाड़िया समुदाय द्वारा प्रदर्शित खाद्य श्रृंखला कि सराहना करते हुवे कहा अपनी जैव विविधता के कारण आदिवासी समाज में जितनी भोजन विविधता और पौष्टिकता है वह शहर और बाजार में भी उपलब्ध नहीं है इसलिए इस विविधता को सहेज कर रखना और उसके मूल्य संवर्धन पर काम करना हरेक व्यक्ति और समाज का दायित्व है सुंदरपहाड़ी प्रखंड प्रमुख प्रमिला टुडू ने आयोजन में खाद्य विविधता और महिलाओ की भागीदारी की प्रशंसा करते हुवे कहा कि अभिव्यक्ति फाउंडेशन ने इस क्षेत्र में वन्य खाद्य मेला का आयोजन कर एक नयी परम्परा की नीव रखी है। इससे 400 से अधिक महिलाओ ने इस मेला में भाग लेकर आपस में विभिन्न जंगली खाद्य पदार्थ सामग्री को देखा पहचाना और उसके व्यंजन बनाने के तरीको को सीखा आयोजक संस्था अभिव्यक्ति फाउंडेशन के सचिव कृष्ण कांत ने राइज अप कार्यक्रम अंतर्गत किये जा रहे अध्ययन के बारे में बताते हुए कहा की आज से चार दशक पूर्व जंगल और प्राकृतिक स्रोतों से समुदाय अपने दैनिक आवश्यकता की पचहत्तर प्रतिशत से अधिक सामग्री प्राप्त करता था परन्तु जंगल और नदियों के नष्ट होने से आज यह मात्र पच्चीस प्रतिशत पर आ गयी है। उन्होंने पहाड़िया समुदाय के साथ किये अध्ययन में 42 प्रकार की साग सब्जियां, 34 प्रकार के फल, 14 कंद मूल, 5 प्रकार के शहद और 10 प्रकार के मशरुम सहित विभिन्न जैव विविधता का जिक्र किया और इस बात पर जोर दिया कि समुदाय और वन विभाग को इस जैव विविधता संरक्षण के लिए मिल कर काम करना होगा और वन क्षेत्र विकास का ध्यान जलावन कि लकड़ी से आगे उठकर खाद्य वन क्षेत्र विकसित करने कि ओर बढ़ना होगा। मेला में वन विशेषज्ञ हेमंत कुमार, सुंदरपहाड़ी के रेंज अफसर सैमुअल पहाड़िया, गोड्डा के रेंज अफसर, सुजाता कुमारी ग्रामीण विकास केंद्र के रोशन मिश्रा सहित पहाड़िया समुदाय की ओर से बैजनाथ पहाड़िया, मुखिया बड़ा सिंदरी राम पहाड़िया, डोली पहाड़िन, प्रियंका मालतो ने भी सम्बोधित किया इस अवसर पर सामजिक संस्थाओ अभिव्यक्ति फाउंडेशन, प्रदान, बदलाव फाउंडेशन की ओर से खाद्य विविधता प्रदर्शनी हेतु स्टाल लगाए गए और इसके अलावा पहाड़िया समाज के रीती रिवाज, संगीत वाद्य यंत्र आदि की प्रदर्शनी भी लगाई गयी थी। कार्यक्रम का संचालन रूपम रॉय द्वारा किया गया और धन्यवाद ज्ञापन सुजाता कुमारी ने दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुजाता कुमारी, पार्था सरकार, रोबर्ट पहाड़िया, अजित पहाड़िया, प्रियंका, रेबेका, जेम्स आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज गिरिडीह फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ की एक बैठक हुई बैठक की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता व कांग्रेस नेता पंकज कुमार सागर ने की गिरिडीह फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ की बैठक का मुख्य उद्देश्य 3 साल 5 महीना होने पर एक कार्यशाला करने का निर्णय लिया गया और भी कई बातों पर विचार विमर्श किया गया।

इधर संघ के अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा टार्जन ने बताया कि लगभग साल भर से एक बैठक भी नहीं हो रही थी इसी को देखते हुए आज कार्यकारिणी समिति की एक बैठक गिरिडीह शहर के अंटा बंगला मैदान में की गई सरकार द्वारा बनाए गए 2014 एक्ट कानून के प्रति अब तक फुटपाथी दुकानदारों कोई सुविधा नहीं मिल पा रही है जबकि 2014 एक्ट कानून के मुताबिक टाउन वेंडिंग कमेटी का गठन करना यह नगर निगम का काम है जबकि निगम की रवैया को देखते हुए यह महसूस हो रही है हम लोगों का यह कानून को ताकख पर रखकर अनदेखी किया जा रहा है पिछले 7 सालों से अब तक ना तो टाउन वेंडिंग कमेटी का चुनाव कराया गया ना सरकार द्वारा बनाए गए प्रावधानों के मुताबिक बैठक भत्ता भी नहीं मुहैया कराया गया, और प्रशिक्षण की राशि, प्रशिक्षण लिए वेंडर्स को अब तक नहीं दिया गया, इधर संघ के सचिव मोहम्मद अफगान उर्फ बबलू ने कहा कि आज संगठन की कमजोरी के वजह से हम लोगों को यह सुविधा नहीं मिल पा रही है संगठन को मजबूत करने हेतु आगामी दिसंबर माह में एक बैठक रखी गई है बैठक में सभी को आना अनिवार्य घोषित किया गया है, कोषाध्यक्ष मोहम्मद इकबाल ने कहा शहर के दो स्थानों पर जो वेंडिंग जोन बनाए वह अती संवेदनशील इलाका पड़ता है वहां दुकानदारी करना हम सबों की बस की बात नहीं है वह काफी सन्नाटा इलाका पड़ता है जो मां बहन शाम में खरीदारी नहीं कर सकते हैं हम लोग भी चाहते हैं की शहर की सुंदरता बढ़े और बनी रहे जिस शहर वासियों को खरीदारी करने में आनंद आए शहर वासियों को भी लगे कि मैं गिरिडीह के शहर वासी हूं और गर्व महसूस हो हम लोगों को अच्छी वेंडिंग जॉन शहर के बीचो-बीच मिले, सामाजिक कार्यकर्ता व कांग्रेस नेता पंकज कुमार सागर ने कहा कि हम लोग नगर आयुक्त और उपायुक्त से मिलकर अपनी बातों को रखेंगे जल्द टाउन वेंडिंग कमेटी का चुनाव हो, और उनका अधिकार मिले, इन सब बातों को लेकर आज एक बैठक की गई बैठक में मुख्य रूप से संघ के सदस्य एतराम उर्फ सितारा रंजीत खट्टीक, मोहम्मद अफसर, मोहम्मद अफगान, सुनील साहू, मोहम्मद नसीम दीपक साव इत्यादि मौजूद थे।

मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह द्वारा कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन सीएमइ कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह द्वारा कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन सीएमइ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गिरिडीह तथा आसपास के क्षेत्रों के लगभग 50 चिकित्सकों ने उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों के बीच नवीनतम चिकित्सीय ज्ञान का आदान-प्रदान, रोग प्रबंधन की उन्नत पद्धतियों पर चर्चा तथा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना था।

इस सीएमइ का विषय "गेर्ड एवं क्वालिटी ऑफ केयर" रखा गया, जिस पर विशेषज्ञों ने विस्तृत प्रस्तुति दी और बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान गिरिडीह के कई वरिष्ठ और प्रतिष्ठित डॉक्टरों ने सहभागिता की, जिनमें नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. गौतम शाह, यूएसजी विशेषज्ञ डॉ. निकेश, त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. फराह, डेंटल एवं ऑर्थोडॉन्टिक्स विशेषज्ञ डॉ. विशाल और डॉ. सौरभ प्रमुख रहे। साथ ही इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आईएमए गिरिडीह के अध्यक्ष डॉ. रियाज और सचिव डॉ. रितेश ने भी कार्यक्रम में शामिल होकर चिकित्सकीय ज्ञान-साझा के महत्व पर प्रकाश डाला। मर्सी हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. पी. एच. मिश्रा ने अस्पताल की ओर से सभी उपस्थित चिकित्सकों का स्वागत किया और निरंतर शैक्षणिक गतिविधियों के प्रति अस्पताल की प्रतिबद्धता को दोहराया।सीएमइ कार्यक्रम के दौरान मर्सी हॉस्पिटल द्वारा उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को भी रेखांकित किया गया। अस्पताल की 24.7 आपातकालीन सेवाएँ, अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर यूनिट, उन्नत डायग्नोस्टिक लैब, आधुनिक इमेजिंग तकनीक, और अनुभवी चिकित्सकीय टीम को जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को ऊपर उठाने वाली प्रमुख ताकतों के रूप में प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में बताया गया कि मर्सी हॉस्पिटल निरंतर गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं मरीज केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में कार्यरत है इस शैक्षणिक आयोजन में सन फार्मा ने अकादमिक पार्टनर की भूमिका निभाई और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। चर्चा सत्रों में चिकित्सकों ने गेर्ड से संबंधित नई तकनीकों, आधुनिक उपचार-प्रोटोकॉल, और मरीजों की देखभाल की गुणवत्ता सुधारने के तरीकों पर महत्वपूर्ण बिंदुओं को उठाया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. पी. एच. मिश्रा ने कहा कि ऐसे सीएमइ कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे जिले के चिकित्सकों को नवीनतम चिकित्सा प्रथाओं की जानकारी मिलती रहे और गिरिडीह के मरीजों को उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो सके।

सरकारी अस्पताल की समय पर जांच व मुफ्त उपचार से कालाजार से जंग जीतकर मुक्त हुआ आठ वर्षीय अमन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

■ निजी डॉक्टर से राहत नहीं मिलने पर परिजनों ने कराया सरकारी जांच, पूर्णिया अस्पताल में आठ दिन के उपचार बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ

पूर्णिया। के. नगर प्रखंड के सतगुदारिया पंचायत स्थित कठौतिया गाँव के राजेश ऋषि अपने 8 वर्षीय बेटे अमन के लगातार कई दिनों से जाड़-बुखार से परेशान थे। निजी डॉक्टरों से बार-बार इलाज कराने पर भी जब बच्चे की स्थिति नहीं सुधरी तो स्थानीय डॉक्टर ने बेहतर जांच और उपचार के लिए उसे के. नगर सरकारी अस्पताल ले जाने की सलाह दी। राजेश ऋषि बताते हैं कि बच्चे का बार-बार इलाज कराने के बावजूद जब बुखार ठीक नहीं हुआ तो वे अमन को हरदा बाजार ले गए जहाँ विशेष डॉक्टर द्वारा जांच करने पर पता चला कि बच्चे को कालाजार है। इसके बाद डॉक्टर ने तत्काल सरकारी अस्पताल में दिखाने की सलाह दी।

परिजन अमन को के. नगर अस्पताल लेकर पहुँचे जहाँ जांच में कालाजार की पुष्टि हुई और चिकित्सकों ने बच्चे की स्थिति को देखते हुए एम्बुलेंस से उसे पूर्णिया जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पूर्णिया अस्पताल में भर्ती कर आठ दिन तक लगातार जांच और आवश्यक इलाज किया गया और पूरी चिकित्सकीय प्रक्रिया के बाद अमन पूरी तरह ठीक हो गया। राजेश ऋषि कहते हैं कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों की सही जांच, समय पर उपचार और उपलब्ध सुविधाओं ने उनके बच्चे की जान बचाई। इलाज के दौरान मिली देखभाल के कारण अब उन्हें सरकारी अस्पतालों पर पहले से अधिक भरोसा हो गया है। इलाज के बाद स्वास्थ्य विभाग की ओर से लाभार्थी के खाते में सहायता राशि भी भेजी गई, जिसकी जानकारी अस्पताल प्रशासन ने इलाज के दौरान ही परिवार को दे दी थी। राजेश ऋषि बताते हैं कि अस्पताल में इलाज के साथ दवा और इंजेक्शन भी दिए गए थे और घर लौटने के कुछ दिन बाद उनके खाते में निर्धारित राशि भेज दी गई, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. आर.पी. मंडल ने कहा कि लंबे समय तक बुखार रहना, वजन का कम होना, पेट में सूजन, खून की कमी, कमजोरी और भूख न लगना कालाजार के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर मरीज को तुरंत नजदीकी अस्पताल में जांच करानी चाहिए ताकि बीमारी गंभीर रूप लेने से पहले ही उपचार शुरू हो सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 के बाद से पूर्णिया जिले में कालाजार के मामलों में काफी कमी आई है और लोगों की बढ़ती जागरूकता के कारण जिला बहुत जल्द कालाजार मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। डॉ. मंडल ने कहा कि कालाजार मुक्त जिला घोषित होने पर केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्णिया को डोजियर प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा लगातार क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सुरक्षित रखने का प्रयास जारी रहेगा।

एक पैसा लगाए बिना शुरू किया काम, आज 52 लाख सालाना का टर्नओवर...

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर के इम्फाल पूर्व जिले के मोइरंगकाम्पु सजेब गांव की रहने वाली राजकुमारी बिनीता देवी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। उन्होंने जीरो इन्वेस्टमेंट से करोड़ों का व्यवसाय खड़ा किया है। 2011 में शुरू हुआ उनका यह असाधारण सफर पड़ोस के युवकों की ओर से छोड़े गए ऑयस्टर मशरूम बैग, स्पॉन और पुआल से शुरू हुआ। शुरुआती ज्ञान की कमी के बावजूद उन्हें 50 बैग से लगभग 70 किलो मशरूम की पहली फसल मिली। इससे उन्हें 5,600 रुपये की कमाई हुई। हालांकि, 2014 में फंगस लगने के कारण उन्हें बड़ा झटका लगा। व्यवसाय दो साल के लिए बंद करना पड़ा। लेकिन, हार न मानते हुए उन्होंने आइसीएआर की ट्रेनिंग ली। प्रेशर कुकर और मोमबत्तियों जैसी घरेलू चीजों का इस्तेमाल करके नए तरीके से कारोबार फिर से शुरू किया। आज वह 52 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर कर रही हैं। इसमें मशरूम के साथ अचार, नूडल्स और पापड़ जैसे वैल्यू एडेड उत्पाद शामिल हैं। आइए, यहां राजकुमारी बिनीता देवी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। राजकुमारी बिनीता देवी का उद्यमी सफर 2011 में तब शुरू हुआ जब उनके पड़ोसी गांव के कुछ युवा मशरूम किसानों ने अपना किराए का मकान खाली कर दिया। जल्दबाजी में वे अपना सारा रॉ मैटेरियल उनके घर छोड़ गए। इनमें ऑयस्टर मशरूम बैग, स्पॉन और पुआल शामिल थे। इन्हें छोड़ने से पहले वे युवा बिनीता को मशरूम खेती की प्रक्रिया के बारे में थोड़ी जानकारी दे गए थे। इसके बाद उन्होंने शून्य निवेश पर उन 50 बैग को तैयार किया। सीमित ज्ञान के बावजूद उन्हें लगभग 70 किलो मशरूम की पहली फसल मिली। इसे उन्होंने स्थानीय बाजार में 80 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचकर 5,600 रुपये कमाए। इस शुरुआती सफलता से प्रोत्साहित होकर बिनीता ने 2014 तक उत्पादन बढ़ाकर 500 बैग कर दिया। हालांकि, उचित प्रशिक्षण की कमी के कारण उसी साल उनके सभी 500 बैग में फंगस लग गया। इससे उनका दिल टूट गया और उन्होंने दो साल के लिए खेती रोक दी।

996 वर्क कल्चर क्या है नारायण मूर्ति इसकी कर रहे वकालत

नई दिल्ली, एजेंसी। इन्फोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति ने हाल ही में युवाओं से कहा कि अगर भारत को तेजी से विकास करना है, तो युवाओं को हफ्ते में 72 घंटे काम करने की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने चीन के मशहूर 996 वर्क कल्चर का उदाहरण देते हुए कहा, सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक, हफ्ते में 6 दिन यानी 72 घंटे। उनका तर्क था कि चीन जैसे देशों ने ऐसी मेहनती संस्कृति से तेज विकास हासिल किया। मूर्ति ने बताया कि उनकी कंपनी कैटामरन के कुछ अधिकारी चीन गए थे ताकि वे वहां की असली कामकाजी संस्कृति को समझ सकें। वहां एक कहावत है, 9, 9, 6 यानी सुबह 9 से रात 9 तक, हफ्ते में 6 दिन। 996 वर्क कल्चर का मतलब है कि सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक, हफ्ते में 6 दिन काम करना। यानी कुल 72 घंटे काम करना, जो सामान्य कामकाजी घंटों से कहीं ज्यादा है। यह प्रथा खासकर चीन की टेक कंपनियों में ज्यादा प्रचलित थी। 2010 के दशक में चीन की टेक इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ रही थी। मार्केट में आगे बढ़ने की होड़, कंपनियों की स्पीड और ज्यादा मेहनत की मांग ने 996 को आम बना दिया।

अमेरिकी टैरिफ दबाव के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

जीडीपी दर 6.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अनुमान जताया है। रेटिंग्स एजेंसी के अनुसार चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं अगले वित्त वर्ष में यह 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इसमें कहा गया है कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव के बावजूद, मजबूत खपत के कारण घरेलू विकास बेहतर स्थिति में है। एसएंडपी का दावा है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि ने चालू वित्त वर्ष की पहली तमाही (अप्रैल-जून) में पांच तिमाहियों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 7.8 प्रतिशत की रफ्तार पकड़ी है। इधर, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी आंकड़े 28 नवंबर को जारी किए जाएंगे, जिनसे अर्थव्यवस्था की मासिक स्थिति और स्पष्ट होगी।

चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान: आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले वित्त वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर से बेहतर है।

एसएंडपी ने आगे कहा कि यदि भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर लेता है तो इससे अनिश्चितता कम होगी और विश्वास बढ़ेगा, जिससे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, जून में आरबीआई ने प्रमुख नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती कर इसे 3 साल के निचले स्तर 5.5 प्रतिशत पर ला दिया था। वहीं 22 सितंबर से लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं, जिससे आम उपभोग की वस्तुएं सस्ती हो गईं।

अमेरिकी टैरिफ का असर विनिर्माण क्षेत्र पर पड़ने की संभावना

वैश्विक रेटिंग एजेंसी स×क्ने कहा है कि भारत पर बढ़ाए गए प्रभावी अमेरिकी टैरिफ का असर देश के निर्यात-उन्मुख विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार पर पड़ रहा है। ऊंचे शुल्क के कारण भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता घट रही है और कंपनियों के विस्तार की गति पर दबाव बना हुआ है। हालांकि, एजेंसी ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगने वाले कुछ शुल्कों में कमी ला सकता है, जिससे व्यापारिक रिश्तों में राहत मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका की नई व्यापार नीति सरकारों और कंपनियों को छूट हासिल करने के लिए समय और पैसा खर्च करने पर मजबूर कर रही है। इससे उनकी ऊर्जा उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से हटकर इन बातचीतों में लग रही है। इन कारकों से जीडीपी दर बढ़ने के उम्मीद एसएंडपी ने आगे कहा कि कम जीएसटी दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती और ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से इस वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में आईटी छूट को 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है। इससे मध्यम वर्ग को 1 लाख करोड़ रुपये की कर राहत मिली है।

एफडी के लिए बैंक के अलावा और भी हैं विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप घटती ब्याज दरों के बीच अपनी बचत पर मिलने वाले रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं? क्या आप ऐसा विकल्प तलाश रहे हैं, जिसमें जोखिम कम और कमाई ज्यादा हो? अगर हां, तो कॉरपोरेट एफडी आपके लिए ही है। ये पारंपरिक बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। सरकारी, प्राइवेट कंपनियां और एनबीएफसी पहले से तय ब्याज दर और निश्चित अवधि के साथ निवेशक को कॉरपोरेट एफडी जारी करती हैं। निवेश अवधि समाप्त होने के बाद, कंपनी निवेशक को मूलधन ब्याज सहित लौटा देती है। यह बिल्कुल बैंक एफडी जैसा ही है, बस आप अपना पैसा किसी बैंक में जमा करने के बजाय किसी कंपनी में जमा करते हैं। नहीं, सभी कॉरपोरेट एफडी सुरक्षित नहीं होतीं। अगर कंपनी डिफॉल्ट करती है या दिवालिया हो जाती है, तब आपको पैसे के लिए इंतजार करना पड़ सकता है या आपका निवेश आंशिक या पूरी तरह डूब भी सकता है। बैंक एफडी की तुलना में कॉरपोरेट एफडी ज्यादा जोखिम भरी है, लेकिन आप अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों पर भरोसा कर सकते हैं। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल, इक्रा और केयर कंपनियों की कर्ज चुकाने की क्षमता का आकलन करती हैं, और उन्हें रेटिंग देती हैं।

6 प्रतिशत चढ़ा कर्नाटक बैंक का शेयर, 200 के पार पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। आज एक बार फिर से कर्नाटक बैंक लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 6 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के प्राइवेट बैंक के शेयरों का भाव 200 रुपये के पार पहुंच गया है। इससे पहले शुक्रवार को कर्नाटक बैंक के शेयरों का भाव 8 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। बीएसई में कर्नाटक बैंक के शेयरों का भाव 191.65 रुपये के लेवल पर खुला था। 6 प्रतिशत की तेजी के साथ यह स्टॉक 201.80 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद शेयरों में नरमी देखने को मिली। जिसकी वजह से कर्नाटक बैंक लिमिटेड के शेयरों का भाव फिर से 200 के नीचे आ गया है। क्यूपिड लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर आदित्य कुमार हलवासिया ने इस बैंक में बड़ा निवेश किया है। एनएसई के डाटा के अनुसार हलवासिया ने शुक्रवार को 38 लाख शेयर खरीदा था। बता दें, सितंबर तिमाही में आदित्य कुमार हलवासिया का नाम कंपनी की शेयरहोल्डिंग में नहीं था। कर्नाटक बैंक में प्रमोटर्स की कोई हिस्सेदारी नहीं है। बंधन म्यूचुअल फंड्स के पास कर्नाटक बैंक का 2.56 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, क्वांट स्मॉल कैप फंड के पास 3.9 प्रतिशत हिस्सा है। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस के पास 3.59 प्रतिशत और एलआईसी के पास 1.62 प्रतिशत हिस्सा है। बता दें, 4 लाख निवेशक ऐसे हैं जिनके पास 2 लाख रुपये से अधिक की हिस्सेदारी कंपनी में है। ऐसे निवेशकों के पास 36.19 प्रतिशत हिस्सा है। सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट 3 एक्सपर्ट्स ने कर्नाटक बैंक को रेटिंग दी है। बता दें, पिछले तीन महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 14 प्रतिशत की तेजी आई है।

पहले दिन ही भर गया आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। सुदीप फार्मा आईपीओ पहले दिन ही पूरा भर गया था। कंपनी के आईपीओ पर दांव लगाने का अभी दो मौके हैं। यह आईपीओ आज और कल अभी खुला रहेगा। निवेशकों के नजरिए से अच्छी बात यह है कि ग्रे मार्केट में सुदीप फार्मा आईपीओ की स्थिति और बेहतर हुआ है। जीएमपी 120 रुपये के पार पहुंच गया है। सुदीप फार्मा आईपीओ का जीएमपी आज 121 रुपये प्रति शेयर है। जोकि लिस्टिंग के वक्त 20.40 प्रतिशत का फायदा दिखा रहा है। इंवेस्टर्स को हर एक लॉट पर 3025 रुपये का फायदा दिखा रहा है। बीते दो दिनों में कंपनी के जीएमपी में तेजी देखने को मिली है।

क्या है प्राइस बैंड

सुदीप फार्मा आईपीओ का प्राइस बैंड 563 रुपये से 593 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 25 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14825 रुपये का इंवेस्टमेंट करना पड़ रहा है। बता दें, एंकर निवेशकों के लिए सुदीप फार्मा आईपीओ 20 नवंबर को ही खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 268.50 करोड़ रुपये जुटाए थे।

स्टील किंग लक्ष्मी मित्तल ने छोड़ा ब्रिटेन

लंदन, एजेंसी।
भारतवंशी स्टील उद्योगपति लक्ष्मी निवास मित्तल ने ब्रिटेन छोड़ने का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि ब्रिटेन की सरकार बेहद अमीर लोगों (सुपर रिच) पर नए कर लगाने की तैयारी कर रही है, इसलिए मित्तल ने यह कदम उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में जन्मे मित्तल भविष्य में अपना अधिकांश समय दुबई में बिताएंगे।

आर्सेलर मित्तल समूह के संस्थापक मित्तल की संपत्ति 2025 की संडे टाइम्स रिच लिस्ट के मुताबिक करीब 15.4 अरब पाउंड है और वे ब्रिटेन के आठवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया कि 75 वर्षीय मित्तल उन कई अरबपतियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने आगामी बजट से पहले ब्रिटेन से बाहर जाना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मित्तल का पहले से दुबई में एक विशाल आवास है। उन्होंने यूएई के नाइया द्वीप पर भी एक बड़ा भू-खंड खरीदा है। यह पलायन ऐसे समय में हुआ है, जब ब्रिटेन सरकार अमीरों पर टैक्स बढ़ाकर 20 अरब पाउंड की वित्तीय कमी को पूरा करने की कोशिश में है। पिछले वर्ष भी बजट में कैपिटल गेन कर बढ़ाया गया था। सरकार ने पिछले वर्ष भी बजट में कैपिटल गेन कर बढ़ाया गया था। उद्यमियों को मिलने वाली राहत कम की गई थी और पारिवारिक कंपनियों को अगली पीढ़ी को हस्तांतरित करने पर नए कर लगाए गए थे। माना जा रहा है कि इस बार भी अतिरिक्त करों की तैयारी है, जिसमें ब्रिटेन छोड़ने वालों पर 20 प्रतिशत एग्जिट टैक्स की चर्चा ने करोड़पतियों को असहज कर दिया है। मित्तल के एक सलाहकार के अनुसार, समस्या आयकर या कैपिटल गेन कर नहीं था। मुद्दा इनहेरिटेंस टैक्स (उत्तराधिकार कर) था। कई अमीर विदेशी यह नहीं समझ पाते कि दुनिया भर में उनकी सभी संपत्तियों पर ब्रिटेन क्यों कर लगाए। ब्रिटेन में उत्तराधिकार कर 40 प्रतिशत तक है, जबकि दुबई और स्विट्जरलैंड में ऐसा कोई कर नहीं लगता।

मित्तल से पहले भी कई उद्यमी ब्रिटेन छोड़ चुके

मित्तल से पहले भी कई उद्यमी ब्रिटेन छोड़ चुके हैं, जिनमें भारतवंशी टेक उद्यमी हरमन नरूला भी शामिल हैं। नरूला ने कहा कि वे एग्जिट टैक्स हटाने के बावजूद दुबई जाएंगे क्योंकि सरकार ने इसे सोचा ही क्यों? क्या पता अगला बजट आते-आते इसे फिर लागू कर दें। रिवोल्यूट के सह-संस्थापक निक स्टोरोंस्की भी यूएई जा चुके हैं, जिससे वे संभावित 3 अरब पाउंड के कैपिटल गेन कर से बच सकेंगे। लगातार बदलते संकेतों और उलटफेर ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया है और ब्रिटेन की टैक्स नीति की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिकी पाबंदियों से भारत की रूसी तेल सप्लाई पर असर

दिसंबर-जनवरी में आयात में बड़ी गिरावट की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी।
रूस की प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफ्ट और लुकोइल पर 21 नवंबर से लागू हुई नई अमेरिकी पाबंदियों के बाद भारत की रूसी कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले दो महीनों में रूसी तेल आयात तेजी से घटेगा, हालांकि पूरा आयात रुकने की संभावना नहीं है। भारत इस वर्ष औसतन 17 लाख बैरल प्रतिदिन रूसी कच्चा तेल आयात कर रहा था। नवंबर में यह मात्रा बढ़कर 18-19 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है, क्योंकि रिफाइनरियां पाबंदियों से पहले छूट वाले कार्गो खरीद रही थीं। लेकिन दिसंबर-जनवरी में आयात घटकर लगभग 4 लाख बैरल प्रतिदिन आने की आशंका है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और यूरोप की मांग घटने से रूस ने भारत को भारी छूट पर तेल बेचना शुरू किया। नतीजतन, भारत का रूसी तेल आयात 1 प्रतिशत से बढ़कर कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हो गया और रूस नवंबर में भी भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बना रहा। नई पाबंदियों के बाद कई भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल खरीदना अस्थायी रूप से रोक दिया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स ने आयात बंद कर दिया है। केवल रोजनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी इससे प्रभावित नहीं है, क्योंकि उसकी वैदिनार रिफाइनरी पहले ही प्रतिबंधित इकाई के रूप में सूचीबद्ध है और वह मुख्य रूप से रूसी कच्चे तेल पर निर्भर है। विश्लेषक सुमित रितोलिया का कहना है कि नायरा को छोड़कर अन्य रिफाइनर ओएफएसी सूचीबद्ध कंपनियों से खरीदने का जोखिम नहीं उठाएंगे। नए अनुबंध, सप्लाई रूट, मालिकाना ढांचे और भुगतान चैनल तय करने में समय लगेगा।

अगले दो महीनों में रूसी तेल आयात तेजी से घटेगा

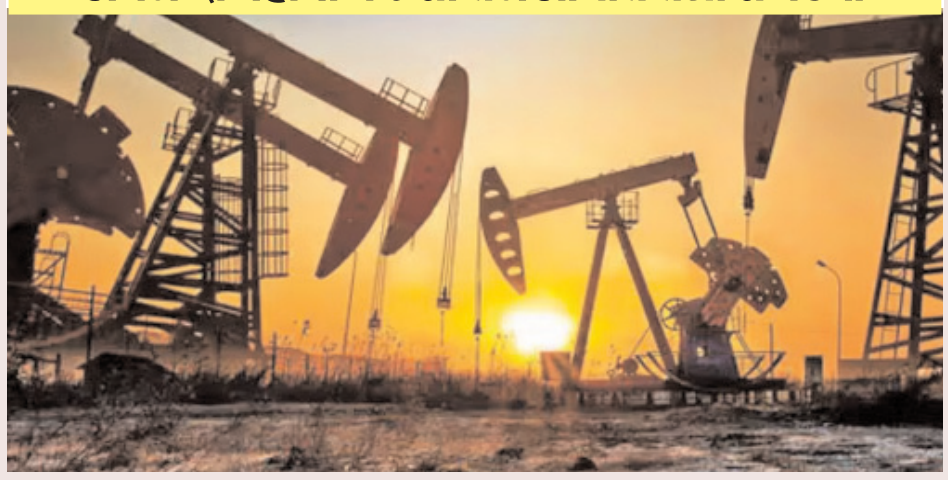

अमेरिकी टैरिफ के बीच भारत का रुख बदला

नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने से झींगा निर्यात 18 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत का सीफूड क्षेत्र धीरे-धीरे अमेरिका पर अपनी निर्भरता घटाकर वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ा रहा है। निर्यातक भारी अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए दूसरे बाजारों की तलाश कर रहे हैं। केयरएज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों के दौरान झींगा निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसे मुख्य रूप से वियतनाम, बेल्जियम, चीन और रूस सहित गैर-अमेरिकी बाजारों से मांग का समर्थन प्राप्त हुआ।

इसमें कहा गया है कि पहली तिमाही में झींगा का निर्यात मूल्य साल-दर-साल 18 प्रतिशत बढ़कर 2.43 अरब डॉलर हो गया। यह वृद्धि शिपमेंट मात्रा में 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ हुई, जो 3.48 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। इस वृद्धि में मुख्य योगदान गैर-अमेरिकी बाजारों का रहा, जिनका निर्यात मूल्य में 86 प्रतिशत योगदान रहा। वित्त वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों के दौरान गैर-अमेरिकी गंतव्यों को निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.06 अरब डॉलर की तुलना में साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढ़कर 1.38 अरब डॉलर हो गया। यह बदलाव भारतीय निर्यातकों द्वारा नए और पहले कम सुलभ वैश्विक बाजारों में रणनीतिक विस्तार को दर्शाता है।

परिणामस्वरूप, कुल झींगा निर्यात में गैर-अमेरिकी बाजारों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025 के 51 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 57 प्रतिशत हो गई। झींगा पर लगा 58 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ अप्रैल और अगस्त 2025 के बीच, अमेरिका को भारतीय झींगा शिपमेंट पर प्रभावी टैरिफ औसतन लगभग 18 प्रतिशत था, जबकि प्रमुख प्रतिस्पर्धी इक्वाडोर और इंडोनेशिया के लिए यह 13-14 प्रतिशत था। अगस्त के बाद, भारतीय झींगा पर प्रभावी शुल्क बढ़कर लगभग 58 प्रतिशत हो गया, जबकि प्रतिस्पर्धी देशों को 18-49 प्रतिशत के बीच शुल्क का सामना करना पड़ा।

चीन बना रहा सबसे बड़ा खरीदार

गैर-अमेरिकी गंतव्यों में, चीन सबसे बड़ा खरीदार बना रहा, जहां निर्यात में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जापान, जो पहले मुख्य रूप से री-प्रोसेसिंग हब के तौर पर काम करता था, स्थिर आयात स्तर बनाए हुए है। वहीं वियतनाम की री-एक्सपोर्ट क्षमता और मजबूत हुई, जहां भारतीय निर्यात दोगुना बढ़कर 0.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बेल्जियम को निर्यात भी दोगुना होकर 0.14 अरब डॉलर हो गया। यूरोपीय संघ की बेहतर मांग और भारतीय निर्यातकों द्वारा ट्रेसबिलिटी मानकों का सख्ती से पालन करने से इस वृद्धि को समर्थन मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी बाजार से लगातार दबाव और कमजोर नए ऑर्डरों के कारण वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही में निर्यात की गति धीमी हो सकती है। हालांकि नए बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयासों और यूरोपीय संघ और रूस को निर्यात करने वाली भारतीय इकाइयों के लिए मंजूरी में वृद्धि से उद्योग को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

जीवन बीमा मतलब शुद्ध सुरक्षा

टर्म इंश्योरेंस की मांग बढ़ी, जीएसटी छूट से प्लान हुए सस्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 महामारी ने लोगों को सिखाया है कि किसी अनहोनी में परिवार की सुरक्षा के लिए पर्याप्त बीमा कवरेज जरूरी है। नई कर व्यवस्था (जिसमें धारा 80सी जैसी छूट खत्म हो गई) ने टैक्स छूट के आधार पर जीवन बीमा खरीदने को गैर-जरूरी और कम लाभप्रद बना दिया। हाल ही में, जीएसटी से मिली पूरी छूट ने भी जीवन बीमा पॉलिसी की लागत कम कर दी है। टैक्स शून्य होने से, टर्म इंश्योरेंस अधिक किफायती बन गया है, जो बिना किसी मैच्योरिटी मूल्य के शुद्ध सुरक्षा या मृत्यु लाभ देता है। टर्म इंश्योरेंस की तेज मांग के कारण अक्तूबर 2025 में सभी बीमा कंपनियों का न्यू बिजनेस प्रीमियम सालाना आधार पर 12.1 फीसदी बढ़कर 34,007 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

उपायुक्त ने की केजीबीवी का निरीक्षण

☐ पठन पाठन समेत अन्य व्यवस्थओं का लिया जायजा ☐ अनुपस्थित पाए गए शिक्षकों के वेतन रोकने के दिए निर्देश ☐ छात्राओं सर्वांगीण विकास के प्रति जिला प्रशासन प्रतिबद्ध : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। उपायुक्त आर रॉनिटा द्वारा आज कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय (केजीबीवी) कालामाटी, खूँटी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था, छात्रावास प्रबंधन, भोजन मानक, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया। इस दौरान विद्यालय की वार्डन से उन्होंने विद्यालय संचालन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी ली।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने उपस्थिति पंजी की जांच की और पाया कि विद्यालय में कुछ शिक्षक बिना अनुमति अनुपस्थित थे। इस पर उन्होंने कड़ी संबंधित शिक्षकों के वेतन रोकने तथा अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि बालिकाओं की शिक्षा में लापरवाही और अनुशासनहीनता किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

विद्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कक्षाओं, रसोईघर, छात्रावास, शौचालयों एवं परिसर की साफ-सफाई का भी निरीक्षण किया। रसोईघर व छात्रावास में पाई गई कमियों पर उन्होंने तुरंत आवश्यक सुधार करने का आदेश दिया।

उन्होंने पठन-पाठन गतिविधियों को नियमित और प्रभावी बनाने, समय पर कक्षाओं के संचालन, शिक्षण-सामग्री के समुचित उपयोग और छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर विशेष जोर दिया।

उपायुक्त ने कक्षाओं में जाकर छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, रहने की सुविधा, भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी जानकारी भी ली। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने, उनके हितों की सुरक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने विद्यालय के वार्डेन एवं संबंधित शिक्षकों को निर्देश दिया कि विद्यालय में पठन-पाठन समेत आवासीय विद्यालय से जुड़ी अन्य व्यवस्था को दुरुस्त करें, साथ हीं उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी विद्यालय की नियमित मॉनिटरिंग करने, सुधारात्मक कदम समय पर उठाने तथा आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता निरंतर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रखण्डों एवं पंचायतों में शिविर आज भी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। उपायुक्त आर रॉनिटा के निदेर्शानुसार सेवा का अधिकार सप्ताह के अंतर्गत जिले में विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में शिविरों का आयोजन सतत रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में 25 नवम्बर को भी जिलेभर के कई पंचायतों एवं नगर पंचायत क्षेत्र में शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहाँ आमजन अपनी आवश्यक सेवाओं से संबंधित आवेदन दर्ज करा सकेंगे एवं ऑन-द-स्पॉट सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

जिला प्रशासन की ओर से उपायुक्त द्वारा आमजनों से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुँचकर प्रमाण पत्र निर्माण, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भूमि संबंधित सेवाएँ तथा झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध सेवाओं का लाभ अवश्य उठाएँ।

स्वास्थ्य मंत्री के विवादित बयान से राजनीतिक पारा गर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड में एसआईआर को लेकर राजनीतिक विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का एक विवादित बयान परिस्थितियों को और गर्म कर गया है। जामताड़ा में एक कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यदि एसआईआर के नाम पर कोई बीएलओ वोटर लिस्ट से नाम काटने या वेरिफिकेशन करने आपके घर पहुंचे, तो उसे आप अपने घर के कमरे में बंद कर दें और उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि उनके पहुंचने के बाद ही बीएलओ को छोड़ा जाए।

इरफान अंसारी के बयान के सामने आते ही पूरे राज्य में सियासी तूफान खड़ा हो गया। विपक्षी दलों के साथ-साथ सत्ता पक्ष में भी इस बयान को लेकर नाराजगी देखने को मिली। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने मंत्री के कथन को असंवैधानिक बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज की। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक तरीकों से होना चाहिए, न कि सरकारी कर्मचारियों को कमरे में बंद करने जैसे असंवैधानिक कदम उठाकर।

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिंहा ने कहा कि एसआईआर के खिलाफ विधानसभा में बिल पहले ही पास किया जा चुका है और यह पूरा मामला बीजेपी द्वारा वोट चोरी की योजना का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के माध्यम से मतदाता सूची में छेड़छाड़ का प्रयास किया जा रहा है, जिसके खिलाफ कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर लड़ाई लड़ रही है।

उधर, बीजेपी ने इरफान अंसारी के बयान को बेहद गैरजिम्मेदाराना करार दिया। पार्टी प्रवक्ता प्रतुलनाथ शाहदेव ने कहा कि मंत्री केवल मीडिया की सुर्खियों में रहने के लिए इस तरह के बयान देते हैं। उन्होंने तंज किया कि जब एक मंत्री अपने ही सरकार के बीएलओ को कमरे में बंद करने की बात करता है, तो इसे विरोध नहीं बल्कि राजनीतिक नौटंकी ही कहा जा सकता है।

सिने स्टार धर्मेन्द्र के निधन पर लोगों ने शेयर की झारखण्ड की यादें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बॉलीवुड के सुपरस्टार धर्मेंद्र देओल का आज निधन हो गया। धर्मेंद्र घाटशिला में सत्यकाम की शूटिंग के लिए आए थे। इसके पूर्व वे मोहब्बत जिंदगी है की शूटिंग के लिए वे धनबाद 1966 में आए थे। यहां तोपचांची झील में छलांग भी लगाई थी। यहां के जंगलों में गीत भी शूट हुआ था.. तुम्हारी मुलाकात से। इसके साथ फिल्म झरिया कोल माइंस में भी शूट हुई थी। फिल्म के पर्दे पर यहां शूट के बारे में जानकारी दी गई है। इसके अलावा स्टूडियों के बारे में जानकारी है।

धनबाद की खूबसूरती भी पर्दे पर दिखती है। इसके बाद वे तीन साल बाद फिर वे आए और घाटशिला में शूट किया। यह बात 1969 की है। घाटशिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां विभूति भूषण वंद्योपाध्याय रहे और उनसे इसकी ख्याति दूर-दूर तक गई।

इसके पूर्व महान फिल्मकार ऋत्विक घटक यहां शूट कर चुके थे।

घाटशिला के खडग सिंह ने बताते हैं कि सत्यकाम की शूटिंग यहां फरवरी से मार्च 1969 के बीच विभिन्न स्थानों पर हुई थी। वह उस समय आईसीसी स्कूल, माऊभंदर में छठी कक्षा में पढ़ रहे थे। मुकुल चक्रवर्ती, हृषिकेश दा के दूर के रिश्तेदार थे।

उन्होंने कहा कि हृषिकेश मुखर्जी के अनुरोध पर, मुकुल चक्रवर्ती ने यहां शूटिंग का आयोजन किया। शूटिंग फुलडुंगरी हिल, रातमोहना और सुवर्णरेखा नदी के किनारे हुई। यहां आए कलाकारों में धर्मेंद्र, शर्मिला टैगोर, डेविड, मनमोहन और रोबी घोष शामिल थे। मुकुल बाबू की जीप का भी शूटिंग में उपयोग किया गया। हम रोज शूटिंग देखने जाया करते थे।

जब आप सत्यकाम फिल्म से गुजरेंगे, तो उसे कस्बे को देख सकते हैं। फुलडुंगरी की पहाड़ियां और सुबर्णरेखा की चमकती लहरें। लोटे से धर्मेंद्र को पानी पिलाती शर्मिला और पीछे दिखता सुंदर पहाड़। धोती-कुर्ता पहने धर्मेंद्र नदी किनारे चट्टान पर खड़े नदी की ओर बढ़ती शर्मिला को निहार रहे हैं। घाटशिला के पूरमपूर सौंदर्य को हृषिकेश दा ने पर्दे पर जीवंत कर दिया था।

वित्तरहित शिक्षक संघर्ष मोर्चा की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। वित्तरहित शिक्षक संघर्ष मोर्चा के सदस्यों के अध्यक्ष मंडल की बैठक धुर्वा में हुई। बैठक में सभी सदस्यों ने कहा कि जब तक राज्य सरकार वित्तरहित अनुदानित स्कूल, इंटर कालेज के 75 प्रतिशत अनुदान बढ़ोतरी के संलेख प्रस्ताव पर निर्णय नहीं लेगी, तब तक राज्य के 600 स्कूल इंटर कालेज वित्तीय वर्ष 2025-26 का अनुदान प्रपत्र नहीं भरेंगे।

यह निर्णय रविवार को हुई मोर्चा के अध्यक्ष मंडल की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि अनुदान प्रपत्र नहीं भरने का प्रस्ताव 18 नवंबर को प्राचार्य एवं प्रधानाचार्य तथा शिक्षक प्रतिनिधियों की बैठक में लिया गया था।

बैठक में 500 से अधिक स्कूल, इंटर कालेज के प्राचार्य, प्रधानाचार्य एवं प्रतिनिधि शामिल थे। रविवार को प्राचार्य एवं प्रधानाचार्य के प्रस्ताव पर अध्यक्ष मंडल ने मुहर लगा दी। बैठक में तय किया गया कि जब तक संलेख प्रस्ताव को मंत्री परिषद की बैठक में रखकर उस पर निर्णय नहीं होगा तब तक 195 इंटर कालेज, 334 उच्च विद्यालय, 40 संस्कृत विद्यालय एवं 46 मदरसा विद्यालय अनुदान प्रपत्र नहीं भरेंगे।

बता दें कि इन संस्थानों में तीन से चार लाख बच्चे अध्यनरत हैं। ये संस्थाएं विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक हैं और इसमें गरीब बच्चे पढ़ाई करते हैं। इंटर कालेज में 7000 से 8000 रुपये मासिक एवं उच्च विद्यालयों, संस्कृत विद्यालयों एवं मदरसा विद्यालयों के शिक्षकों को तीन हजार से 4000 रुपये मासिक मिलता है।

कार्मिक विभाग ने 17 मार्च 2025 को ही वित्तरहित शिक्षा नीति समाप्त कर नियमावली बनाकर वेतनमान देने का पत्र स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को भेजा था। लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। वक्ताओं ने कहा कि सावित्रीबाई फुले बालिका समृद्धि योजना जो प्रत्येक वर्ष अनुदानित संस्थाओं में पढ़ने वाले कक्षा 8 से 12 की छात्राओं को मिलता था ,इस वर्ष इसे भी रोक दिया गया है।

भगवान बिरसा मुंडा की जन्म स्थली में छह माह से डायवर्सन का कार्य अधूरा

लोगों को हो रही परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। बिरसा मुंडा की जन्मभूमि खूंटी में विकास योजनाओं की रफ्तार इन दिनों काफी सुस्त पड़ गई है। हालात यह हैं कि जिला विकास की दौड़ में पीछे छूटता दिख रहा है। बुनियादी ढांचे में हो रही देरी और लंबे समय से जारी पिछड़ेपन की तस्वीर लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। इसका ताजा उदाहरण खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर पोलो मैदान के पास बना वह पुल है, जो छह महीने पहले लगातार हुई बारिश में टूट गया था। हैरानी की बात यह है कि पुल टूटने के बाद बनाए जा रहे वैकल्पिक डायवर्जन का निर्माण कार्य भी अब तक अधूरा पड़ा है। इसके कारण स्थानीय लोगों को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासी राम मनोहर महतो और काशीनाथ महतो ने बताया कि यह पुल ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है। पुल नहीं होने के कारण उन्हें कई किलोमीटर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर एक छोटे से डायवर्जन को बनाने में छह महीने लग जाते हैं, तो पूरा पुल बनने में कितने साल लगेंगे?

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर उदासीनता का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उनकी समस्याओं पर न तो ध्यान दिया जा रहा है और न ही

अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की कोई गंभीरता दिख रही है।

ग्रामीणों ने विडंबना का जिक्र करते हुए कहा कि जब किसी बड़े नेता का दौरा होता है तो रातों-रात सड़कें बन जाती हैं, पुल तैयार हो जाते हैं और पूरा इलाका चमका दिया जाता है। लेकिन जब गांववालों के लिए पुल बनाने की बात आती है, तो सिस्टम सुस्त पड़ जाता है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर क्यों बिरसा मुंडा जैसी महान विभूति की जन्मभूमि को विकास कार्यों में लगातार उपेक्षित किया जा रहा है। जिस जिले का नाम राज्य की राजनीति में हमेशा आगे रहता है, वहां विकास की यह स्थिति प्रशासनिक लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता को उजागर करती है।

बिहार में खुलेंगे चार नये आईडीटीआर : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के नए परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने सोमवार को विभाग का कार्यभार संभाल लिया। विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह एवं राज्य परिवहन आयुक्त अभिषेक द्विवेदी ने पुष्प गुच्छ देकर मंत्री का स्वागत किया। पद ग्रहण करने के बाद मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक भी की।

बैठक के दौरान मंत्री श्रवण कुमार ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने राज्य के सरकारी बसों में कंडक्टर बनने की न्यूनतम योग्यता दसवीं पास से घटाकर सातवीं पास कर दी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा युवक-युवतियों को रोजगार मिल सके।

बैठक में राज्य में चार नए इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआर) के निर्माण के निर्देश दिए। ये नए केंद्र बांका, भागलपुर, पूर्णिया, बेतिया और नालंदा में बनाए जाएंगे। वर्तमान में राज्य में केवल पटना और औरंगाबाद में दो आईडीटीआर कार्यरत हैं।

मंत्री ने परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक के निर्माण, बस अड्डों पर सुविधाओं का विस्तार, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना, बस स्टॉप, अड्डों की जमीन पर हुए अवैध कब्जों को हटाना, चालक कल्याण योजना के तहत ड्राइवरों को स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, यूनिफॉर्म और पेंशन जैसी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया इसके साथ ही निगम की पुरानी व जर्जर बसों को डंप करने की बजाय उनकी नीलामी प्रक्रिया तेज करने कहा। मंत्री ने कहा कि इससे परिवहन सुविधा व्यवस्थित होगी और नई बसें खरीदने में मदद मिलेगी। सरकार सभी प्रमुख रूटों पर अपनी बसें चलाने की तैयारी कर रही है, ताकि यात्रियों को सस्ती परिवहन सुविधा मिल सके।

हत्या कर भाग रहे अपराधियों को लोगों ने पीटकर मार डाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारीशरीफ (पटना)। राजधानी के रामकृष्णा नगर से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। दरवाजे पर बैठे एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

भागने के क्रम में बाइक सवार दो अपराधियों को लोगों ने गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगीपुर के पास घेर लिया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी।

डोमाचक निवासी अशर्फी सिंह दरवाजे पर बैठे थे, इसी दौरान बाइक सवार दो शूटर वहां पहुंचे। देखते ही देखते उनके शरीर में छह गोलियां उतार दी।

गोली लगने से घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद अपराधी भागने लगे। गोपालपुर के पास उन्हें घेर लिया और पीट-पीटकर हत्या कर दी।

वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं। बताया जाता है कि हत्या का कारण जमीन का विवाद है। सूत्रों के अनुसार एक दिन पहले ही अशर्फी सिंह ने करोड़ों की जमीन की घेराबंदी की थी।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण हो रहे लाभान्वित

प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन आदि सेवाओं का हो रहा ऑन-द-स्पॉट निपटारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। राज्य सरकार के निदेर्शानुसार जिले में 21 से 28 नवम्बर तक सेवा का अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज, 24 नवम्बर को भी जिलेभर में सभी प्रखंडों एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में शिविरों का सफल आयोजन किया गया।

सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत आज जिलेभर में विभिन्न प्रखंडों एवं नगर पंचायत क्षेत्र में शिविर आयोजित किए गए। खूँटी प्रखंड में तिरला एवं बारूडीहा पंचायत, कर्रा प्रखंड में हाकाजांग एवं सुनगी पंचायत, मुरहू प्रखंड में बिन्दा, केवड़ा एवं कुदा पंचायत, अड़की प्रखंड में हुँठ एवं बाड़ीनिजकेल पंचायत, तोरपा प्रखंड में कमड़ा एवं जरिया पंचायत तथा रानियां प्रखंड में सोदे पंचायत में शिविरों का आयोजन हुआ। इसके अतिरिक्त नगर पंचायत क्षेत्र में भी तीन स्थानों– वार्ड संख्या 07 (चौधरी तालाब के पास), वार्ड संख्या 08 (कर्रा रोड अटल मोहल्ला क्लिनिक के पास), एवं वार्ड संख्या 09 (पानी टंकी झ महादेव मण्डा) – पर शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, नगर प्रबंधक, स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जिलेभर में लगे शिविरों में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, भूमि मापी, दाखिल-खारिज, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं अन्य सेवाओं हेतु प्राप्त आवेदनों का त्वरित निपटारा किया गया। अनेक मामलों का समाधान स्थल पर ही कर दिया गया, जबकि लंबित आवेदनों को समयबद्ध निष्पादन के लिए पंजीबद्ध किया गया। इसके अलावा कई शिविरों में ऑन द

स्पॉट सर्वजन पेंशन स्वीकृति, जाति/आवासीय/आय प्रमाण पत्र वितरण, राशन कार्ड सेवाएँ, मनरेगा जॉब कार्ड, मनरेगा उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र, श्रम विभाग का संगठित कार्ड, छात्राओं के बीच साईकल वितरण, आपूर्ति विभाग के अंतर्गत धोतीझसाड़ीझलुंगी वितरण, जेएसएलपीएस दीदियों को क्रेडिट लिंकज सुविधा एवं आईडी कार्ड वितरण, गर्भवती महिलाओं को पोषण सामग्री वितरण सहित कई सेवाएँ ऑन-द-स्पॉट उपलब्ध कराई गईं। अनेक आवेदनों का निपटारा स्थल पर ही किया गया, जबकि कुछ को समयबद्ध निष्पादन हेतु पंजीबद्ध किया गया।

उपायुक्त के निदेर्शानुसार वरीय अधिकारियों की टीम– उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी डॉ. शिशिर कुमार सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम, समाज कल्याण पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर, सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी, डीसीएलआर अरविंद ओझा सहित अन्य अधिकारियों ने विभिन्न शिविरों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने भीड़ प्रबंधन, सेवा की सहज उपलब्धता, दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया एवं व्यवस्था की समग्र स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

लाभुकों ने शिविरों में त्वरित सेवाएँ प्राप्त कर प्रसन्नता व्यक्त की तथा राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि सेवा का अधिकार सप्ताह के कारण प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन एवं अन्य योजनाओं के लाभ एक ही स्थान पर सरलता से मिल पा रहे हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में पहुँचकर सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ अवश्य प्राप्त करें।

42 हाथियों के झुण्ड ने दो लोगों को कुचलकर मारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिरनी। झारखंड के गिरिडीह में हाथियों के झुंड के आबादी इलाके में प्रवेश और फिर हमला एक बड़ी समस्या बन गई है। बिरनी के गादी गांव में सोमवार की सुबह करीब 6 बजे 42 हाथियों के झुंड ने भयावह हमला कर दिया, जिसमें एक वृद्ध महिला और एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतकों में गादी निवासी 65 वर्षीय कांति देवी और 55 वर्षीय बोधि पंडित शामिल हैं। घटनास्थल पर घने कोहरे के कारण दोनों को झुंड दिखाई नहीं दे पाया और हाथियों ने उन्हें एक साथ कुचल डाला।

ग्रामीणों का कहना है कि कांति देवी और बोधि पंडित घर के पीछे मैदान की ओर टहलने गए थे। अचानक हाथियों का हमला हुआ और वे बुरी तरह गम्भीर हो गए। सूचना मिलते ही प्रमुख रामू बैठा व मृतक के स्वजन ने भरकट्टा थाना पुलिस और वन विभाग को सूचित किया।

दोनों के शवों को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और ग्रामीणों में डर का माहौल है, क्योंकि अभी भी झुंड ने जंगल में पूरी तरह छूट नहीं है-वे गादी और पेशम जंगलों के आसपास देखे गए हैं।

यह हमला झारखंड में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष की चिंताजनक तस्वीर को फिर से उजागर करता है। हाल के

आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच सालों में झारखंड में हाथियों के हमलों में करीब 474 लोगों की जान गई है। वन विशेषज्ञों का मानना है कि हाथियों के पारंपरिक रास्तों (एलीफेंट कॉरिडोर) पर अतिक्रमण, जंगल कटाव और खनन गतिविधियों ने उनके आवागमन को बाधित किया है, जिससे वे घरों और गांवों की ओर निकलने पर मजबूर हो रहे हैं।

वन विभाग ने आगाह किया है कि स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। ग्रामीणों ने मुआवजे और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इसी तरह की त्रासद घटनाओं को रोका जा सके

गिद्धौर राज रियासत की अंतिम महारानी का निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। गिद्धौर राज रियासत की अंतिम महारानी प्रतिभा मंजरी सिंह का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने बीते शनिवार को कोलकाता स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। राजपरिवार के सदस्य आनंद सिंह ने उनके निधन की पुष्टि की है। महारानी प्रतिभा मंजरी सिंह, गिद्धौर के स्व. महाराजा बहादुर प्रताप सिंह की धर्मपत्नी तथा राजकुंवर राज राजेश्वर प्रताप सिंह की माता थीं। महारानी के निधन की खबर फैलते ही गिद्धौर, जमुई और आसपास के क्षेत्रों में शोक की गहरी लहर दौड़ गई। उनका जन्म 21 जुलाई 1934 को मयूरभंज के शाही परिवार में हुआ था। वे मयूरभंज के महाराज स्व. महाराजा प्रताप चंद्र भांजदेव की सुपुत्री थीं। विवाह के उपरांत वे गिद्धौर रियासत की महारानी बनीं और जीवन भर राजपरिवार की परंपराओं, सामाजिक कार्यों तथा लोकसेवा से जुड़ी रहीं।

जानकारी के अनुसार, वे लंबे समय से बीमार थीं और कोलकाता में उपचाररत थीं। बीते दिनों अचानक

तबीयत अधिक बिगड़ने पर उनका निधन हो गया। उनके निधन पर सामाजिक व राजनीतिक वर्गों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

गिद्धौर के सामाजिक कार्यकर्ता बिनोद कुमार, दिवाकर सिंह, सुशांत साईं सुंदरम, मिथिलेश सिंह काजू, निरंजन प्रसाद सिंह सहित अनेक लोगों ने कहा कि महारानी प्रतिभा मंजरी सिंह का निधन गिद्धौर की सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत है। क्षेत्र उनके योगदान को सदैव स्मरण करेगा। उनके निधन से गिद्धौर की ऐतिहासिक धरोहर और राजपरिवार की परंपराओं में शोक का गहरा माहौल व्याप्त है।

दोस्त बनकर 45 हजार की ठगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। शहर के राकी मुहल्ला निवासी सेवानिवृत्त परियोजना पदाधिकारी, रामचंद्र कश्यप को झांसा देकर साइबर अपराधियों ने इनके गुगल पे से 45 हजार रुपये उड़ा लिए। रामचंद्र कश्यप ने बताया कि इनके मोबाइल पर 20 नवंबर की शाम करीब 3:36 बजे इनके मोबाइल पर एक अनजान व्यक्ति ने 9039 53 6396 से फोन किया। फोन पर कॉलर ने बोला कि हेलो सर जी नमस्ते, मैं आपका पुराना मित्र हूं।आवाज से पहचानिए, हमें पहचाना की नहीं।

उसके द्वारा यह बातें बार-बार कहने पर इन्हें लगा कि अपने परिचित रवि मिश्रा हैं। जब इन्होंने पूछा कि क्या आप मिश्रा जी हैं, इस पर उसने कहा कि बिल्कुल ठीक पहचाना।

इसके बाद उसने रामचंद्र कश्यप से कहा कि मेरे करीबी अस्पताल में भर्ती है और उनको मुझे पैसा भेजना जरूरी है। मेरे गूगल फोन पे से पैसा नहीं जा रहा है। मैं आपके फोन पे पर 45000 रुपये भेज रहा हूं, इसको मेरे बताएं नंबर पर कृपया भेज दें।

इसके बाद उस अज्ञात कॉलर में कश्यप जी के फोन पर 45000 रुपया भेजने का मैसेज भेज दिया और कहा कि उसे अपने गूगल फोन पर से मोबाइल नंबर 79871 75067 पर ट्रांसफर कर दें। इसके बाद रामचंद्र कश्यप ने अपना बैलेंस चेक किए बिना ही मैसेज देखकर उनके द्वारा बताए गए मोबाइल पर पैसा ट्रांसफर कर दिए।

उसके बाद फिर से उस अज्ञात व्यक्ति ने इनके मोबाइल पर 54 हजार रुपये का मैसेज भेजा और कहा कि इस राशि को भी इस नंबर पर भेज दीजिए। कश्यप जी ने पुनः राशि फोन पे के माध्यम से भेजने का प्रयास किया। लेकिन जब पैसा नहीं गया तो उसने कहा कि थोड़ा-थोड़ा करके डालिए चला जाएगा। उसके बाद में भी उसके द्वारा स्कैन कोड भेजा गया और कहा गया कि इस पर डालिए।

इसी बीच अचानक उनका बेटा और पोता आया। इन्हें पोता ने समझाया कि दादाजी आपके साथ फ्रॉड हो गया है। उन्होंने कॉलर से कहा कि आप दोबारा जो पैसा भेजे हैं वह नहीं जा रहा है।

जब यह अपना अकाउंट चेक किया तो कोई पैसा नहीं आया था, इनका पैसा ही 45 हजार रुपया चला गया था।

ठगी का एहसास होने के बाद जब कश्यप जी ने वास्तव में रवि मिश्रा से बात किया तो उन्होंने कहा कि मैं तो आपको फोन नहीं किया हूं। इसके बाद उन्होंने साइबर थाना में शिकायत किया तथा 1930 पर नंबर पर क्राइम ब्रांच में भी फोन करके सूचना दिया।

इन्होंने इसकी जानकारी झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज गढ़वा के अध्यक्ष के के यादव को फोन करके दी। के के यादव ने तत्काल स्थानीय एसबीआई के मुख्य शाखा प्रबंधक को वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुए जानकारी दिया। साथ थी इस पर शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध किया।

बैंक से जानकारी लेने पर पता चला कि जो खाता नंबर मिला था वह पंजाब नेशनल बैंक का खाता है। के के यादव ने कहा कि आए दिन लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। प्रत्येक दिन टीवी में प्रचार आता है फिर भी लोग सतर्क नहीं हो रहे हैं।

अजलन शाह कप

अजलन शाह कप में भारत का जीत से आगाज, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाए मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता खोला और वह जीत का सूत्रधार बना। मोहम्मद राहील के पहले क्वार्टर में किए गए इकलौते गोल की बदौलत युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम ने रविवार को सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में तीन बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 1-0 से हरा दिया। भारतीय टीम छह साल के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग ले रही है। मैच के 15वें मिनट में दिलप्रीत सिंह के बनाए मौके को राहील ने गोल में बदल कर टीम का खाता

खोला। भारत की जीत में टीम के मिडफील्ड में दबदबे का मुख्य योगदान रहा जिसका श्रेय अभिषेक और टीम के कप्तान संजय को जाता है। ये दोनों खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। भारतीय खिलाड़ियों ने दोनों ओर से लगातार आक्रमण कर कोरिया की रक्षापंक्ति पर दबाव बनाये रखा। मैच के चौथे मिनट में ही टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन संजय उसे गोल में बदलने में नाकाम रहे। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने इससे पहले 2019 में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। तब टीम फाइनल में कोरिया से हारकर उपविजेता रही थी। कोरिया ने दूसरे क्वार्टर में वापसी के लिए जोर लगाया और टीम को इसका फायदा 27वें मिनट में मिला। उनके अग्रिम पंक्ति का एक खिलाड़ी गेंद के साथ भारतीय गोल पोस्ट के पास पहुंचने में सफल रहा लेकिन डाइव लगाकर प्रयास करने के बाद बावजूद वह इसे गोल में नहीं बदल पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने इसके बाद बेहतर सामंजस्य दिखाया और आखिरी दो क्वार्टर में कोरिया को ज्यादा मौके नहीं दिये। इस दौरान टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन अभिषेक का प्रयास गोल से दूर रहा। इस मुकाबले को भारतीय समयानुसार दोपहर डेढ़ बजे शुरू होना था लेकिन बारिश के कारण मैच छह घंटे की देरी से शुरू हुआ। भारत सोमवार को बेल्जियम से भिड़ेगा। राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रत्येक टीम अन्य पांच टीमों से एक-एक बार खेलेगी, जिसमें विजेता को तीन अंक मिलेंगे और ड्रॉ पर एक अंक मिलेगा।

स्पिनर तारिक की हैट्रिक

पाकिस्तान टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंचा

रावलपिंडी, एजेंसी। रहस्यमयी स्पिनर उस्मान तारिक की हैट्रिक की बदौलत पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 69 रन से हराकर टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में प्रवेश कर लिया। तारिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिए जिससे ज़िम्बाब्वे 19

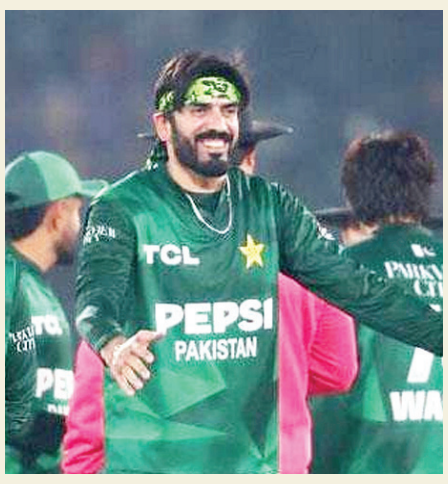

ओवर में 126 रन पर आउट हो गया। पाकिस्तान की यह टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत है। टूर्नामेंट की तीसरी टीम श्रीलंका है। ज़िम्बाब्वे के लिए रयान बर्ल ने 49 गेंदों पर नाबाद 67 रन बनाए। उन्होंने रिचर्ड नगारवा (05) के साथ आखिरी विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। इससे पहले बाबर आज़म (74) और साहिबज़ादा फरहान (63) के अर्धशतकों की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 195 रन बनाए। फखर ज़मां ने आखिरी क्षणों में 10 गेंदों पर नाबाद 27 रन की पारी खेली।

क्रिकेट फॉर ब्लाइंड :

नेपाल को हराकर भारत ने जीता पहला महिला टी-20 वर्ल्ड कप

कोलंबो, एजेंसी। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने फाइनल में नेपाल को 7 विकेट से हराया। इसी के साथ भारत ने पहला महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड जीतकर इतिहास रच दिया है। कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला करते हुए भारत ने नेपाल को 20 ओवर में 114/5 रन पर रोक दिया। नेपाल ने 2.2 ओवर में कप्तान बिनीता पुन का विकेट गंवाया।

बिनीता 9 गेंदों में 5 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मीनाक्षी चौधरी ने सुषमा तमांग के साथ दूसरे विकेट के लिए 15 रन जोड़े। मीनाक्षी चौधरी टीम के खाते में 8 रन जोड़कर पवेलियन लौटीं। टीम ने 30 के स्कोर पर सुषमा (6) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से बिमला रानी ने सरिता घिमिरे के साथ चौथे विकेट के लिए 65 रन जुटाते हुए टीम को संभाला। बिमला 26 गेंदों में इतने ही रन बनाकर आउट हुईं, जबकि सरिता ने 38 गेंदों में नाबाद 35 रन बनाए।

भारत की तरफ से बी1 जमुना रानी टुडू और बी1 अनु कुमारी ने 1-1 विकेट हासिल किया। इसके जवाब में भारत ने 12.1 ओवरों में मुकाबला अपने नाम करते हुए खिताब जीता। भारत की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। इस टीम ने 5 के स्कोर पर बी2 अनेका देवी (2) का विकेट गंवा दिया था। यहां से बी1 करुणा ने कप्तान बी3 दीपिका के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 रन जुटाते हुए टीम को संभाला। दीपिका 6 रन बनाकर आउट हुईं। करुणा ने बी3 फुला सरेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 रन जुटाते हुए भारत को जीत की दहलीज तक पहुंचा दिया। करुणा 27 गेंदों में 42 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से फुला सरेन ने बी2 बसंती हांसदा के साथ अटूट साझेदारी करते हुए भारत को आसान जीत दिलाई।

फुला 27 गेंदों में 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि बसंती ने 13 रन टीम के खाते में जोड़े। नेपाल की तरफ से बी3 दिल्लीसरा धमाला ने 1 विकेट निकाला। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए समेत छह टीमों का यह टी20 टूर्नामेंट 11 नवंबर को नई दिल्ली में शुरू हुआ था।

भारत पहली पारी में 201 रन पर ढेर

● द. अफ्रीका ने बनाई 288 रन की बढ़त ● दूसरी परी में द. अफ्रीका ने 26 रन बनाए

नई दिल्ली। माकर यानसन (6 विकेट) और साइमन हार्मर (3 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को लंच के बाद भारतीय टीम को 201 रनों के स्कोर पर समेटकर 288 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपना शिकंजा कस लिया है। भारत से पहली पारी में 288 रन से आगे रहने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया, दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका ने बिना विकेट खोए 26 रन बना लिये थ।

लंच के बाद 79वें ओवर में हार्मर ने वॉशिंगटन सुंदर को एडम मारक्रम के हाथों कैच आउटकर कर दक्षिण अफ्रीका को आठवीं सफलता दिलाई। वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी हुई। वॉशिंगटन सुंदर ने 92 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 48 रनों की पारी खेली। भारत का आठवां विकेट194 के स्कोर पर गिरा। इसी स्कोर पर यानसन ने एक छोर थामे जुझारू बल्लेबाजी कर रहे कुलदीप यादव को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। कुलदीप यादव ने 134 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 19 रन बनाए। इसके बाद यानसन ने 84वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जसप्रीत बुमराह (पांच) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउटकर कर 201 के स्कोर पर भारत की पहली पारी का अंत कर दिया।

भारतीय टीम की शुरूआत तो अच्छी रही थी, जब राहुल और जायसवाल ने अर्धशतकीय साझेदारी की। लेकिन इसके बाद उनका कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर नहीं टिक सका। माकर यानसन की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए भारतीय बल्लेबाजो को कोई भी मौका नहीं दिया। कुलदीप और वॉशिंगटन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी जरूर हुई, लेकिन वह नाकाफी रही। इससे पहले झटकों से उबरते हुए वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 33) और कुलदीप यादव (नाबाद 14) ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए भोजनकाल तक भारत का स्कोर सात विकेट पर 174 रन पहुंचा दिया।

टी ब्रेक के बाद माकर यानसन ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर जवाब हमले का प्रयास कर रहे कप्तान ऋषभ पंत (सात) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद यानसन ने नीतीश कुमार रेड्डी (10) और रवींद्र जडेजा (छह) को आउट कर भारत को संकट में डाल दिया। ऐसे संकट के समय वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने मोर्चा संभाला और जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए रन बटोरे। इससे पहले दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का पहला सत्र यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की अच्छी शुरुआत के बावजूद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के नाम रहा। साइमन हार्मर (दो विकेट) की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने चायकाल तक भारत के 102 के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली।

भारत ने आज यहां कल के बिना कोई विकेट खोए नौ रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। इसी दौरान यशस्वी ने 85 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। 22वें ओवर में केशव महाराज ने केएल राहुल को आउटकर भारत को पहला झटका दिया। केएल राहुल ने 63 गेंदों में दो चौकों की मदद से 22 रन बनाये। इसके बाद 33 वें ओवर में साइमन हार्मर ने यशस्वी जायसवाल को माकर यानसन के हाथों कैच आउटकर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई।

यशस्वी जायसवाल ने 97 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए 58 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। 35वें ओवर में हार्मर ने साई सुदर्शन (15) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में यानसन ने ध्रुव जुरेल (शून्य) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए राहुल होंगे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 30 नवंबर से होने जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 23 नवंबर (रविवार) को हुई. इस वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल संभालते नजर आएंगे. नियमित कप्तान शुभमन गिल नेक इंजरी के चलते सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे, वहीं श्रेयस अय्यर भी इंजरी के कारण अभी कुछ महीनों तक क्रिकेटिंग एक्शन से दूर रहने वाले हैं. इसी वजह से विकेटकीपर बल्लेबाज राहुल को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है. भारतीय टीम ने आखिरी ओडीआई सीरीज पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की धरती खेली थी. तब शुभमन गिल अगुवाई में टीम इंडिया को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वनडे टीम का हिस्सा रहे चार खिलाड़ी साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी ओडीआई सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे. इनमें शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज शामिल हैं. शुभमन और श्रेयस का चोट के चलते बाहर रहना तय था. वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत रेस्ट दिया गया है. जबकि बाएं हाथ के ऑलराउंडर अक्षर पटेल ड्रॉप हुए. ऋतुराज-तिलक की लंबे समय बाद वापसी इन चारों के स्थान पर ऋतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत को वनडे टीम में चुना गया है. ऋतुराज ने भारत के लिए आखिरी वनडे इंटरनेशनल मुकाबला 19 दिसंबर 2023 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही गकेबरहा में खेला था.

प्रांजलि ने महिला 25 मीटर पिस्टल में जीता स्वर्ण

बधिर ओलंपिक में अपने नाम किया तीसरा पदक

टोक्यो, एजेंसी। प्रांजलि का टोक्यो में हो रहे बधिर ओलंपिक में यह तीसरा पदक है। इससे पहले वह अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल इवेंट में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक अपने नाम कर चुकी हैं। प्रांजलि प्रशांत धूमल ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 25 मीटर पिस्टल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। प्रांजलि का टोक्यो में हो रहे बधिर ओलंपिक में यह तीसरा पदक है। इससे पहले वह अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल इवेंट में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक अपने नाम कर चुकी हैं। यूक्रेन की मोसिना हलिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में किया था प्रवेश

भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालिफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। रविवार को अभिनव देशवाल ने पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जो बधिर ओलंपिक की निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारत का 15वां पदक था।

डेफलिंपिक्स 2025

डेफलिंपिक्स में चमका भारत

25 मीटर पिस्टल में अभिनव देशवाल ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनल में अभिनव ने शुरुआत से ही बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले पांचों शॉट्स में सटीक निशाना लगाया और दूसरी सीरीज में चार हिट किए। इसके बाद उन्होंने अगले 20 में से 18 शॉट्स लक्ष्य पर लगाए, जिनमें दो बार पांचों के पांच हिट शामिल रहे। अंतिम दौर में उन्होंने तीन हिट किए, जो उनका सबसे कम स्कोर था, लेकिन तब तक बढ़त इतनी मजबूत थी कि स्वर्ण पदक पक्का हो गया। भारत के निशानेबाज अभिनव देशवाल ने रविवार को डेफलिंपिक्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने क्वालिफिकेशन में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए फाइनल में भी शानदार खेल दिखाया और कुल 44 अंक के साथ पहले स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के सियुंग ह्वा ली 43 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि यूक्रेन के सेरही फॉरमिन ने कांस्य पदक जीता। भारत के दूसरे प्रतिभागी चेतन हनमंत सपकाल पांचवें स्थान पर रहे।

पैट कमिंस को लेकर कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने दिया अपडेट

पर्थ, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले पैट कमिंस पूरी ताकत के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को लगता है कि कमिंस का रिहैबिलिटेशन पूरा होने वाला है। हालांकि, कोच ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि ब्रिस्बेन में दूसरे एशेज टेस्ट में कमिंस के खेलने पर आखिरी फैसला कुछ समय बाद लिया जाएगा। पैट कमिंस सोमवार के बजाय मंगलवार को अपना बॉलिंग सेशन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर जल्द ही उनकी वापसी की तैयारी पर चर्चा करने वाले हैं। अगर कमिंस ब्रिस्बेन टेस्ट में वापसी करते हैं और मैच पूरे पांच दिन चलता है, तो भी एडिलेड में तीसरा टेस्ट खेले जाने तक उन्हें एक हफ्ते से ज्यादा दिनों का आराम मिलेगा। कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, 'ऐसा लग रहा था कि पैट कमिंस अपने रिहैबिलिटेशन के पूरा होने के करीब हैं। उनकी गेंदों में गति थी। कमिंस के साथ काफी सकारात्मक चीजें हैं। इस टेस्ट मैच से पहले उनकी वापसी पर चर्चा होगी। हो सकता है कि यह हमारे लिए देरी से हो। उन्हें थोड़ा काम करना है, लेकिन वह वापसी के करीब हैं।' इस बीच तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। मैकडोनाल्ड ने एशेज में उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय करने से इनकार कर दिया है। कोच मैकडोनाल्ड ने कहा, 'हेजलवुड अपने रिहैब के पहले हफ्ते में हैं। एक बार जब वह फिट हो जाएंगे, तो हम उनकी वापसी के बारे में बताने की स्थिति में होंगे।

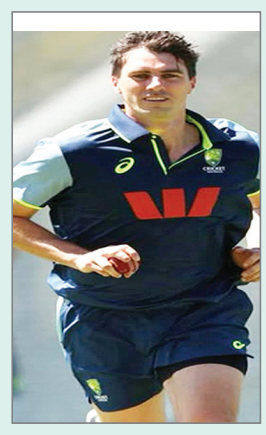

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 1.6 करोड़ का साइबर फॉड, निवेश कराने के बहाने बना रखी थीं फर्जी कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में डिजटलीकरण के साथ साइबर फॉड की चुनौतियां मुंह बाए सामने खड़ी हैं। रोजाना एक न एक केस आता है जहां आम लोग इन साइबर अपराधियों के जाल में फंस जाते हैं। ताजा मामला देश की राजधानी दिल्ली से है। यहां साइबर सेल ने 1.6 करोड़ के स्टॉक मार्केट निवेश धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। टीम ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही कई फर्जी कंपनियां बेनकाब हुई हैं। साइबर सेल ने एक फर्जी कंपनी जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सुनील कुमार को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र के ठाणे से एक अन्य फर्जी कंपनी उद्यम महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन चलाने वाले पति-पत्नी की जोड़ी को गिरफ्तार किया है। साइबर-सक्षम वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ एक बड़े अभियान में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने जीटीआर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड और उद्यम महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन जीतेअर इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड और उद्यम महिला सशक्तिकरण जैसी नकली संस्थाओं के माध्यम से चलाए जा रहे एक बहु-स्तरीय अखिल भारतीय स्टॉक मार्केट निवेश घोटाले को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है। यह गिरोह पूरे भारत में पीड़ितों को बड़ी रकम का चूना लगाने के लिए हाई-प्रोफाइल ऑनलाइन निवेश जाल, फर्जी प्री-आईपीओ योजनाएं और धोखाधड़ी वाले विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफॉर्म चला रहा था। यह मामला एक पीड़ित की शिकायत से शुरू हुआ, जिसने सोशल मीडिया के जरिए एक महिला एस के झांसे में आकर ?1.6 करोड़ खो दिए थे। महिला ने पीड़ित को स्प्रेडेक्स ग्लोबल लिमिटेड. नामक फर्जी यूके-आधारित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था।

साउथ के राज्यों की बड़ी चिंता दूर करेगी मोदी सरकार, परिसीमन पर क्या बन रहा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में लोकसभा और विधानसभा की सीटों के राष्ट्रव्यापी परिसीमन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। इस परिसीमन के आधार पर लोकसभा और विधानसभा की सीटें बढ़ जाएंगी। इसके अलावा महिला आरक्षण भी इसी के आधार पर लागू होगा। परिसीमन के लिए भौगोलिक क्षेत्र के साथ ही आबादी को भी आधार माना जाता रहा है और उसके अनुसार ही सीटों का आवंटन होता रहा है। लेकिन बीते कुछ सालों से तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल समेत दक्षिण भारत के सभी राज्यों की ओर से चिंता जताई जाती रही है कि उनकी सीटों का अनुपात कम हो सकता है। इसकी बजाय यूपी, बिहार जैसे राज्यों की लोकसभा सीटों का अनुपात और बढ़ सकता है, जो पहले ही अधिक है। दक्षिण भारत के राज्यों की ओर से यह चिंता जताई जाती रही है कि यदि आबादी के अनुपात को आधार मानते हुए सीटों का आवंटन हुआ तो हमें नुकसान होगा। यही नहीं उत्तर भारत से तुलना करते हुए साउथ के कई नेता कहते रहे हैं कि हमने यदि फैमिली प्लानिंग को अच्छे से लागू किया और आबादी पर नियंत्रण पाया तो उसके लिए परिसीमन में सीटों का अनुपात घटाकर सजा नहीं मिलनी चाहिए। अब जानकारी मिल रही है कि केंद्र सरकार ने दक्षिण भारत के राज्यों की इन चिंताओं पर विचार किया है। खबर है कि सीटों की संख्या भले ही परिसीमन के बाद बढ़ेगी, लेकिन उसके अनुपात में बदलाव नहीं किया जाएगा। इसका अर्थ है कि साउथ के राज्यों की राजनीतिक शक्ति जस की तस रहेगी। परिसीमन को लेकर जिन प्रस्तावों पर विचार चल रहा है, उनमें से एक यह है कि विधानसभा की सीटों को जनगणना के आंकड़ों के अनुसार बढ़ा दिया जाएजैसी ही रखी जाए। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इस प्रस्ताव को लेकर सरकार का मानना है कि विधानसभा की सीटें बढ़ाना किसी राज्य का आंतरिक मामला है।

सीरिया अफगानिस्तान के आतंकी ग्रुप्स में एंट्री चाहते थे टेरर मॉड्यूल के डॉक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला के पास हुए बम धमाके की जांच जैसे-जैसे अपने मुकाम की ओर पहुंच रही है वैसे-वैसे चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच से जुड़े अधिकारियों की मानें तो व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के डॉक्टरों ने सीमा पार बैठे आतंकी आकाओं से सीरिया या अफगानिस्तान जाकर वहां के आतंकी संगठनों में शामिल होने की चाहत जताई थी। हालांकि सीमा पार के हैंडलरों ने टेरर मॉड्यूल के डॉक्टरों को भारत में ही रह कर धमाकों को अंजाम देने का निर्देश दिया था।

जांच से जुड़े सूत्रों ने बताया कि आतंकी मॉड्यूल में भर्ती किए गए डॉक्टरों डॉ. मुजम्मिल गनई, डॉ. अदील राठेर, डॉ. मुजफ्फर राठेर और डॉ. उमर उन नबी को सबसे पहले टेलीग्राम के निजी ग्रुप में जोड़ा गया था। इस ग्रुप से उनको बरगलाना शुरू किया गया था। सूत्र बताते हैं कि भर्ती किए गए डॉक्टरों ने शुरू में सीरिया या अफगानिस्तान जैसे मुल्कों में जाकर वहां के आतंकी समूहों में शामिल होने की इच्छा जताई थी। माना जा रहा है कि इनकी मंशा सीरिया या अफगानिस्तान में दहशतगर्दी की थी।

भारत में धमाकों को अंजाम देने के निर्देश

हालांकि सीमा पार बैठे उनके उनके आकाओं ने उन्हें भारत में ही रह कर भीतरी इलाकों में बम धमाकों को अंजाम देने के निर्देश दिए थे। जांच से पता चला कि हाल ही में जांच एजेंसियों के रडार पर आए व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के मुख्य संचालक उकासा, फैजान और हाशमी हैं। तीनों आतंकी सीमा पार से भारत में आतंकी गतिविधियों को चला रहे हैं। अक्सर इनके नाम जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी नेटवर्क से जुड़े मामलों में सामने आते हैं। बता दें कि सबसे पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस पोस्टरों की जांच को लेकर ऐक्टिव हुई थी। जांच पड़ताल के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यूपी और हरियाणा पुलिस के साथ संपर्क साधा था। फिर सफेद पोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था। पुलिस टीमें फरीदाबाद पहुंची जहां से 2900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था। बाद में अल फलाह यूनिवर्सिटी के डॉक्टरों के नाम सामने आए थे। साल 2018 के बाद से आतंकी समूहों की रणनीति में बदलाव देखने को मिला है। अब आतंकवादी समूह डिजिटल मंचों के जरिए लोगों की भर्ती करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि पुख्ता सुरक्षा उपायों के कारण प्रत्यक्ष और आमने-सामने की बातचीत मुश्किल होती जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, सीमा पार बैठे हैंडलर सोशल मीडिया पर कट्टरपंथी युवाओं की पहचान करते हैं। एक बार जब भर्ती होने के इच्छुक युवाओं की पहचान हो जाती है तो उन्हें टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप पर निजी ग्रुप में जोड़ दिया जाता है। वहां से उनको उकसाया जाता है। सूत्रों ने बताया कि आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का काम सौंपे जाने से पहले भर्ती लोगों को वर्चुअल ट्रेनिंग दी जाती है। उनको यूट्यूब ट्यूटोरियल उपलब्ध कराए जाते हैं। 'वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क' और फर्जी पहचान वाली आईडी का व्यापक उपयोग इन टेरर नेटवर्क को पकड़ में आने से बचने में मदद करता है।

दिल्ली कोर्ट में राबड़ी की अपील

लालू परिवार का केस सुन रहे जज को बदलने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज की कोर्ट में याचिका दायर कर आईआरसीटीसी घोटाले की सुनवाई कर रहे जज विशाल गोगने की अदालत से अपना केस किसी और जज के पास भेजने की अपील की है। राबड़ी ने मुकदमे में पक्षपात की आशंका के मद्देनजर अपना केस किसी और जज के कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की है। गोगने की अदालत में लालू यादव और राबड़ी देवी के परिवार से जुड़े चार केस की सुनवाई चल रही है। 13 अक्टूबर को अदालत ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों पर आरोप गठन कर दिया था। राबड़ी देवी ने अपनी याचिका में आईआरसीटीसी घोटाला, नौकरी के बदली जमीन घोटाला जैसे मामले दूसरे जज के पास भेजने की गुजारिश की है। राबड़ी देवी ने एमपी-एमएलए कोर्ट के जिला जज की अदालत में दायर इस याचिका में अपने मुकदमों के जज पर पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर केस की सुनवाई करने का आरोप लगाया है। राबड़ी ने कहा है कि जज अभियोजन पक्ष की तरफ झुके हैं। उन्होंने याचिका में लिखा है कि उनके खिलाफ मुकदमों की सुनवाई और उस दौरान दिए गए आदेशों से उन्हें पक्षपात की आशंका है, इसलिए न्यायपूर्ण सुनवाई के लिए केस को दूसरे जज के कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाए। राबड़ी देवी के वकील मनिंदर सिंह ने इस बात की जानकारी संबंधित जज को दी और उन्हें बताया कि इस पर जल्द सुनवाई हो सकती है। संभावना है कि इस अपील पर मंगलवार को सुनवाई हो। आईआरसीटीसी घोटाला केस में लालू यादव और उनके परिजनों पर रेलवे का काम देने के बदले जमीन लिखवाने का आरोप है।

गर्लफ्रेंड को स्वाट टीम की सुरक्षा देकर फंसे एफबीआई चीफ काश पटेल

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) प्रमुख काश पटेल अपनी गायिका गर्ल फ्रेंड एलेक्सिस विल्किंस को हाई प्रोफाइल स्वाट सिक्योरिटी देकर फंस गए हैं।

पहले से ही तमाम मामलों में कांग्रेस के निशाने पर चल रहे पटेल के इस फैसले की भी जांच शुरू हो गई है। बताया जाता है कि वह लंबे समय से लोक गायिका के साथ डेटिंग कर रहे हैं।

एलेक्सिस विल्किंस को नेशनल राइफल्स एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में स्वाट टीम के दो सुरक्षाकर्मियों के साथ प्रवेश करता देख सभी के कान खड़े हो गए।

अमेरिका की बेहद प्रशिक्षित यूनिट है स्वाट टीमः बता दें कि स्वाट टीम अमेरिका की बेहद प्रशिक्षित यूनिट है, जिसे किसी इमारत में

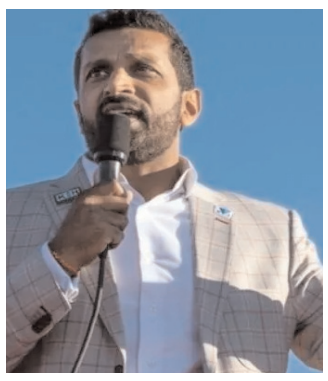

आतंकियों के कब्जे से बंधकों को छुड़ाने में माहिर माना जाता है। किसी तरह का खतरा न देख, दोनों सुरक्षाकर्मी लौट गए। इसके बाद पटेल ने टीम के कमांडर से इसकी शिकायत की कि दोनों सुरक्षाकर्मियों ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई।

पटेल ने अपने कार्यकाल के पहले नौ महीनों में करदाताओं द्वारा जुटाए गए संसाधनों का जिस तरह से जमकर इस्तेमाल किया, उससे प्रशासन के अंदर यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह मानक व्यवहार की सीमाओं के दायरे में है। इसमें अपनी और अपनी प्रेमिका की सुरक्षा के लिए सुरक्षा का अत्यधिक इस्तेमाल भी शामिल है।

सरकारी जेट विमान का भी काश पटेल ने किया है उपयोग

उन्होंने अपनी कुछ मनोरंजक यात्राओं के लिए भी सरकारी जेट का उपयोग किया है, जैसे कि पटेल अपने दोस्तों के साथ गर्मियों में स्काटलैंड में एक निजी रिजार्ट में गोल्फ खेलने के लिए गए थे।विल्किंस को कार्यक्रमों या प्रदर्शनों में भाग लेने के लिए सरकारी सुरक्षा प्रदान करने की बात ने विशेष ध्यान खींचा है।

इसमें पटेल समर्थक कुछ दक्षिणपंथी आनलाइन हस्तियां भी शामिल हैं, जिन्होंने इसकी आलोचना की है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए काम करनेवाले इंफ्लुएंसर ग्रेस चोंग ने एक्स पर लिखा कि क्या विल्किंस काश की पत्नी हैं। स्टीव बैनन ने भी इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ब्यूरो के संसाधनों के इस्तेमाल पर सवाल किया। मौजूदा और पूर्व एफबीआइ अधिकारियों ने भी इस मामले को अजीब बताया है। उन्होंने कहा कि स्वाट टीम को वीआइपी सुरक्षा का गहन प्रशिक्षण नहीं मिला होता। उन्हें केवल पूरक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

ताइवान को लेकर जापान के सैन्य बयान पर भड़का चीन

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को कहा कि जापान की नए नेता ने ताइवान पर सैन्य हस्तक्षेप संबंधी टिप्पणी करके सीमा लांघ दी है। चीन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर वान ने एक पोस्ट कहा कि इस माह की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की यह टिप्पणी 'स्तब्ध करने वाली है कि ताइवान पर चीन की नौसेना की नाकेबंदी या कोई और कार्रवाई जापान की जवाबी सैन्य कार्रवाई का आधार बन सकती है। वांग ने कहा, ''यह स्तब्ध करने वाली बात है कि जापान के मौजूदा नेताओं ने ताइवान मामले में सैन्य हस्तक्षेप की बात करके सार्वजनिक तौर पर गलत संकेत दिया है और ऐसी बातें कही हैं जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए थीं और इन सबसे उन्होंने ऐसी सीमा लांघी है जहां तक उन्हें जाना ही नहीं चाहिए था। वांग ने कहा कि चीन को जापान की हरकतों का ''दृढ़ता से जवाब देना चाहिए। ताकाइची के बयान के बाद से पिछले कुछ हफ़्तों से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। बीजिंग ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस को एक पत्र भेजा।

यूक्रेन बिल्कुल एहसानमंद नहीं

जिनेवा में जेलेंस्की पर फिर भड़के ट्रंप?

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस के साथ चल रहे युद्ध को खत्म कराने के अमेरिकी प्रयास के लिए यूक्रेन अमेरिका का बिल्कुल भी एहसानमंद नहीं है। यह स्थिति तब है जब अमेरिका उसे लगातार हथियार दे रहा है और यूरोपीय देश रूस से तेल भी खरीद रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट अपने बयान में यह बात कही है। ट्रंप का यह बयान तब आया है जब जिनेवा में अमेरिकी शांति प्रस्ताव को लेकर अमेरिका, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के अधिकारियों की वार्ता चल रही है।

जिनेवा में चल रही कई देशों की अहम बैठकः स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में यूक्रेन युद्ध पर आए अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अमेरिका, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के शीर्ष अधिकारियों की बैठक हो रही है। यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति कार्यालय के

प्रमुख आंद्री यरमक ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में बताया है कि उनकी पहली बैठक ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ हुई।

इस बैठक में युद्ध की समाप्ति के लिए संशोधित शांति योजना पर राय बनी है जिसमें यूक्रेन के हितों की रक्षा हो सके। यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल की अगली बैठक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ हो रही है जिसमें विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकाफ और सैन्य सचिव डान ड्रिस्काल शामिल हैं। जेलेंस्की बोले-बैठकों से अच्छे परिणाम की उम्मीद यरमक ने बताया है कि अमेरिकी दल से उनकी सकारात्मक वार्ता हो रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उन्हें इन बैठकों से अच्छे परिणाम की उम्मीद है। इससे पहले रूबियो ने पोलैंड के प्रधानमंत्री और दो अमेरिकी सीनेटरों के दावों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया है कि यूक्रेन को दिया गया शांति योजना का मसौदा अमेरिका ने तैयार किया है। अमेरिका ने युद्ध खत्म कराने के उद्देश्य से यूक्रेन को 28 बिंदुओं की शांति योजना का मसौदा दिया है। इस मसौदे में यूक्रेन के लिए युद्ध के दौरान रूस के कब्जे में गए डोनेस्क और लुहांस्क प्रांतों पर से दावा छोड़ने, सेना का आकार कम करने, नाटो में शामिल होने की इच्छा छोड़ने और युद्ध खत्म होने के बाद यूरोपीय सेना को तैनात न करने जैसी शर्तें हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन शर्तों वाली शांति योजना को मानने के लिए यूक्रेन को 27 नवंबर तक का समय दिया है। लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा है कि इन शर्तों को मानने से यूक्रेन जमीन के साथ अपना गौरव भी खो देगा और अगर योजना नहीं स्वीकार की तो वह अमेरिका का सहयोग खो देगा। यह यूक्रेन के लिए मुश्किल समय है।

इंग्लिश चैनल में घुसे रूसी युद्धपोत व टैंकर! यूके ने जताया कड़ा एतराज, नाटो ने भी संभाली कमान

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रॉयल नेवी ने हाल ही में ब्रिटिश समुद्री सीमा के पास एक रूसी युद्धपोत और एक टैंकर को इंटरसेप्ट किया। यह निगरानी पिछले दो हफ्तों में की गई। रॉयल नेवी का जहाज एचएमएस सेवन रूसी स्टोककिए कोर्वेट और एक टैंकर को लगातार मॉनिटर करता रहा, जब वे डोवर स्ट्रेट से होते हुए इंग्लिश चैनल में पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहे थे। बाद में यह जिम्मेदारी एक नाटो सहयोगी को सौंप दी गई, लेकिन एचएमएस सेवन दूर से नजर रखता रहा। ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीली ने दावा किया कि एक अन्य रूसी जहाज यत्र ने ब्रिटिश वायुसेना के पायलटों पर लेज़र पॉइंट किया जब वे उसकी गतिविधि की निगरानी कर रहे थे। ब्रिटेन यत्र को रूसी जासूसी जहाज कह रहा है। लंदन में रूसी दूतावास ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। रूस का कहना है कि यत्र एक ओशनोग्राफिक रिसर्च वेसल है।वह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में वैध गतिविधियां कर रहा था। ब्रिटेन सैन्य उन्माद फैलाने की कोशिश कर रहा है।

91 जगहों पर 1 ही वोटर की फोटो

दिल्ली कांग्रेस चीफ का आरोप, चुनाव आयुक्त को लेटर

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी चुनाव से पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राज्य निर्वाचन आयुक्त विजय देव को लेटर लिखकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पत्र के जरिए 30 नवंबर को होने वाले एमसीडी उपचुनाव से पहले अशोक विहार वार्ड में 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख देवेंद्र यादव के लेटर पर दिल्ली चुनाव आयोग के आयुक्त की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया

नहीं मिली। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र के वार्ड संख्या 65, बूथ संख्या 13 की वोटर लिस्ट में एक मतदाता की फोटो 91 जगहों पर पाई गई है। देवेंद्र यादव ने आगे कहा कि वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में अधिकतर मजदूर रहते हैं। इसका अर्थ है कि एक साजिश के तहत 90 लोगों के वोट का अधिकार छीन लिया जाएगा। यह लोकतांत्रिक मान्यताओं के खिलाफ है। उन्होंने आगे जोड़ा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार 'वोट चोरी' के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर एमसीडी के उपचुनावों को लेकर भाजपा ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। भाजपा ने रविवार को डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान चलाया। साथ ही, लोगों को मत डालने के लिए प्रोत्साहित भी किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया कि पार्टी प्रचार को मिले जनसमर्थन के आधार पर आंतरिक आकलन है कि 11 सीट पर चुनाव जीत रहे हैं। प्रचार का मुख्य आकर्षण मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सात बैठकें और जनसभाएं रहीं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अशोक विहार और द्वारका बी वार्ड में सांसद प्रवीन खंडेलवाल और कमलजीत सहरावत के साथ लोगों को संबोधित किया। इसके

दिल्ली एम्स में घटेगा सर्जरी का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एम्स के कैंसर सेंटर में सर्जरी का इंतजार कर रहे मरीजों के लिए अच्छी खबर है। यहां आईआरसीएच (इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हॉस्पिटल) में जल्द ही दूसरी रोबोटिक मशीन लगाने की तैयारी है। इससे सर्जरी की वेटिंग कम करने में मदद मिलेगी और दूसरे मरीजों को जल्द मौका मिल सकेगा।

बता दें कि आईआरसीएच में इसी वर्ष लगी रोबोटिक मशीन से अभी हर महीने 20 से 25 कैंसर मरीजों की सर्जरी हो रही है। मरीजों को यह अत्याधुनिक सुविधा निशुल्क मिल रही है। इससे मरीजों को फायदा हो रहा है और डॉक्टरों को भी यह रास आ रही है। यही वजह है कि एक वर्ष के भीतर ही कैंसर सेंटर के लिए दूसरी रोबोटिक मशीन खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 19.75 करोड़ की लागत से यह

रोबोटिक मशीन लगेगी।

रोबोटिक मशीन महंगी होने के कारण सरकारी क्षेत्र के बहुत कम अस्पतालों में इसकी सुविधा है। दिल्ली में भी एम्स, सफदरजंग अस्पताल व राष्ट्रीय क्षय एवं श्वसन रोग संस्थान में ही रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। इस वजह से सरकारी अस्पतालों में बहुत कम रोबोटिक सर्जरी होती हैं। निजी अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी के लिए लाखों रुपये शुल्क लिया जाता है। इस वजह से निजी अस्पतालों में आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को यह सुविधा नहीं मिल पाती। आईआरसीएच की ओपीडी में हर वर्ष एक लाख 90 हजार से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

मरीजों का दबाव अधिक होने के कारण एम्स के आईआरसीएच में सर्जरी के लिए तीन से चार माह तक की वेटिंग है। इससे मरीजों के इलाज में देरी होती है। डॉक्टरों को उम्मीद है कि रोबोटिक सर्जरी वेटिंग की यह समस्या कम होगी। एम्स के कैंसर सेंटर के डॉक्टर बताते हैं कि रोबोटिक सर्जरी के लिए मरीजों को बड़ा चीरा लगाने की जरूरत नहीं होती है। छोटे-छोटे छेद करके सर्जरी की जाती है। इस वजह से मरीज को रक्त स्राव व दर्द कम होता है।

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार सेवा का अधिकार शिविर में मिला त्वरित राहत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के सभी प्रखंडों में सोमवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार सेवा अधिकार सप्ताह के अंतर्गत लगे शिविरों में जनसहभागिता अपने चरम पर रही। सुबह से ही विभिन्न पंचायतों में आम जनों का तांता लगा रहा। सरकार द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को घर-घर पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित इस विशेष अभियान को ग्रामीणों ने बड़ी उत्सुकता और भरोसे के साथ अपनाया। शिविरों में उपस्थित जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनकर कई मामलों का स्थल पर ही निष्पादन किया। वहीं, जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उनके लिए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य सरकार और जनता के बीच दूरी को खत्म कर सेवा वितरण को पारदर्शी और सुलभ बनाना है।

वरीय नोडल पदाधिकारियों ने संभाली कमान

जिले के प्रत्येक प्रखंड में शिविरों की मॉनिटरिंग के लिए वरीय नोडल पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया था, जिन्होंने दिनभर शिविरों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विभिन्न पंचायतों/वार्डों में लगे विभागीय स्टॉलों की समीक्षा की गई और लाभुकों से सीधे संवाद भी किया गया। वरीय नोडल पदाधिकारियों में चास की उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, चंद्रपुरा की डीपीएलआर निदेशक मेनका, चंदनकियारी की एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, जरीडीह के अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, पेटरवार की जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, नावाडीह के एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, बेरमो की जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालको, कसमार के जिला भू-अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा तथा गोमिया के जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो. शफीक आलम शामिल रहे। पदाधिकारियों ने शिविरों में आए लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना तथा विभागीय टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्रामीणों में उत्साह-हजारों आवेदनों की हुई प्राप्ति

अभियान के दौरान विभिन्न योजनाओं एवं प्रमाण पत्रों से जुड़ी सेवाओं के लिए व्यापक स्तर पर आवेदन प्राप्त हुए। प्रमुख सेवाएं जिनके लिए लोगों ने भारी संख्या में आवेदन दिए, उनमें शामिल हैं - जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, नया एवं संशोधित राशन कार्ड, दाखिल-खारिज (म्यूटेशन), भूमि मापी एवं सर्वे, भूमि धारण प्रमाण पत्र (एलपीसी), सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं आदि। जिला प्रशासन द्वारा मिली तत्परता और सहज प्रक्रिया से ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। कई लाभुकों ने बताया कि पहले जहां इन सेवाओं के लिए उन्हें कई चक्कर लगाने पड़ते थे, वहीं अब एक ही मंच पर समाधान मिल रहा है।

सुव्यवस्थित प्रबंधन - लाभुकों के लिए राहतभरा अनुभव

शिविरों में व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। जनता की सुविधा के लिए - हेल्प डेस्क, पेयजल की उपलब्धता, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, पुलिस सहायता केंद्र, मीडिया सेंटर, तकनीकी सहायता डेस्क जैसी सुविधाएं सुनिश्चित की गई, जिससे लाभुकों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। इन सेवाओं के माध्यम से ग्रामीणों को आवेदन प्रक्रिया पूरा करने में आसानी महसूस हुई।

संक्षिप्त समाचार

आरोग्य भारती जिला इकाई की बैठक सम्पन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आरोग्य भारती झारखंड के प्रांतीय सचिव जयप्रकाश नारायण सिंह के निर्देशानुसार बोकारो महानगर की बैठक राममंदिर परिसर, सेक्टर एक में संपन्न हुई, जिसमें कुल 9 कार्यकर्ता/ पदाधिकारीगण शामिल हुए। बोकारो महानगर अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में स्थानीय संगठन को सशक्त बनाने हेतु विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। महानगर की मासिक बैठक सुनिश्चित करने और सभी आयामों को सक्रिय करने का निर्णय भी लिया गया। अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने अपने प्रबोधन में आरोग्य भारती के बारे में और उनके उपयोगी आयाम और आज का परिवेश के बारे में विस्तृत जानकारी दी इसके अलावा और कुछ अधिकारियों ने अपने विचार रखे। बैठक में मुख्य रूप से सत्यम भारती, शत्रुंजय, कालीचरण मुंडा, अनुरंजन, अतुल, दीनदयाल, पियूष और शशिभूषण उपस्थित रहे। अगली बैठक 7 दिसंबर को चास में अनुरंजन के आवास पर तय की गई।

सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर में सर्वजन पेंशन का बांटा गया स्वीकृति पत्र

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी प्रखंड क्षेत्र के रघुनाथपुर और मोहलीडीह पंचायत में सोमवार की सुबह 10 बजे से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर आयोजन किया गया। शिविर में के 1 घंटे के अंदर सर्वजन पेंशन तथा 2 घंटे के अंदर लेमिनेट करके जाति प्रमाण पत्र बांटा गया। साथ ही स्कूली बच्चों को साइकिल वितरण किया गया। महिला समूह को समूह की सदस्यता कार्ड, साथ ही आधा घंटे के अंदर मनरेगा का जॉब कार्ड बांटा गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ ब्रजेश कुमार रघुनाथपुर पंचायत की मुखिया सुचिता देवी तथा मोहलीडीह पंचायत की मुखिया बुलू देवी सभी ने संयुक्त रूप से मिलकर प्रमाण पत्र का किया वितरण। लाभुकों ने राज्य सरकार सभी पदाधिकारी एवं मुखिया को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

तालाब एवं जलाशय मत्स्य विकास योजना के तहत कोनार जलाशय में मछली संचयन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तालाब तथा जलाशय मत्स्य विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत सोमवार को कोनार जलाश्य में मछली संवर्धन को बढ़ावा देने हेतु विशेष संचयन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जलाशय में एक लाख ग्रास कार्प तथा पांच लाख मेजर कार्प अंगुलिकाओं का सफलतापूर्वक संचयन किया गया। इस अवसर पर डी.वी.सी. के प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, सरपंच, जर्कुंडा मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य, जिला मत्स्य पदाधिकारी श्रीमती नीलम तथा मत्स्य विभाग के कर्मचारी आदि उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि इस संचयन से जलाशय में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि होगी और स्थानीय मत्स्य जीवियों को आर्थिक लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि मत्स्य विभाग ने भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखने की बात कही, ताकि क्षेत्र में मत्स्य पालन को नई दिशा और गति मिल सके।

वाहन चोरों का गिरोह बेनकाब, एक गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बलियापुर पुलिस ने रांगामाटी क्षेत्र में रात्री गश्त के दौरान चोरी के वाहनों से जुड़े एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। रविवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि रांगामाटी निवासी एक सक्रिय अपराधकर्मी चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आर एम-4 की ओर गया है। सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने छापामारी कर रासुघूटू बस्ती, रांगामाटी निवासी राज गोराई (19) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी राज गोराई ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर धनबाद के कई थाना क्षेत्रों में मोटरसाइकिल चोरी करता है और उन्हें सस्ते दामों में बेच देता है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने तीन चोरी की मोटरसाइकिल, एक बिना नंबर का टोटो और एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया। राज गोराई ने यह भी खुलासा किया कि वह 29 अक्टूबर 2025 को बलियापुर थाना क्षेत्र में रोजगार सेवक संजय साह के साथ हुई छिनतई की घटना में शामिल था।

उपायुक्त ने किया शिविर का औचक भ्रमण लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आपकी योजना- आपकी सरकार - आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सेवा का अधिकार सप्ताह में आज बाघमारा प्रखंड के कांड्रा पंचायत में आयोजित शिविर का औचक भ्रमण किया। उपायुक्त ने शिविर के प्रत्येक स्टॉल का निरीक्षण किया। कर्मियों को आम लोगों की समस्या से संबंधित आवेदन प्राप्त कर त्वरित समाधान करने, राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजना के आवेदन भरने में ग्रामीणों की सहायता करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने बच्चों को अन्नप्राशन कराया। साथ ही लाभुकों के बीच स्वेटर, जॉब कार्ड, पेंशन, आय, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र सहित अन्य परिसंपत्तियों का वितरण किया। वहीं अपने संबोधन के दौरान उपायुक्त ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सभी आवेदनों का समय पर निष्पादन किया जाएगा। कहा कि राज्य सरकार की सोच है कि हर हकदार को उसका अधिकार मिले। उन्होंने शिविर में ग्रामीणों के लिए की गई व्यवस्था की सराहना की।इस अवसर पर उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, बाघमारा के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, मुखिया, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मासिक गोष्ठी में किया समरसता काव्य पाठ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् बोकारो की मासिक काव्य गोष्ठी परिषद् के उपाध्यक्ष दयानंद सिंह की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने प्रस्तुति समाज और समरसता काव्य का पाठ किया।गोष्ठी की शुरूआत माँ भारती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित कर मंगलाचरण एवं पुष्पांजी कर की गयी।सुनील कुमार की सरस्वती वंदना एवं कविता 'प्रेम की फुलवारी में सबका फूल खिलने दो' से गोष्ठी का शुभारंभ हुआ।डॉ आशा पुष्प की रंग बदलेगा ना मेरा आसमां गाकर खुब वाह वाही लूटी। डॉ नरेन्द्र राय की भोजपूरी कविता अब तो देर हो तरुए बताओ देश के अपना, परिषद् के महासचिव ब्रह्मानंद गोस्वामी 'विकल राही' की सामाजिक समरसता बहुत जरुरी हैं, इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। हास्य कवि वकील दीक्षित की हंस-हंस बोली नन्हीं चिडैयां चल अपना गांव रे, गाकर श्रोताओं को गद्-गद् कर गया। गोष्ठी का अद्भुत संचालन करते हुए चर्चित कवियत्री करुणा कलिका की में नारी हूं नारी का प्रतिमान लिखती हूँ, गाकर खुब सराहना पायी।परिषद् के मिडिया प्रभारी गंगेश कुमार पाठक की समझदार कातिल था, मुहब्बत करके छोड गया,सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गये। प्रसिद्ध कवियत्री गीता कुमारी गुस्ताख की मेरा देश है शिरमौर, मचां सारी दुनिया में शोर, रिंकू गिरि 'रतन' की जीवन एक केनवास की तरह है, कभी उस पर धूप कभी बादलों की छाया गाकर श्रोताओं को गमगीन कर गयी।ओमान से भारत आयी हुई विभा तिवारी की कविता पूरब की धरती सिंदूरी गाकर पूरे माहोल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।युवा कवि सत्यम हरिशंकर पांडे ने संस्कृत में कविता वन्देमातरम भारतवर्षम सुनकर उपस्थित सभी श्रोताओं ने तालियां बजायी।दीनानाथ ठाकुर की जिंदा रहूं तो घर में तिरंगा, मर जाऊं तो कफन तिरंगा,देशभक्तिमय वातावरण बना गया। छोटी बच्ची शगुन कृति की बाल कविता प्रसंसनीय रही।गणमान्य में संघ के सरयु गोस्वामी उपस्थित थे। अंत में भगवान पाठक ने सभी का धन्यवाद् ज्ञापन किया।ढेर सारी संख्या में उपस्थित श्रोता काव्य गोष्ठी का भरपूर आनंद लिया।

आईआईटी आईएसएम धनबाद का शताब्दी स्थापना सप्ताह 3 दिसंबर से

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा आईआईटी (आईएसएम) धनबाद आगामी 3 से 9 दिसंबर तक शताब्दी स्थापना सप्ताह आयोजित करने जा रहा है। 1926 में रॉयल स्कूल ऑफ माइन्स, लंदन के मॉडल पर स्थापित यह संस्थान भारतीय स्कूल ऑफ माइन्स एंड एप्लाइड जियोलॉजी के रूप में शुरू हुआ था, जो आज खनन, भू-विज्ञान, इंजीनियरिंग, कंप्यूटिंग, ऊर्जा अध्ययन और आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों तक विस्तृत एक बहुविषयक संस्थान बन चुका है। इसके पूर्व छात्र देश के औद्योगिक, ऊर्जा एवं वैज्ञानिक विकास में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने शताब्दी वर्ष को 'ऐतिहासिक चिंतन और नव-संकल्प का क्षण' बताया। उन्होंने कहा संस्थान ने पिछले सौ वर्षों में उल्लेखनीय यात्रा तय की है। यह अवसर हमारे गौरवशाली इतिहास के साथ-साथ भारत के वैज्ञानिक एवं तकनीकी भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करता है। शताब्दी स्थापना सप्ताह की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और विकसित भारत@2047 पर आधारित विचार-गोष्ठी से होगी। सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण खनिजों, सतत ऊर्जा परिवर्तन, अपशिष्ट प्रबंधन में तकनीकी प्रगति, भारतीय ज्ञान प्रणाली, नवीकरणीय ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा महिलाझनेतृत्व वाली नवाचार पहलों पर चचाएं होंगी। देशभर से विशेषज्ञ विभिन्न सत्रों में भाग लेंगे। संस्थान परिसर में वैज्ञानिक-तकनीकी प्रदर्शनियों का भी आयोजन होगा, जिसमें वर्चुअल माइनिंग अनुभव, 3डी मेटावर्स वॉकथ्रू, आपदा प्रबंधन मॉडल, एआई आधारित डैशबोर्ड और स्कूली बच्चों के लिए विज्ञान गतिविधियां शामिल होंगी। एसपीआईसी मैकाए के कलाकारों, छात्रों के नाट्य दलों, संगीत समूहों और कवियों की प्रस्तुतियां कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंग देंगी। प्रो. मिश्रा ने कहा कि यह उत्सव समाज से जुड़ाव की भावना को भी मजबूत करेगा। पुराने छात्रों के सम्मेलन, पुनर्मिलन और पूर्व निदेशकों-अध्यक्षों के साथ संवाद भी आयोजित किए जाएंगे। समापन 9 दिसंबर को संस्थान के स्थापना दिवस पर होगा, जिसमें विशेष संबोधन, सम्मान समारोह, शताब्दी घोषणाएं और भव्य ड्रोन शो शामिल रहेंगे। आईआईटी (आईएसएम) ने नए शतक में प्रवेश के साथ क्रिटिकल मिनरल्स रिसर्च, माइनिंग 4.0, स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, एआई प्रणालियों और बहुविषयक नवाचार को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया है। संस्थान आगामी तकनीकी भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर है।

लक्ष्य प्राप्ति को आवश्यक है समय के अनुसार बदलाव : नीरज लाल

विद्यालय समाप्ति के पश्चात प्रांतीय टोली ने विद्यालय प्रबंधन एवं आचार्य दीदी के साथ बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समयानुकूल परिवर्तन ही विकास का वास्तविक माध्यम है। लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक है कि हम भैयाझबहनों के साथ-साथ स्वयं में भी समय के साथ बदलाव करें। यह बातें धनबाद विभाग प्रमुख नीरज लाल ने सोमवार को बोकारो स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, 3सी में आयोजित निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान कही। विद्या भारती की प्रांतीय योजना के अंतर्गत झारखंड प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों में पठन-पाठन एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के मूल्यांकन का कार्यक्रम चल रहा है। उसी क्रम में सोमवार को विद्यालय का एक दिवसीय निरीक्षण किया गया। प्रांतीय टोली में धनबाद विभाग प्रमुख श्री नीरज लाल तथा सरस्वती विद्या मंदिर, बाघमारा के प्रधानाचार्य संतोष कुमार झा, सरस्वती विद्या मंदिर 9डी बोकारो के प्रधानाचार्य राजेन्द्र कामत सम्मिलित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत वंदना सभा से हुई। विद्यालय प्राचार्य द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया गया। तत्पश्चात प्रांतीय टोली ने दिनभर विभिन्न कक्षाओं में जाकर पठन-पाठन की पद्धति, अनुशासन, कक्षा-व्यवस्थापन, भैया-बहनों की कॉपियों, वेशभूषा तथा सहभागिता का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभाग प्रमुख ने कहा कि नियमित निरीक्षण से शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार होता है और शिक्षक अपनी पद्धतियों में आवश्यक परिवर्तन कर विद्यार्थियों तक बेहतर परिणाम पहुँचा पाते हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि भविष्य के निमार्ताओं की कार्यशाला है। उन्होंने परम्परागत भारतीय शिक्षण पद्धति का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक साधनों के साथ-साथ संवाद आधारित शिक्षण, उदाहरण विधि, संस्कार-संचार और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पंचपदी शिक्षक प्रणाली के माध्यम से ही भैया-बहनों का सर्वांगीण विकास संभव है। विद्यालय समाप्ति के पश्चात प्रांतीय टोली ने विद्यालय प्रबंधन एवं आचार्य दीदी के साथ बैठक की। बैठक में विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को और सुसंगठित एवं उन्नत बनाने को लेकर कई सुझाव साझा किए गए। बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे विद्यालय प्राचार्य संजीव कुमार ने प्रस्तुत किया।

जूनियर झारखंड बालिका अंडर 17 महिला फुटबॉल टीम में धनबाद की तीन खिलाड़ी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अनंतपुर आंध्र प्रदेश में आयोजित जूनियर बालिका नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप मे भाग ले रही झारखंड फुटबॉल टीम की घोषणा कर दी गई। बिरसा मुंडा स्टेडियम में चल रही चयन ट्रायल कैंप के अंतिम दिन चयनित खिलाड़ियों का नाम घोषणा कर दिया गया। धनबाद की अनन्या दत्ता, सुनैना टुडू, एवं गौरी सिंह ने टीम में जगह बनाई। इस अवसर पर उपस्थित झारखंड फुटबॉल संघ के महासचिव गुलाम रब्बानी, धनबाद जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, धनबाद जिला फुटबाल संघ के चेयरमैन श्याम पांडे,महासचिव मृदुल बोस, कोषाध्यक्ष मो सलाउद्दीन, उपाध्यक्ष डॉ विकास रमन, संयुक्त सचिव शुभंकर सरकार, उदय मिश्रा, चीफ सिलेक्टर पूर्व मोहम्मडन स्पोर्टिंग खिलाड़ी मो नियाजउद्दीन सदस्य संतोष रजक, बबिश कुमार ने खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए चैंपियन बनकर लौटने की शुभकामनाएं दी। टीम के चीफ कोच सुभाष लोध एवं मैनेजर आशा कुमारी (धनबाद) को बनाया गया। चयनित टीम में प्रीति तिग्गा, आयुषी कुमारी, उषा कुमारी, रीमा कुमारी, सुचिता कुमारी, बिना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, अनुष्का कुमारी, दीपिका कुमारी, रंजीता हेंब्रम, सोनल मुंडा, आयुषी कुमारी, सुनैना टुडू, सृष्टि कुमारी, मेरी हासदा, गौरी सिंह, रितंबरी भारती, प्रीति कुमारी, अनन्या दत्ता, कोमल तिर्की शामिल हैं।

बीएसएल में 'मंथली सेफ्टी चैंपियन' पुरस्कार की शुरूआत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के रिफ्रैक्टरी मटेरियल प्लांट विभाग ने संयंत्र की सुरक्षा संस्कृति को और मजबूत बनाने एवं श्रमिकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'मंथली सेफ्टी चैंपियन ऑफ RMP' पुरस्कार की शुरूआत की है। यह पहल विशेष रूप से संविदा श्रमिकों को सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने, सुरक्षित कार्य व्यवहार को प्रोत्साहित करने और कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। आरएमपी विभाग के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में अक्टूबर 2025 माह के लिए यह पुरस्कार संविदा श्रमिक श्री देव शरण पाल को प्रदान किया गया। सुरक्षित कार्य प्रणालियों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, अनुशासित कार्यशैली तथा कार्य के दौरान सतत सतर्कता को देखते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) नागराजन श्रीकांत, महाप्रबंधक (आरएमपी) मुकेश कुमार सिंह सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं संविदा श्रमिक उपस्थित थे। पुरस्कार प्रदान करते हुए मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) नागराजन श्रीकांत ने देवशरण पाल के सुरक्षित कार्य दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार केवल सम्मान नहीं, बल्कि इस विश्वास का प्रतीक है कि संविदा श्रमिक हमारी सुरक्षा व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है, और ऐसे प्रोत्साहन कार्यक्रम 'शून्य-दुर्घटना' लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। पुरस्कार प्राप्तकर्ता देवशरण पाल ने अपने कार्य में अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों तथा सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया और उपयोगी सुझाव भी दिए। उपस्थित अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि 'मंथली सेफ्टी चैंपियन' जैसे कार्यक्रम श्रमिकों में उत्साह और सहभागिता बढ़ाने के साथ-साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा-अनुशासन और सतर्कता को और मजबूती प्रदान करते हैं।

बीएसएल में कर्मियों के लिए सड़क एवं कार्य-सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

बोकारो स्टील प्लांट के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग द्वारा मेसर्स एफएसएनएल में कार्यरत कर्मचारियों के लिए सड़क एवं कार्य-संबंधित सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (एमआरडी) तापस सहाना, सहायक महाप्रबंधक (एमआरडी) पी. कल्बेंडे, सहायक महाप्रबंधक (एसईडी) नेहाल पासवान, सहायक प्रबंधक (एसईडी) हिमांशु शर्मा सहित एफएसएनएल एवं एमआरडी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में संविदा कर्मी उपस्थित रहे। कार्यशाला की शुरूआत एफएसएनएल के वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) अतुल कुमार सिंह द्वारा सुरक्षा शपथ के साथ हुई। इसके उपरांत सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के सहायक महाप्रबंधक नेहाल पासवान तथा सहायक प्रबंधक हिमांशु शर्मा ने सड़क सुरक्षा, कार्यस्थल सुरक्षा तथा संबंधित नियमों और प्रक्रियाओं पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्य व्यवहार, संभावित जोखिमों की समय पर पहचान तथा जिम्मेदार कार्य-संस्कृति अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीएसएल के एमआरडी विभाग के महाप्रबंधक श्री तापस सहाना और सहायक महाप्रबंधक पी. कल्बेंडे ने कर्मियों से सुरक्षा के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' की नीति अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बीएसएल में स्थापित सुरक्षा मानकों एवं दिशा-निर्देशों का पालन प्रत्येक परिस्थिति में अनिवार्य है, क्योंकि यही सुरक्षित, स्वस्थ और उत्पादक कार्य परिवेश का आधार है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com